RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 7
नई दिल्ली, शनिवार, 9 नवंबर, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

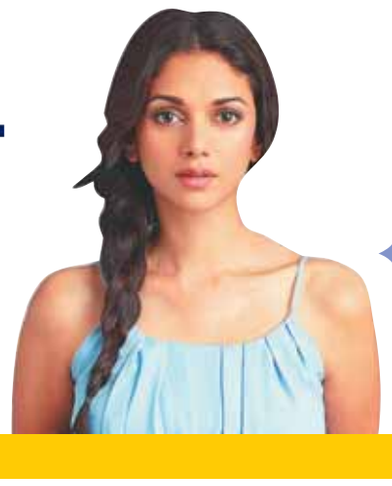

ट्रोलिंग से आप भाग नहीं सकते हैं : अदिति
विविध-16

अयोध्या मामले में फैसला आज

40 दिन की सुनवाई के बाद प्रधान न्यायाधीश गोगोई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ देगी बहुप्रतीक्षित निर्णय

- उत्तर प्रदेश सरकार ने स्कूल-कॉलेजों को तीन दिन के लिए बंद किया
- मुख्यमंत्री योगी ने कहा-शांति और सौहार्द बनाए रखने को प्रशासन प्रतिबद्ध, कानून से खिलवाड़ करने वालों से होगी सख्ती
- राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध, नोएडा-गाजियाबाद में सुरक्षा बलों का फ्लैग मार्च

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले में शनिवार को फैसला सुनाएगा। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एसए बोबडे, न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर की पांच सदस्यीय संविधान पीठ शनिवार की सुबह साढ़े दस बजे यह फैसला सुनाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए अयोध्या में धारा-144 लागू कर दी गई है और प्रदेश सरकार ने एहतियातन स्कूल-कॉलेजों को तीन दिन के लिए (9 से 11 तक) बंद कर दिया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। कानून से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

इससे पहले शुक्रवार सुबह प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। सूत्रों ने बताया कि प्रधान न्यायाधीश के कक्ष में करीब एक घंटे यह बैठक चली।

अयोध्या पर फैसला किसी की हार-जीत नहीं। भारत की शांति, एकता और सद्भावना हमारी परंपरा। फैसले के बाद हमें सौहार्द बनाकर रखना है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

बैठक में उप्र के मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी और पुलिस महानिदेशक ओम प्रकाश सिंह ने राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए गए बंदोबस्त से प्रधान न्यायाधीश को अवगत कराया। प्रधान न्यायाधीश के साथ हुई इस बैठक के बारे में और ज्यादा जानकारी उपलबध नहीं हो सकी। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने अयोध्या में 2.77 एकड़ विवादित भूमि तीन पक्षकारों- सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला विराजमान- में बराबर बराबर बांटने के उच्च न्यायालय के सितंबर, 2010 के निर्णय के खिलाफ दायर अपीलों पर छह अगस्त से लगातार 40 दिन तक सभी पक्षों की दलीलें सुनी। सुप्रीम कोर्ट में 2010 में दिए गए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ 14 अपीलें दाखिल की गईं थी। पीठ ने 16 अक्टूबर को सुनवाई पूरी करते हुए कहा था कि इस पर फैसला बाद में सुनाया जाएगा।

इस बीच दिल्ली पुलिस ने अतिरिक्त बलों की तैनाती के लिए अपने शीर्ष अधिकारियों से शहर के संवेदनशील इलाकों की पहचान करने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस की योजना सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने और सभी एहतियाती उपाय करने की है। सभी जिलों के पुलिस उपायुक्तों और थाना प्रभारियों को संवदेनशील इलाकों में पुलिस की उपस्थिति और गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। पुलिस द्वारा जारी एक परामर्श के मुताबिक पर्याप्त संख्या में बलों को तैनात किया जा रहा है और विभाग को गृह मंत्रालय से अतिरिक्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की सहायता भी मिलेगी। परामर्श में कहा गया है कि धर्म स्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया की भी निगरानी की जा रही है।

सोशल मीडिया पर मौजूद लोगों से विवेक के साथ पोस्ट करने और किसी असत्यापित सामग्री को साझा करने या फैलाने से बचने को कहा गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ दिल्ली पुलिस सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। उधर, नोएडा और गाजियाबाद में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया।

आक्रामक बनी रही शिवसेना फडणवीस ने दिया इस्तीफा

पायनियर समाचार सेवा।
मुंबई/नई दिल्ली

- राज्यपाल कोश्यारी ने किया मंजूर, फडणवीस से कहा- वैकल्पिक व्यवस्था होने तक बने रहें कार्यवाहक मुख्यमंत्री
- शरद पवार से मिले संजय राउत-कांग्रेस ने की चर्चा, सरकार गठन का दावा करने के लिए शेष है आज 12 बजे तक का समय

गठबंधन सरकार बनाने की नाकाम कोशिशों और शिवसेना-भाजपा नेताओं के बीच बयानबाजी के कड़वे दौर के बाद, देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राजभवन जाकर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अपना इस्तीफा सौंपा जिन्होंने वैकल्पिक इंतजाम होने तक उनसे कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने को कहा है। फडणवीस के इस्तीफे के साथ ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई।

इसी बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने राकांपा सुप्रीमो शरद पवार से मुलाकात कर लंबी चर्चा और कांग्रेस ने भी अपने विधायकों की बैठक बुलाकर मंथन शुरू कर दिया। शिवसेना, राकांपा, कांग्रेस या किसी अन्य के पास सरकार गठन का दावा करने को शनिवार 12 बजे तक का समय है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल कल (9 नवंबर) समाप्त हो रहा है। पिछले 21 अक्टूबर को राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजों का ऐलान हुआ था लेकिन, दोनों सहयोगी दलों शिवसेना और भाजपा में मुख्यमंत्री पद की साझेदारी के मुद्दे पर ऐसा पेंच फंसा कि आज तक नई सरकार नहीं बन पाई। शिवसेना का रुख लगातार आकामक बना रहा और वह ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री पद से कम पर बात करने को अंत तक राजी नहीं हुई। सूत्रों ने बताया कि आखिरी कोशिश के तहत भाजपा ने गुरुवार की देर रात तक शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से संपर्क साधती रही लेकिन ठाकरे फोन पर आए ही नहीं।

राज्यपाल से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बात करते फडणवीस ने कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था कुछ भी हो सकती है मसलन एक नई सरकार अथवा राष्ट्रपति शासन का लागू होना। उन्होंने बताया कि राज्यपाल ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया है और पिछले पांच सालों तक अपनी सेवा करने का मौका देने के लिए वे महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद देते हैं। इसके बाद, नई सरकार के गठन को लेकर बने गतिरोध के लिए शिवसेना को जिम्मेदार ठहराया और मुख्यमंत्री पद पर साझेदारी को लेकर बनी सहमति के उसके दावे को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी मौजूदगी में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया कि दोनों दल मुख्यमंत्री पद साझा करेंगे। फिर दोहराते हुए बोले कि यह कभी तय नहीं किया गया कि मुख्यमंत्री पद साझा किया जाएगा। यहां तक की अमित शाह जी और नितिन गडकरी जी ने भी कहा कि यह फैसला कभी नहीं लिया गया था। (शेष पेज 10)

मौसम

अधिकतम	30.1°C (+1)
न्यूनतम	15.6°C (+2)

बाजार

सेंसेक्स	40,323	↓ 330	
निफ्टी	11,908	↓ 103	
सोना	38,706	↓ 196	/10g
चांदी	45,498	↓ 956	/kg

क्विक न्यूज

जनवरी से एनईएफटी लेनदेन पर नहीं लगेगा कोई शुल्क

मुंबई। नए साल मे ग्राहको को बैको की ओर से नई सौगात मिल सकती है। जनवरी 2020 से ग्राहक को बैको से एनईएफटी के जरिए किए जाने वाले लेनदेन के लिए कोई शुल्क नही देना होगा। नोटबंदी की तीसरी वर्षगांठ पर डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक ने इस संबंध मे एक प्रस्ताव पेश किया है। केंद्रीय बैंक ने पार्किंग और पेट्रोल पंपो पर भुगतान के लिए फास्ट टैग का इस्तेमाल करने के लिए जरूरी व्यवस्था किए जाने का प्रस्ताव रखा है। अक्टूबर 2018 से सितंबर 2019 के बीच कुल गैर-नकद खुदरा भुगतान मे डिजिटल भुगतान की हिस्सेदारी 96 प्रतिशत रही है। इसी अवधि मे राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कोष हस्तांतरण (एनईएफटी) और एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) प्रणालियो से क्रमशः 252 करोड़ और 874 करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है। सालाना आधार पर इनके लेनदेन मे क्रमशः 20 प्रतिशत और 263 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आईएमए पोंजी घोटाले में 15 स्थानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। सीबीआई ने आई-मोनेटरी एडवाइजरी (आईएमए) पोंजी घोटाले के संबंध मे कर्नाटक पुलिस के कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियो के परिसर समेत कर्नाटक और उत्तर प्रदेश मे 15 स्थानो पर शुक्रवार को छापे मारे। अधिकारियो ने बताया कि एजेंसी की बहु अनुशासनिक टीमो ने बेंगलुरु मे 11 स्थानो और मांड्या, रामनगर, बेलगाम तथा मेरठ मे एक-एक स्थान पर तलाशी ली। उन्होने बताया कि टीम मे चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, फॉरेंसिक ऑडिटर, कम्प्यूटर फॉरेंसिक विशेषज्ञ, बैंकर और विभिन्न अन्य नियामक विभागो के अधिकारी शामिल थे। तत्कालीन आईजी आर्थिक अपराध शाखा सीआई हेमंत निंबलकर, सीआईडी के उप पुलिस अधीक्षक ईबी श्रीधर, तत्कालीन डीसीपी पूर्व बेंगलुरु अजय हिलोरी, कमर्शियल स्ट्रीट पुलिस थाने के इंस्पेक्टर और एसएचओ एम रमेश, कमर्शियल स्ट्रीट पुलिस थाने के एसआई गौरी शंकर के आवासो पर छापे पड़े।

गांधी परिवार से हटा एसपीजी घेरा, मिलेगी जेड प्लस सुरक्षा

- सोनिया, राहुल और प्रियंका ने कई बार बीआर वाहनों का इस्तेमाल नही किया, एसपीजी से भी दूरी बनाईः अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

फाइल फोटो

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके बेटे राहुल और बेटी प्रियंका से 28 साल बाद एसपीजी सुरक्षा वापस ली जाएगी और इसके स्थान पर उन्हें सीआरपीएफ की जेड प्लस सुरक्षा दी जाएगी। उधर, सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि गांधी परिवार ने पिछले कई बरसों में सैकड़ों बार बुलेट-प्रतिरोधी(बीआर) वाहनों का इस्तेमाल नहीं किया और वे अपनी ज्यादातर विदेश यात्राओं पर एसपीजी कमांडो को साथ नहीं ले गए।

गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के परिवार को दी गई एसपीजी सुरक्षा वापस लेने का फैसला एक विस्तृत सुरक्षा आकलन के बाद लिया गया। लिट्टे के आतंकवादियों ने 21 मई 1991 को राजीव गांधी की हत्या कर दी थी। इस फैसले के साथ करीब 3,000 बल वाला एसजीपी अब केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में तैनात रहेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि सभी वीआईपी की सुरक्षा की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और देश में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों द्वारा खतरे के आकलन के आधार पर सिफारिशें की जाती हैं। अधिकारी ने कहा, गांधी परिवार को जेड-प्लस सुरक्षा मिलती रहेगी। फैसले के पीछे की वजह बताते हुए एक अन्य अधिकारी ने कहा कि उन पर पहले के मुकाबले कम खतरा है और गांधी परिवार के समक्ष सुरक्षा का कोई गंभीर खतरा नहीं है। गांधी परिवार 28 साल बाद बिना एसजीपी सुरक्षा के रहेगा। उन्हें सितंबर (शेष पेज 10)

प्रकाशोत्सव पर 11-12 को लागू नहीं होगा ऑड ईवन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली की आप सरकार ने ऐलान किया है कि गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में 11 और 12 नवंबर को ऑड-ईवन लागू नहीं होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। राजधानी में प्रदूषण कम करने के लिए बीते 4 नवंबर से ऑड-ईवन सिस्टम लागू हुआ था। यह 15 तारीख तक जारी रहेगा। इस बीच सिख संगठन प्रकाशोत्सव पर ऑड ईवन से छूट की मांग कर रहे थे और सरकार ने इसका भरोसा भी दिया था। सचिवालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि गुरुनानक देवी जी के प्रकाशपर्व के अवसर पर ऑड-ईवन से छूट दी जा रही है। ऑड-ईवन की योजना हफ्ते के 6 दिन के लिए लागू की गई है यानी रविवार को ऑड ईवन लागू नहीं होता है। इस लिहाज से लोगों को रविवार, सोमवार मंगलवार को ऑड-ईवन से छूट रहेगी।

करतारपुर श्रद्धालुओं से आज और 12 को अब शुल्क नहीं लेगा पाक

- बीस डॉलर वसूलने के अपने ही फैसले से पलटा, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता फैजल ने ट्वीट कर दी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा।
नई दिल्ली/इस्लामाबाद

करतारपुर गलियारे के उद्घाटन दिवस शनिवार 9 नवंबर और गुरु नानकदेव की 550वीं जयंती के दिन 12 नवंबर को सिख श्रद्धालुओं से कोई शुल्क नहीं वसूला जाएगा। शुक्रवार की सुबह प्रति श्रद्धालु 20 डॉलर (लगभग 1425 रुपये) शुल्क लेने की अपनी ही कही बात से पलटी मारते पाकिस्तान ने शाम गए उक्त दोनों अवसरों पर मुफ्त यात्रा का ऐलान किया। इस्लामाबाद में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद फैजल ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने करतारपुर साहिब आने वाले श्रद्धालुओं से 9 और 12 नवंबर को कोई शुल्क वसूल नहीं करने की बात कही थी, इसे ध्यान में रखकर पाकिस्तान द्वारा उक्त दोनों तारीखों पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के ट्वीट से यह भी स्पष्ट हो गया है कि वादाखिलाफी करता पाक शेष सभी दिन करतारपुर कॉरीडोर से गुजरकर दरबार साहिब के दर्शन को जाने वालों से पैसा वसूल करेगा।. हालांकि भारत ने पाकिस्तान से शुल्क नहीं लेने का अनुरोध किया है। इससे पहले, सूत्रों ने जानकारी दी थी कि पाकिस्तान ने भारत से कहा है कि शनिवार 9 नवंबर को भ करतारपुर गलियारे से गुजरने वाले लोगों को 20 डॉलर शुल्क देना होगा। यह फैसला पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के पिछले सप्ताह किए गए इस ऐलान के उलट था कि कॉरिडोर के उद्घाटन वाले दिन और गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर श्रद्धालुओं से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

करतारपुर गलियारा पंजाब स्थित डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज चार किलोमीटर दूर करतारपुर में स्थित दरबार साहिब से जोड़ेगा। कश्मीर को लेकर द्विपक्षीय संबंधों में घुली तल्खी के बावजूद पाकिस्तान और भारत ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर कर करतारपुर गलियारे के उद्घाटन का मार्ग प्रशस्त किया। इस समझौते के तहत हर दिन 5,000 भारतीय श्रद्धालु गुरुद्वारा दरबार साहिब में दर्शन कर सकेंगे जहां (शेष पेज 10)

झारखंड में झामुमो 43, कांग्रेस 31 और राजद सात सीटों पर चुनाव लड़ेगी

पायनियर समाचार सेवा। रांची

झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ बने महागठबंधन में सिर्फ झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राजद शामिल हुए हैं। तीनों दलों ने शुक्रवार को सीटों के बंटवारे की घोषणा की जिसके अनुसार झामुमो 43, कांग्रेस 31 और राजद सिर्फ सात सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन और राज्य के कांग्रेस प्रभारी आरपीएन सिंह ने आज यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में इस महागठबंधन की घोषणा की। दोनों नेताओं ने सीटों के बंटवारे की घोषणा करते हुए बताया कि तीनों पार्टियों में महागठबंधन बनाकर चुनाव लड़ने की सहमति बन गई है। यह पूछे जाने पर कि रांची में होते हुए भी राजद के नेता और लालू के बेटे तेजस्वी यादव संवाददाता सम्मेलन में क्यों नहीं आए, दोनों नेताओं ने कहा कि राजद उनके महागठबंधन में शामिल है।

फैसले से बिफरी कांग्रेस ने मोदी सरकार पर किया तीखा हमला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- राहुल गांधी ने सुरक्षा के लिए एसपीजी का किया शुक्रिया, कहा- यह सफर प्यार भरा रहा

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके पुत्र राहुल गांधी और पुत्री प्रियंका गांधी वाड्रा को प्राप्त विशेष सुरक्षा दल (एसपीजी) के सुरक्षा घेरे से बाहर करने के केन्द्र सरकार के फैसले को राजनीतिक बदले की कार्रवाई से प्रेरित बताते हुए शुक्रवार को पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को राजनीतिक प्रतिशोध में कुछ नहीं दिख रहा है और सरकार इन नेताओं की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही है।

विपक्षी पार्टी ने तीखी आलोचना करते हुए मोदी सरकार को याद दिलाया कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के मामले में भी ऐसी गलती की गई थी, जिनकी बाद में हत्या हो गई थी और यह अटल बिहारी वाजपेयी थे, जिन्होंने कानून में संशोधन करके गांधी परिवार को एसपीजी सुरक्षा मुहैया कराई थी। राहुल गांधी के 12 तुगलक लेन स्थित आवास से एसपीजी सुरक्षा हटा दी गई है और सीआरपीएफ ने यह जिम्मेदारी संभाल ली है। शीर्ष सीआरपीएफ अधिकारी भी सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर पहुंच गए हैं (शेष पेज 10)

मुझे भगवा रंग में रंगने की कोशिशः रजनीकांत

हालांकि भाजपा ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का नहीं दिया है आमंत्रण

पायनियर समाचार सेवा। चेन्नई

सुपरस्टार रजनीकांत ने शुक्रवार को यह कहकर चौंका दिया कि भाजपा ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का आमंत्रण नहीं दिया है लेकिन उन्हें भगवा रंग में रंगने के पूरे प्रयास किए जा रहे हैं। दिग्गज अभिनेता ने हालिया तिरुवल्लुवर विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें और प्रसिद्ध संत-कवि तिरुवल्लुवर दोनों को भगवा रंग में रंगने का प्रयास किया जा रहा है।

वरिष्ठ भाजपा नेता पोन राधाकृष्णन से हाल ही में हुई मुलाकात और उनके भाजपा में शामिल होने को लेकर पूर्व में दिए गए बयान के बारे में सवाल पूछा गया तो रजनीकांत ने कहा कि ऐसा कोई आमंत्रण उन्हें नहीं मिला है। उन्होंने कहा कोई प्रस्ताव नहीं मिला है (भाजपा की ओर से पार्टी में शामिल होने के लिए)..बिल्कुल नहीं एक ठहाका लगाते हुए उन्होंने कहा मुझे भाजपा के रंग में रंगने के प्रयास किए जा रहे हैं... तिरुवल्लुवर की तरह ही मुझे भी भगवा रंग में रंगने का प्रयास किया जा रहा है...न तो तिरुवल्लुवर और न ही मैं इसमें फसूंगा।

गौरतलब है कि एक नवंबर को भाजपा की तमिलनाडु इकाई ने अपने ट्विटर पर तिरुवल्लुवर की रचना थिरुक्कुरल का एक दोहा लिखा था। जिसमें भगवान की पूजा नहीं करने पर शिक्षा के उपयोग पर सवाल उठाया गया था। दोहे को टैग करते हुए, भगवा पार्टी ने कथित रुप से लोगों की आस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए द्रविड़ कड़गम, द्रमुक और वामपंथी दलों पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि उनकी शिक्षा का क्या उपयोग है? पार्टी ने अपने माथे पर पवित्र राख लगाए भगवा वस्त्र में तिरुवल्लुवर की तस्वीर पोस्ट की थी।

दूसरी ओर रजनीकांत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा ने कहा कि किसी से मिलना उसका लोकतांत्रिक अधिकार है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव पी मुरलीधर राव ने कहा अगर कोई पार्टी में शामिल होने में दिलचस्पी रखता है तो उसे जरूर आमंत्रित किया गया है।

तमिलनाडु सहित देश की कई हस्तियां और प्रतिष्ठित व्यक्ति पार्टी में शामिल हो रहे हैं। यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए कि हमने रजनीकांत के पार्टी में शामिल होने या उनके इच्छुक होने की बात कभी नहीं कही। भाजपा को ऐसे कयासों में कोई दिलचस्पी नहीं है।

बसपा ने दी मुलायम के खिलाफ मुकदमा वापस लेने की अर्जी

- वीवीआईपी गेस्ट हाउस कांड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा ने सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के खिलाफ 1995 के वीवीआईपी गेस्ट हाउस कांड को लेकर दायर मामला वापस लेने के लिए उच्चतम न्यायालय में अर्जी दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अखिलेश यादव के आग्रह पर पार्टी महासचिव सतीश चंद्र मिश्र को निर्देश दिया कि वह मामला वापस लेने के लिए उच्चतम न्यायालय में अर्जी दाखिल करें।

मायावती ने दो दिन पहले लखनऊ में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक के दौरान कहा था कि जब बसपा ने लोकसभा चुनाव के लिए सपा से गठबंधन किया था तो अखिलेश यादव ने मामला वापस लेने का अनुरोध किया था और मिश्र ने इस उद्देश्य से मामला वापस लेने के लिए उच्चतम न्यायालय में अर्जी दी थी। बैठक में मौजूद रहे पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि कठिन परिश्रम करने पर जोर देते हुए बसपा सुप्रीमो ने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान सपा प्रत्याशियों के लिए प्रचार किया था। मिश्र ने शीर्ष अदालत में अर्जी देने की पुष्टि की है। इस बीच सूत्रों ने बताया कि मामला (शेष पेज 10)

अयोध्या पर फैसले से ऐन पहले पुलिस का फ्लैग मार्च

संवेदनशील इलाकों से गुजरा पुलिस बल, एसएसपी ने लोगों से की भाईचारा और शांति बनाये रखने की अपील

● पुलिस अधिकारियों की सोशल मीडिया पर नजर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय का फैसला आने वाला है, उसी के मद्देनजर जिले में कानून-व्यवस्था को कायम रखने तथा सौहार्द बनाए रखने के लिए पुलिस ने शुक्रवार को यहां फ्लैग मार्च निकाला।

फ्लैग मार्च वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वैभव कृष्ण की अगुवाई में शुक्रवार को थाना सेक्टर 20 से निकाला गया। यह मार्च शहर के संवेदनशील क्षेत्रों से होता हुआ आगे बढ़ा। वैभव कृष्ण ने बताया कि अयोध्या मामले पर निर्णय आने के बाद जिले में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस और जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इसके तहत जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस के लोग सभी समुदाय के लोगों से बात कर रहे हैं।

पीस कमेटी की बैठकों में जिले के सभी समुदायों एवं वर्गों के जिम्मेदार एवं संभ्रांत नागरिक भाग ले और जिले में भाईचारा और शांति बनी रहे, इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन को दी गई है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन सोशल मीडिया पर भी नजर रखे हुए हैं। अगर कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक व भड़काऊ पोस्ट डालेगा तो उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट एवं रासुका के तहत कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था को हर हालत में सुदृढ़ किया जाएगा तथा आपसी सौहार्द के माहौल को कायम रखा जाएगा। एसएसपी ने जनपद के लोगों से अपील की है कि वे किसी अफवाह पर विश्वास ना करें तथा संयम बरतें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वैभव कृष्ण की अगुवाई में जिले के संवदेनशील इलाकों में फ्लैग मार्ग करता पुलिस बल।

गाजियाबाद में ज्वलनशील पदार्थों की बिक्री पर रोक

मेरठ मण्डलायुक्त और एडीजी जोन ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। इधर जिला प्रशासन ने इसी फैसले के दृष्टिगत जनपद में प्रभावी रूप से तुरन्त ज्वलंत शील पदार्थो, पेट्रोल, तेजाब आदि की खुली बिक्री पर रोक लगा दी है। गाजियाबाद के एसडीएम सदर द्वारा जारी आदेशों मे साफ कहा गया है कि आदेश का पालन ना किए जाने पर दुकानदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एडीजी (मेरठ जोन) प्रशांत कुमार ने कहा कि जिले के सभी पुलिस अधिकारियों के साथ-साथ जिले के सभी विभागों को इस फैसले के चलते अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही अधिकारियों के साथ ही सर्व समाज के लोगों के साथ भी लगातार बैठक कर उन्हें बताया जा रहा है कि फैसला चाहे जिस भी पक्ष में हो।

डीएम-एसएसपी ने की शांति मीटिंग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

पूरे देश में चर्चा का विषय बन चुके अयोध्या पर आने वाले सबसे बड़े फैसले के मद्देनजर लोनी पहुंचे डीएम व एसएसपी ने खन्ना नगर में एक पीस मीटिंग का आयोजन कर सभी नागरिकों से क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने जाने की अपील करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में चल रहे विवाद का जजमेंट आने वाला है, हम सभी को फैसले से सहमत होते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखनी है।

अधिकारियों ने शांति व्यवस्था बनाए रखने में सभी नागरिकों से पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील करते हुए यह भी कहा कि यदि क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाला कोई भी संदिग्ध व्यक्ति नजर आए तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को करें।

यूनिटेक को प्राधिकरण देगा को-डेवलपर

● अधूरे पड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने की कोशिश शुरू, प्राधिकरण की शर्तें करनी होंगी पूरी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यूनिटेक के सेक्टर-113 के प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए प्राधिकरण को-डेवलपर की तलाश करेगा। को-डेवलपर वहीं होगा जो प्राधिकरण के नियम व शर्तों का पालन करेगा।

इसके लिए यूनिटेक के बायर से भी आपत्ति व सुझाव मांगे जाएंगे। को-डेवलपर को एक नियत समय में अधूरे पड़े 17 टावरों का निर्माण करना होगा। इसके अलावा सलाहकार कंपनी के द्वारा यूनिटेक के अधूरे प्रोजेक्ट में लगा गए पैसों और बिल्डर को दिए गए पैसों का ऑडिट किया जाएगा। इससे यह जानकारी मिलेगी कि कितना पैसा अभी बायर्स पर शेष है और कितना पैसा बिल्डर को दिया जाना है।

पैसा सीधे को-डेवलपर को ना देकर एक नया अकाउंट प्राधिकरण और बिल्डर के बीच खोला जाएगा जिसमें यह पैसा जमा होगा और को-डेवलपर को दिया जाएगा। इसके साथ ही समय-समय पर इस पैसे का ऑडिट होगा जिसकी जानकारी बायर्स को दी जाएगी।

दरअसल यूनिटेक की जिस जमीन का आवंटन निरस्त किया गया वह करीब दो लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में है। इसके आंशिक भाग में ही 17 टावरों का निर्माण हुआ है। ऐसे में अधिकांश जमीन खाली है। इस जमीन को बेचकर प्राधिकरण राजस्व वसूली करेगा। साथ ही प्राधिकरण फ्लैट निर्माण में को-डेवलपर की मदद कर सकता है। इसके अलावा जो पैसा बिल्डर पर बकाया है वह जिला प्रशासन भूलेख विभाग की तर्ज पर वसूल करेगा। बता दें कि बिल्डर पर करीब 1205 करोड़ बकाया है।

नियमों का उल्लंघन करते हुए मैसर्स सेठी रेजिडेंट्स व मैसर्स जीएमए डेवलपर्स के साथ 19,181.50 वर्गमीटर पर एग्रीमेंट टू सेल कर थर्ड पार्टी बनाने, तय अवधि तक निर्माण कार्य पूरा न कर अधिभोग प्रमाणपत्र न लेने, बिना मानचित्र स्वीकृत कराए 17 टावरों का आंशिक व पूर्ण निर्माण करने के तहत प्राधिकरण ने कार्रवाई करते हुए 21 अक्टूबर को आवंटन निरस्त कर दिया है।

एक मुश्त रकम को ढाई गुना करने का झांसा देकर ठगी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बाइक बोट की तर्ज पर एक मुश्त जमा की गई रकम 40 सप्ताह में दो से ढाई गुना करने का झांसा देकर लोगों से लाखों रुपए की ठगी का एक और मामला सामने आया है।

आरोपियों ने रूपया किश्तों में वापस करने की बात कही थी। आरोप है कि कंपनी में पैसा लगाने के कुछ दिन बाद ही किश्त बंद हो गई। निवेशकों ने पैसा वापस करने का दबाव बनाया तो आरोपी दम्पति शहर के साइट.चार स्थित ऑफिस बंद कर भाग गए। सूरजपुर स्थित एसएसपी कार्यालय पर पहुंचे पीड़ितों ने मामले की शिकायत एसपी देहात से की है। पीड़ितों का कहना है कि पुलिस ने अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले दंपति ने साइट-4 में कार्यालय खोला था। दंपति ने एक पौंजी स्कीम शुरू की, जिसके तहत एक मुश्त रकम जमा करा कर 40 सप्ताह तक किश्तों में रूपया वापस करने का झांसा दिया गया।

पीड़ित रविंद्रपाल सिंह ने बताया कि बीते अप्रैल माह में वह दनकौर के रहने वाले एक व्यक्ति के माध्यम से आरोपी दंपति के ऑफिस पर गए थेएवहां पर अन्य लोग भी मौजूद थे। आरोपियों ने जानकारी दी कि वह एक मुश्त रकम जमा कराकर 40 सप्ताह तक किश्तों में रूपया वापस करेंगे। इसमें मोटा मुनाफा होने का प्रलोभन दिया गया।

गढ़ मेले के लिए रोडवेज चलाएगा दो सौ बसें

● गढ़मुक्तेश्वर में धान मंडी के पास अस्थाई बस अड्डा बनाया गया

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गढ़मुक्तेश्वर के खादर क्षेत्र में लगने वाले पौराणिक कार्तिक पूर्णिमा गढ़ व ब्रजघाट गंगा मेले को सफल बनाने के लिए रोडवेज अधिकारियों ने कमर कस ली है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने गाजियाबाद व मेरठ रीजन की 200 रोडवेज बसों गढ़ व ब्रजघाट के लिए लगाया है जबकि 50 बसों को रिजर्व में रखा गया है।

गंगा मेला जाने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। जानकारी के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के दिन विशाल गंगा मेला लगता है, जिसमें प्रतिवर्ष राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब से करीब 20 से 25 लाख श्रद्धालु गंगा स्नान करने आते हैं। जिसे देखते हुए परिवहन अधिकारियों ने व्यापक प्रबंध किये हैं। हापुड़ डिपो के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एनके सिंह ने बताया कि गढ़ व ब्रजघाट गंगा मेले के लिए रीजन के गाजियाबाद, कौशांबी मोदीनगर, हापुड़, मुरादनगर, बुलंदशहर डिपो की 100 बसों को लगाया गया है। एआरएम ने बताया कि सिम्भावली में चेक पोस्ट बनाई गई है। गढ़मुक्तेश्वर में धान मंडी के पास अस्थाई बस अड्डा बनाया गया है, जो 10 नवंबर से शुरू हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चित्रकारी प्रतियोगिता में छात्रों ने उकेरे रंग

गाजियाबाद। चारु कैसल फाउंडेशन द्वारा गाजियाबाद में लगाई गई पेंटिंग एग्जीबिशन के तहत एएलटी सेंटर के बैडमिंटन हॉल में ऑन दी स्पॉट पेंटिंग कम्पटीशन का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के करीब दो सौ छात्रों ने विभिन्न मुद्दों पर बेहद खूबसूरत पेंटिंग्स बनाकर सभी का दिल जीत लिया। सीसीएफ के चेयरमेन कपूर वीर भान ने इस दौरान आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि सीसीएफ अंतर्राष्ट्रीय आर्ट प्रदर्शनी का 5 नवंबर से 12 नवंबर तक आयोजन किया जा रहा हैं, जिसमे विभिन्न सामाजिक विषयों पर बनाई गईं 15 सौ से भी ज्यादा पेंटिंग्स प्रदर्शित की गईं है। सचिव पवन कपूर ने बताया कि चित्रकारी प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय, सुशीला कॉलेज, चारु कैसल, सिल्वर बैल्स, दिल्ली पब्लिक स्कूल गाजियाबाद, डैफोडिल मिलेनियम, सेंट पॉल अकादमी, नारायणा ई टेक स्कूल, सिल्वर लाइन प्रेस्टीज स्कूल, सेंट टेरेसा स्कूल, एमपीएस स्कूल समेत कई स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया।

जांच की मांग को लेकर बिजली कर्मचारियों का धरना

गाजियाबाद। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर यूपी पावर सेक्टर इम्प्लायज ट्रस्ट में हुए घोटाले के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही एवं घोटाले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए धरना प्रदर्शन किया। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर मुख्य अभियंता कार्यालय परिसर में बिजली कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए कहा कि ट्रस्ट निवेशित 49 धनराशि की जिम्मेदारी सरकार ले। उन्होंने पावर सेक्टर इम्पलायज ट्रस्ट में जमा राशि के भुगतान की जिम्मेदारी प्रदेश सरकार ले। संघर्ष समिति के संयोजक प्रभात सिंह, हिर्देश गोस्वामी, राज सिंह, धीरज सिंह, पंकज भारद्वाज, अतुल कुमार, उमाकांत शर्मा, आशीष अस्थाना, दीपक सक्सेना, सुनील कपूर, अरशद अली आदि मौजूद रहे।

लर्निंग आउटकम परीक्षा का आयोजन

हापुड़। जनपद के सभी 427 परिषदीय प्राथमिक विद्यालय 207 उच्च प्राथमिक विद्यालय 4 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय व 2 राजकीय विद्यालयों में लर्निंग आउटकम परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 5 से कक्षा 6, 7 व 8 तक के 19461 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सभी विद्यालयों में सुबह 7 बजे से ब्लॉक संसाधन केंद्र से पर्यवेक्षकों को शील्ड प्रश्न पत्र उपलब्ध कराए गए। भूपेंद्र सिंह जिला समन्वयक सर्वशिक्षा अभियान, दीपा तोमर जिला समन्वयक बालिका शिक्षा सर्व शिक्षा अभियान, निरीक्षण किया व निशा वत्स ब्लॉक सह समन्वयक सिंभावली ने प्रश्न पत्र पैकेट का वितरण किया।

महाकालेश्वर मंदिर में 12 व 13 को मूर्ति स्थापना

गाजियाबाद। श्री धार्मिक रामचंद्र सीता देवी हरनंदी सेवा संस्थान द्वारा हिंडन मोक्ष स्थली पर भव्य महाकालेश्वर मंदिर का निर्माण किया गया है। प्रेस वार्ता के दौरान जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरी एवं सौरभ जायसवाल ने बताया कि संस्था द्वारा श्री महाकालेश्वर मंदिर में 12 एवं 13 नवंबर को मूर्ति स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। मंदिर का शिलान्यास 14 नवंबर को प्रात: 11 बजे किया जाएगा। मंदिर का उद्घाटन महाराज महंत नारायण गिरी के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। सौरभ जायसवाल ने बताया कि मंदिर बड़ा भव्य बनाया गया है। जिसमें भगवान शिव की विभिन्न रूपों की मूर्ति लगाई गई है।

लिफ्ट देकर प्रोफेसर व बेटे को लूटा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में थाना दनकौर क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस-वे पर शुक्रवार तड़के हथियारबंद बदमाशों ने एक ड्राइवर से उसके ट्रक की बैटरी एवं 10 हजार रुपए लूट लिए और थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के महामाया फ्लाईओवर के पास भी बदमाशों ने एक प्रोफेसर एवं उसके बेटे को अपनी कार में लिफ्ट देकर उनके साथ मारपीट की, उनके नगद, सोने की अंगूठी एवं अन्य कीमती सामान लूट लिए।

एसपी ग्रामीण रणविजय सिंह ने बताया कि ड्राइवर सुरेंद्र अपना ट्रक जेवर से नोएडा ला रहा था, तभी थाना दनकौर क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेस-वे पर हथियारबंद अज्ञात बदमाशों ने उसका ट्रक रुकवा लिया।

बदमाशों ने ट्रक चालक के साथ मारपीट करके उसके 10 हजार रुपए नगद एवं ट्रक की बैटरी ले ली। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के महामाया फ्लाईओवर के पास से मारुति स्विफ्ट कार में सवार अज्ञात बदमाशों ने योगेंद्र कुमार एवं उनके बेटे को कार में लिफ्ट दी। उन्होंने दोनों के मारपीट की एवं उनके नगद, सोने की अंगूठी, एटीएम कार्ड आदि लूट लिए। बदमाशों ने बाद में उन्हें सड़क पर फेंक दिया। योगेंद्र ग्रेटर नोएडा के बिरला इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं। घटना की रिपोर्ट पीड़ित ने थाना सेक्टर 39 में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेमी के घर पहुंच शादी की जिद पर अड़ी प्रेमिका

गाजियाबाद। मुरादनगर थाना इलाके की एक कॉलोनी में प्रेम प्रसंग का ऐसा मामला सामने आया है, जिससे सभी लोग हैरान है। दरअसल एक प्रेमिका रात को अपने प्रेमी के घर पहुंच कर उससे शादी करने की जिद पर अड़ गई।

युवक द्वारा शादी से इंकार करने पर प्रेमिका ने हंगामा शुरू कर दिया, जिसके बाद युवक मौका देखकर वहां से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस हंगामा कर रही युवती को थाने ले आई। थाने में भी युवती पुलिस के सामने शादी करने की जिद पर अड़ गई। स्थानीय लोगों के समझाने के बाद भी हमंगा जारी रहा।

दोहरे हत्याकांड में फरार इनामी बदमाश गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लोनी थाना पुलिस और बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में दोहरे हत्याकांड में वांछित 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश के पैर में पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसकी काफी समय से तलाश थी।

एसपी देहात नीरज कुमार जादौन ने बताया कि गुरुवार देर रात लोनी पुलिस बंथला फाटक पर चेकिंग कर रही थी। इसी बीच बाइक सवार एक युवक को रोकने का प्रयास किया गया। बाइक सवार युवक ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो बदमाश के पैर में गली लगी और गिर पड़ा।

पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसे उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश की पहचान विशाल उर्फ छोटू पुत्र बहोरन निवासी हरबंस नगर सिहानी गेट थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। बदमाश के कब्जे से एक बाइक, एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस दो खोखे बरामद किए गए है।

एनआरआई ने पत्नी पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

गाजियाबाद। अमेरिका में कार्यरत गाजियाबाद निवासी एक इंजीनियर ने अमेरिका से आकर गाजियाबाद कोर्ट में पत्नी के खिलाफ तीन तलाक की अर्जी दाखिल की है।

इंजीनियर का आरोप है कि उसकी पत्नी उसे परेशान करती स्वर्ण जयंतीपुरम का रहने वाला यह युवक अमेरिका में नौकरी करता है। अमेरिका में बतौर इंजीनियर तैनात है। इंजीनियर ने मार्च 2011 में वाराणसी की रहने वाली एक लड़की से शादी की थी। इंजीनियर शादी के बाद अपनी पत्नी को अमेरिका ले गया, जहां उसने एक बेटे को जन्म दिया। उनका बेटा बीमार रहता है।

ईएसआई अस्पताल में खुला ऑपरेशन थिएटर, अब नहीं जाना होगा दिल्ली

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित ईएसआई हॉस्पिटल में नया और अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर बनकर तैयार हो गया है।

साहिबाबाद के राजेन्द्र नगर स्थित ईएसआई हॉस्पिटल में रोजाना काफी संख्या में मरीज इलाज कराने के लिए आते हैं। लेकिन ऑपरेशन की आवश्यकता वाले मरीजों को पहले परेशान होना पड़ता था, क्योंकि यहां ऑपरेशन थिएटर नहीं था। अब हॉस्पिटल की पहली मंजिल पर अत्याधुनिक मशीनों के साथ 3 ऑपरेशन थिएटर बनकर तैयार हो गए हैं। ईएसआई हॉस्पिटल की प्रशासनिक अधिकारी डॉ सुरिंदर कौर ने बताया कि नए ऑपरेशन थिएटर में छोटी बीमारियों का ऑपरेशन करना शुरू कर दिया गया है। आईसीयू नहीं होने के चलते अभी बड़े ऑपरेशन नहीं किये जा रहे हैं लेकिन जल्द ही आईसीयू भी बनकर तैयार हो जाएगा। जिसके तैयार होने से ऑपरेशन के बाद मरीजों को आईसीयू में रखा जा सकेगा। ज्ञात हो कि ईएसआई अस्पताल में आईसीयू नहीं होने पर मरीजों को दूर जाना पड़ता था।

कला प्रदर्शन में भाग लेती बीए और बीएड के छात्राएं ।

मोनाड विवि में कला प्रदर्शनी का आयोजन

हापुड़। मोनाड विवि में शुक्रवार को पाठ्य सहगामी क्रियाओं के अन्तर्गत कलात्मक सृजनात्मकता के मापन हेतु रंगोली, थाल सज्जा, दीप सज्जा, कलश सज्जा, बन्दनवार सज्जा एवं बेकार वस्तुओं से कुछ नवीन निर्माण करने जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

शिक्षा शास्त्र विभाग के बीएड, बीएलएड व बीए के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। डॉ सत्यवीर ने कहा कि विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था में छात्रों को विभिन्न प्रकार के आयोजन में भाग लेना रहता है। शिक्षक-शिक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में इस तरह के आयोजन का प्रावधान है।

बच्चों में अवसाद की पहचान करेंगे शिक्षक

नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम में शुक्रवार को तीस अध्यापकों को दिया गया प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम (एनएमएचपी) के तहत अब सभी स्कूलों में सुसाइडल प्रीवेंशन के लिए एक शिक्षक को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से छठीं से 12वीं तक के स्कूलों में नोडल अधिकारी बनाने के लिए शिक्षकों को नामित किया गया है। इन शिक्षकों को पुराना जिला महिला अस्पताल स्थित मन कक्ष में ट्रेनिंग दी जा रही है। शुक्रवार को ट्रेनिंग के पहले दिन 30 शिक्षक पहुंचे और मनोरोग काउंसलर व मनोचिकित्सकों से स्कूली बच्चों में आत्महत्या प्रवृति को पहचानने के लिए जरूरी ट्रेनिंग ली। इस दौरान गैर संचारी रोग केंद्र की नोडल अधिकारी डा. किरण गर्ग, एसीएमओ और मेंटल हेल्थ के नोडल अधिकारी डा. नीरज अग्रवाल भी मौजूद रहे। ट्रेनिंग प्रोग्राम एक सप्ताह तक चलेगा और ढाई सौ शिक्षकों को यह ट्रेनिंग दी जाएगी। काउंसलर चंदा यादव और मनोचिकित्सक डा. साकेत नाथ तिवारी ने कहा कि बच्चों के बीच बढ़ रही प्रतिस्पर्धा और कई अन्य कारणों से उनमें आत्महत्या की प्रवृति बढ़ रही है। मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के तहत छठी से 12वीं तक के स्कूलों में इस प्रवृति पर नजर रखने के लिए एक शिक्षक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इन शिक्षकों को मन कक्ष में दी जा रही ट्रेनिंग में अवसाद को पहचानने के तरीके बताए जा रहे हैं।

डा. तिवारी ने बताया स्कूली बच्चों में 60 से 70 फीसदी आत्महत्या के मामले केवल अवसाद की वजह से होते हैं। इसके अलावा कुछ मामले ऑनलाइन गेम्स, सोशल मीडिया ट्रोल, नशे की लत और बुलिंग के चलते भी प्रकाश में आते हैं। बुलिंग से अभिप्राय: बच्चों के एक समूह द्वारा किसी बच्चे की मजाक उड़ाने या फिर बात-बात पर नीचा दिखाने से है। अवसाद को समय से पहचाने जाने पर इसका निशुल्क उपचार जिला अस्पताल में उपलब्ध है।

इंडिया एक्सपो मार्ट में योग और प्राकृतिक चिकित्सा का महाकुंभ शुरु

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

योग, आर्युवेद और प्राकृतिक चिकित्सा का चार दिवसीय महाकुंभ आर्युयोग-2019 इंडिया एक्सपो मार्ट में शुरू हो गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री आयुष मंत्रालय श्रीपद यशो नाइक ने किया।

आर्युयोग महाकुंभ में देश.विदेश के योग व धर्म-गुरुओं के साथ प्राकृतिक चिकित्सा के विशेषज्ञ शिरकत कर रहे हैं। आगामी नौ नवम्बर को योग गुरु स्वामी रामदेव भी आ रहे हैं। उद्घाटन समारोह को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री यशो नाइक ने कहा कि यह बहुत बड़ा अवसर है, जब भारतीय आर्युवेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से दुनिया रुबरु होगी। पद्मश्री और पद्म विभूषण वैद्य देवेंद्र त्रिगुण ने कहा कि यहां हम सभी इस चीज पर वार्ता करेंगे कि किस तरह से योग, आर्युवेद और प्राकृतिक चिकित्सा के सहयोग से दवाइयां बन सकें जो बहुत कम कीमत पर लोगों के लिए जीवनदायिनी हों। पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा कि आर्युवेद का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है, जबकि योग अब पूरी दुनिया में फैल चुका है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

करतारपुर की मुफ्त यात्रा कराएगी दिल्ली सरकार

गुरुनानक की 550वीं जयंती पर ऐलान, फैसले को कैबिनेट की मिली मंजूरी

● दिल्ली-अमृतसर-वाघा बॉर्डर-श्री आनंदपुर साहिब रूट का विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आप सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना का दायरा बढ़ाते हुए बुजुर्गों को पाकिस्तान के करतारपुर स्थित ननकाना साहिब गुरुद्वारे का दर्शन कराने का फैसला लिया।

इसके लिए दिल्ली-अमृतसर-वाघा बॉर्डर-श्री आनंदपुर साहिब रूट को विस्तार दिया गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई दिल्ली कैबिनेट ने नए तीर्थ स्थान को जोड़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केजरीवाल ने कहा कि करतारपुर साहिब के दर्शन पर आने वाला सारा खर्च दिल्ली सरकार वहन करेगी। इस प्रस्ताव की बारीकियों पर काम करने के लिए इसे राजस्व विभाग के पास भेजा गया है। जिससे जल्द पंजीकरण शुरू हो सके।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के बारे में बताते सीएम, इंसेट में ननकाना साहिब गुरुद्वारा।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को ट्वीट कर कहा श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के अवसर पर दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अब दिल्ली के बुजुर्गों को करतारपुर साहिब के भी दर्शन कराए जाएंगे।

इस यात्रा का सारा खर्च दिल्ली सरकार वहन करेगी। हर तीर्थ यात्री के साथ एक व्यक्ति अटेंडेंट के रूप में करतारपुर भी जा सकेगा। दिल्ली सरकार के कैबिनेट ने दिल्ली-अमृतसर-वाघा बॉर्डर-श्री आनंदपुर साहिब को करतारपुर पाकिस्तान तक विस्तार कर दिया है।

इस योजना के तहत जो भी इस रूट पर जाएगा। वह अब करतारपुर साहेब के दर्शन भी करेगा। कोई भी पैसा केंद्र सरकार या पाकिस्तान को देना होगा तो वह आप सरकार देगी।

करतारपुर कोरिडोर को लेकर दोनों देशों की सरकारों के बीच कुछ चीजें तय होनी है। कैबिनेट ने रूट विस्तार को मंजूरी देकर आगे की कार्रवाई के लिए राजस्व विभाग को भेज दिया है। सभी चीजें फाइनल होने के बाद पंजीकरण शुरू किया जाएगा। जिससे प्रकाश पर्व के अवसर पर लोगों को करतारपुर के दर्शन हो सके।

योजना के लिए पात्रता

बुजुर्ग व्यक्ति दिल्ली का निवासी होना चाहिए, व्यक्ति की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए, . किसी सरकारी सेवा या स्वयं के बिजनेस न कर रहा हो, आय 3 लाख रुपये वार्षिक से कम होना चाहिए, हर साल प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से चयनित 1100 बुजुर्ग इस योजना के तहत तीर्थ यात्रा के लिए पात्र होंगे।

ये हैं तीर्थयात्रा वाले रूट

दिल्ली-अमृतसर-वाघा बॉर्डर-आनंदपुर साहिब- दिल्ली (3 दिन/2 रात), वैष्णो देवी-जम्मू (4 दिन/3 रात), मथुरा-वृंदावन-आगरा-फतेहपुर सिकरी (3 दिन/2 रात), हरिद्वार-ऋषिकेश-नीलकंठ (4 दिन/3 रात), अजमेर-पुष्कर-दिल्ली (3 दिन/2 रात), रामेश्वरम-मदुरै (8 दिन/7 रात), तिरुपति बालाजी (7 दिन/6 रात), जगन्नाथपुरी-कोणार्क-भुवनेश्वर (7 दिन/6 रात), द्वारकाधीश-नागेश्वर-सोमनाथ (7 दिन/6 रात), शिरडी-शनि शिंगणापुर (6 दिन/5 रात), उज्जैन-ओंकारेश्वर (4 दिन/3 रात), बोधगया-सारनाथ (5 दिन/4 रात)।

बुजुर्गों के लिए विशेष व्यवस्था

योजना के तहत चयनित बुजुर्गों को मुफ्त में यात्रा कराई जा रही है। यात्रा के लिए चयनित बुजुर्गों के लिए यात्रा के दौरान रहने और खाने की व्यवस्था दिल्ली सरकार करती है। बुजुर्ग अपने साथ देखभाल के लिए 18 वर्ष से अधिक का कोई एक महिला या पुरुष ले जा सकते हैं सरकार उस व्यक्ति के यात्रा पर रहने एवं खाने का भी खर्च उठाएगी। यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होता है। इसके बाद बुजुर्ग आवेदकों का चयन लाटरी के आधार पर किया जाता है। दिल्ली मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना का लाभ लेने के लिए दिल्ली सरकार के तीर्थ यात्रा विकास समिति वेब पोर्टल पर क्लिक करना होता है।

देश में लीक से हट कर सोचने वाले विचारकों की जरूरत : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि देश को लीक से हट कर सोचने वाले विचारकों की जरूरत है।

हमें ऐसे नेताओं, नौकरशाहों और राजनेताओं की भी आवश्यकता है जो चकाचौंध से निकल कर समस्याओं का जल्द समाधान करने की कोशिश करते हैं। सिसोदिया ने शुक्रवार को विधानसभा में तीन दिवसीय दिल्ली युवा संसद के समापन समारोह में यह बात कही। मनीष सिसोदिया ने दिल्ली युवा संसद की सफलता के लिए दिल्ली विधानसभा की टीम की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें भरोसा है कि आप लोगों ने यहां से बहुत कुछ सीखा है। संसद कैसे काम करती है। यह जानने का यह आपका पहला अनुभव था। उम्मीद है कि हर साल युवा संसद का संचालन होगा। आने वाले वर्षों में युवा प्रतिभागियों को वास्तव में विधानसभा में राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए देखना चाहते हैं। जब हम लोकतंत्र के बारे में बात करते हैं तो हमें यह समझना चाहिए कि यह जीवन जीने का एक तरीका है।

डीयू के शिक्षकों की संशोधित पेंशन का मामला पहुंचा पीएमओ

● डूटा पर लगा असंवेदनशील होने का आरोप, एनडीटीएफ ने लगाई गुहार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सातवें वेतन आयोग का लाभ सेवानिवृत शिक्षकों को नहीं मिल रहा है। विभिन्न स्तरों पर राहत की कोशिश करने के बाद नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट ने सीधे प्रधानमंत्री व मानव संसाधन विकास मंत्री से गुहार लगाई है। एनडीटीएफ ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए पीएमओ व एचआरडी मंत्री को इस विषय से अवगत कराया है और जल्द राहत की मांग की हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ डूटा के पूर्व अध्यक्ष डॉ एनके कक्कड़ ने बताया कि वह इस विषय के निपटारे के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं। बावजूद इसके सातवां वेतन आयोग लागू होने के 16 महीने बीतने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। डॉ कक्कड़ व दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यकारी परिषद् के पूर्व सदस्य डॉए के भागी के अनुसार सेवानिवृत शिक्षकों से संबंधित यह विषय अनावश्यक रूप से लंबित है इस मामले में हो रही देरी उनकी समझ से परे है। डॉ भागी ने बताया कि इस प्रकरण में मौजूद डूटा नेतृत्व का रवैया भी निराशाजनक है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के स्तर पर मिली निराशा के बाद अब सीधे पीएम कार्यालय व मानव एचआरडी में राहत की अपील की गई है। डॉ कक्कड़ का कहना है कि उन्हें भरोसा है कि एचआरडी डॉ रमेश पोखरियाल निशंक और पीएमओ से राहत मिलेगी।

दिल्ली का भाग्य बदला तो देश का भी बदलेगा : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने अपने आवास पर अनधिकृत कॉलोनियों के आरडब्लूए से की मुलाकात

● उदय योजना से दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों के लोगों को मालिकाना हक मिलेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अनाधिकृत कॉलोनी को नियमित करने के संबंध में केंद्र सरकार की पहल इन कॉलोनियों में रहने वाले लाखों लोग को बड़ी राहत मिली है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी की अगुवाई में अनधिकृत कॉलोनी में रहने वाले कुछ लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके निवास लोक कल्याण मार्ग पहुंचे।

पीएम मोदी ने कालोनियों के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि उदय योजना से दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक मिलेगा

पीएम आवास में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी व अन्य।

जिससे पूरी दिल्ली का भाग्य बदलेगा। जब दिल्ली का भाग्य बदलेगा तो हिन्दुस्तान का भी भाग्य बदलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जब वर्ष 2014 में उनकी पार्टी की केंद्र में सरकार बनीं तब से वह इसके लिए ऐसे रास्ते खोज रहे थे। कुछ आशा थी कि स्थानीय सरकारें कुछ जिम्मेदारी उठाएगी, लेकिन सारे प्रयास, प्रयोग कहीं न कहीं उलझते रहें। आखिर में यह तय किया की कोई करे या न करे, कोई जिम्मेदारी उठाए न उठा, वह गैरजिम्मेदार नहीं बन सकते हैं। सरकार से जितने अफसर देने पड़ेंगे वह देंगे, सर्वे के लिए जितने लोगों को लगाना पड़ेगा लगाएंगे। केंद्र पूरी जिम्मेदारी के साथ इस काम को पूरा करेगी। सरकारी व्यवस्था के अलावा भाजपा के सभी जिम्मेदार कार्यकर्ता भी इसकी नीति बनाने में सक्रिय रहे लेकिन वह सबको यही मंत्र देते थे कि नीति ऐसी बनेगी जिसकी आत्मा होगी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास।

लोगों ने देखा है कि देश आजाद होने से लेकर आज तक एक ऐसी परंपरा बन गई थी जिसमें लटकाना, अटकाना और भटकाना शामिल था। कोई निर्णय ही नहीं किया जाता था। बस लटकाये रहते थे कि कोई और आएगा तो वो करेगा। प्रधानमंत्री के अनुसार इस बार दिल्ली वालों के लिए दो दीपावली आईं क्योंकि कुछ लोगों का जन्म ही अनाधिकृत कालोनी में हुआ जीवन में सपने देखने का समय आया तो तलवार लटकी रहती थी कि कब कोई आकर मकान पर बुल्डोजर चला देगा।

लेकिन आप सभी ने धैर्य नहीं खोया जो भी व्यवस्था थी उसका सहयोग किया। राजनीतिक गणित के तहत कुछ चीजें की गई थी लेकिन परिणाम नहीं मिले। आप सभी को हर सरकार से आशा होती थी कि अब हमारा काम सफल होगा। भाजपा सरकार ने ऐसी व्यवस्था दी जिसमें सभी को हक मिले। केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के अनुसार पीएम 23 अक्टूबर 2019 को एक ऐसा फैसला लिया जिससे अनधिकृत कालोनियों में रहने वाले लोगों को मालिकाना हक दे दिया। अब आप लोग बैंकों से कर्ज ले सकते हैं। लोक कल्याणकारी क्षमता के कारण 40 लाख से अधिक लोगों को मालिकाना हक देने का ऐतिहासिक निर्णय केन्द्र सरकार ने लिया है।

आप में लटकाया और कांग्रेस ने भटकाया : तिवारी

मनोज तिवारी ने कहा कि इन कालोनियों में रहने वाले लोगों ने एक लंबा संघर्ष किया। कभी कांग्रेस तो कभी आम आदमी पार्टी की तरफआशावादी होकर अपनी बातें रखी लेकिन 15 साल कांग्रेस ने भटकाया। इसके बाद पांच साल आम आदमी पार्टी ने लटकाया और 100 दिन के भीतर प्रधानमंत्री ने वह करके दिखाया जो आज तक सभी को नामुमकिन लगता था।

महिला डीसीपी से बदसलूकी, वकीलों पर केस का अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तीस हजारी कोर्ट परिसर में पुलिस और वकीलों के बीच संघर्ष से जुड़ा एक और सनसनीखेज सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।

इसमें बड़ी संख्या में वकील हमलावर अंदाज में दिल्ली पुलिस की डीसीपी मोनिका भारद्वाज की ओर बढ़ रहे हैं और वह हाथ जोड़कर रोकने की कोशिश करती दिख रही हैं। डीसीपी के साथ बदसलूकी के मामले में राष्ट्रीय और दिल्ली दोनों महिला आयोग ने संज्ञान लिया है।

मीडिया में चले मोनिका भारद्वाज के सीसीटीवी फुटेज को देखते हुए रास्ट्रीय महिला आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया और दिल्ली पुलिस कमिश्नर अमूल्य पटनायक को नोटिस भेजा है।

इसमें महिला डीसीपी के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। आयोग ने मामले कीअलग से जांच करने और वकीलों के खिलाफ केस दर्ज करने को कहा है। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने भी भारद्वाज के साथ हुई बदसलूकी मामले में पुलिस से कार्रवाई का ब्योरा मांगा है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (मध्यक्षेत्र) को भेजे नोटिस में डीसीडब्ल्यू ने कहा कि उसने सोशल मीडिया पर छाए वीडियो का स्वत: संज्ञान लिया है जिसमें पुरुषों की हिंसक भीड़ एक महिला अधिकारी पर हमला करती हुई नजर आ रही है।

आयोग ने नोटिस में भीड़ के बर्ताव को शर्मनाक करार दिया और कहा कि इससे कड़ाई से निपटने की जरूरत है। डीसीडब्ल्यू ने यह भी जानना चाहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है या नहीं और यदि दर्ज की गई है तो उसकी प्रति दी जाए। वहीं हिंसक झड़प के बाद काम से हटाए गए पुलिस के दो वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है।

कोर्ट परिसर सूना, पांचवें दिन भी जारी रही अधिवक्ताओं की हड़ताल

सभी छह जिला अदालतों में वकीलों ने पांचवें दिन भी कामकाज का बहिष्कार किया तथा बार एसोसिएशनों के निजी कर्मियों ने परिसरों में आने वाले लोगों की सुरक्षा जांच की। जिला अदालत बार एसोसिएशन ने बताया कि तीस हजारी, साकेत, पटियाला, रोहिणी, कडकड़डूमा और द्वारका जिला अदालतों में स्थिति शांतिपूर्ण है, हालांकि राजधानी में वकील पुलिस के साथ झड़प के बाद पूर्ण हड़ताल पर हैं।एसोसिएशनों ने बताया कि वादियों को अदालत कक्षों तक जाने दिया जा रहा है और प्रॉक्सी वकील मामलों में उनकी मदद कर रहे हैं। दिल्ली बार एसोसिएशन ऑफ तीस हजारी कोर्ट के सचिव जयवीर सिंह ने कहा कि सभी अदालतों में सामान्य स्थिति लौट आई है। हमने अदालत परिसरों की सुरक्षा देखभाल केलिए दो वकीलों और बार केदो निजी कर्मियों को लगाया है।

पुलिस प्रदर्शन मामले की सुनवाई फरवरी में होगी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वकीलों और पुलिस के बीच दो नवंबर को हुई झड़प के विरोध में प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए दायर याचिका पर सुनवाई वह अगले वर्ष फरवरी में होगी।

बीते दो नवंबर को तीस हजारी अदालत परिसर में वकीलों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। इस घटना के विरोध में पुलिसकर्मियों ने सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया था और दिनभर धरने पर बैठे रहे थे।

मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ ने याचिका पर इससे पहले सुनवाई करने से इनकार किया और वकीलों से कहा कि पुलिस के साथ समझौते के लिए वह अपने सक्षम अधिकारियों की मदद लें। पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई 12 फरवरी को होगी।

निर्भया के दोषी ने राष्ट्रपति के समक्ष दायर की दया याचिका

नई दिल्ली। निर्भया सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या के एक दोषी विनय शर्मा ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के समक्ष दया याचिका दायर की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शर्मा इस समय तिहाड़ जेल में कैद है। वह 16-17 दिसंबर 2012 की दरमियानी रात में दक्षिण दिल्ली में चलती बस में 23 वर्षीय पैरामेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या करने का दोषी है। इस अपराध को एक नाबालिग सहित छह लोगों ने अंजाम दिया था और पीड़िता को सड़क के किनारे फेंक दिया था।

दिल्ली जेल के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शर्मा ने दया याचिका दायर की है जबकि इसी मामले में दोषी मुकेश और अन्य ने दया याचिका दायर करने से इनकार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि जेल अधीक्षक ने 29 अक्टूबर को चार दोषियों को नोटिस जारी कर कहा था कि इस नोटिस की पावती मिलने के बाद केवल सात दिन दया याचिका दायर करने के लिए हैं। सूत्रों ने बताया कि अगर दया याचिका दायर नहीं की जाती है तो जेल प्रशासन डेथ वारंट जारी कराने के लिए अदालत से संपर्क कर सकता है।

नोटबंदी के 3 साल : सड़क पर उतरी कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मोदी सरकार द्वारा की गई नोटबंदी के तीन साल पूरे होने पर कांग्रेस ने सदर बाजार और रिजर्व बैंक के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नोटबंदी को गरीबों, किसानों, दुकानदारों और व्यापारियों के लिए आर्थिक बर्बादी व बेरोजगारी के रुप में हमेशा याद रखा जाएगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा की अगुवाई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कुतक रोड सदर बाजार में कैंडल मार्च भी निकाला। चोपड़ा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि मोदी सरकार के समय में 45 वर्ष में सबसे ज्यादा बेरोजगारी बढ़ी है। पूरी दुनिया में बेरोजगारी की दर 4.95 प्रतिशत जबकि हिन्दुस्तान में इसकी 8.19 प्रतिशत है। स्नातक से पीएचडी तक के 15 प्रतिशत

लोग भी बेरोजगार है। देश में 74 प्रतिशत युवक जिनकी उम्र 18 से 23 वर्ष है जो कालेज नहीं जाते। वहीं दूसरी ओर सिर्फ 2.5 फीसद ऐसे कालेज है जो पीएचडी कराते है।

सुभाष के मुताबिक नोटबंदी के चलते देश की अर्थव्यवस्था को भारी धक्का लगा है वहीं आतंकवाद की घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ व पार्टी के मुख्य प्रवक्ता मुकेश शर्मा ने बताय कि नोटबंदी के कारण चोपट हुई अर्थव्यवस्था के चलते दिल्ली के मुख्य बाजारों में 70 प्रतिशत से अधिक कारोबार ठप हो गए।

कूंचा महाजनी, सदर बाजार, मयूर विहार, मीना बाजार, चावड़ी बाजार, चांदनी चौक, करोल बाग, खान मार्केट, लाजपत नगर आदि मुख्य मार्किटों में एक आंकडे के मुताबिक न केवल लोग बेरोजगार हुए बल्कि व्यापारियों व छोटे दुकानदारों को भी घोर मंदी का सामना करना पड़ा।

गांधी परिवार की एसपीजी सुरक्षा हटाना गहरा षड्यंत्र : लिलोठिया

नई दिल्ली। दिल्ली के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजेश लिलोठिया ने पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और बहन प्रियंका गांधी की एसपीजी सुरक्षा हटाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने केंद्र सरकार के फैसले को गांधी परिवार के खिलाफ गहरा षड्यंत्र बताया।

लिलोठिया ने कहा कि सोनिया समेत पूरे गांधी परिवार ने देश की अखंडता के लिए अनेक कुर्बानियां दी हैं। गांधी परिवार की सुरक्षा का मुद्दा न केवल कांग्रेस बल्कि देश के लिए अहम है। सरकार बेरोजगारी दूर करने, गिरती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और अन्य विकास के मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय विपक्ष को कमजोर करने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है।

लिलोठिया ने कहा यह सोची समझी साजिश के तहत किया जा रहा है जिसकी वह कड़ी निंदा करते हैं।

व्यापारियों के लिए जो भी करना पड़ेगा, सरकार करेगी : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए जो भी करना पड़ेगा भाजपा सरकार करेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बुनियादी योजनाओं को पारदर्शी ढंग से लागू कर भ्रष्टाचार मुक्त माहौल तैयार किया है जिससे व्यापारियों का देश के विकास में समुचित भागीदारी सुनिश्चित हो सके। तिवारी ने यह बात यमुना स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में शुक्रवार को व्यापारियों के सम्मेलन में कही।

मनोज तिवारी के अनुसार पीएम मोदी ने देश को एक मूल मंत्र दिया है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। व्यापारियों में भरोसा कायम रखने के लिए केन्द्र सरकार को जो भी करना पड़ेगा सरकार करेगी। पीएम ने भारत उदय का जो अभियान चलाया है उससे देश के व्यापारियों को अभयदान मिलेगा और वह निर्भय होकर न सिर्फ अपने व्यापार को बल्कि देश के विकास को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए काम

करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री एक राष्ट्र एक टैक्स लाकर जहां भ्रष्टाचार से व्यापारियों को निजात दिलाया। वहीं छोटे व्यापारियों को कई करों से मुक्ति दिलाई। सस्ती दरों पर लोन की व्यवस्था कर बैंकों और व्यापारियों को नजदीक लाया।

जिससे व्यापारियों के हौसले को नया आयाम मिला। सांसद गौतम गंभीर के अनुसार वह खुद एक व्यापारी परिवार से हैं इसलिए हर परिस्थिति से वाकिफ है।

वह हर समस्या का समाधान करने के लिए कृत संकल्प है। सांसद हंसराज हंस ने कहा कि अन्ना हजारे के आंदोलन से निकले एक ऐसे हठ योगी की सरकार है जो देश की राजधानी को 10 वर्ष पीछे ले गया है।

प्रदूषण रोकने के करें उपाय या फिर भुगतें अंजाम : देव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हल्की बारिश होने से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की परत फिर गहरी हो गई। राजधानी का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार शाम चार बजे 335 दर्ज किया गया। यह बहुत खराब श्रेणी में आता है। इस बीच, दिल्ली के मुख्य सचिव विजय कुमार देव ने शहर की तमाम एजेंसियों को प्रदूषण फैलाने वाले कारकों को 13 तारीख तक नियंत्रित करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति से परामर्श के बाद देव ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), दिल्ली राज्य औद्योगिक और अवसंरचना

● कुछ दिन राहत के बाद फिर बहुत खराब श्रेणी में पहुंची आबोहवा

विकास निगम लिमिटेड (डीएसआईआईडीसी), भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण , दिल्ली जल बोर्ड , एनडीएमसी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग को सड़क के किनारे, खाली भूखंडों, नालियों और यमुना के डूब वाले इलाकों से 13 नवंबर तक मलबा हटाने को कहा है।

उच्चतम न्यायालय ने अपने हाल के आदेश में विभिन्न एजेंसियों से दिल्ली में प्रदूषण में योगदान करने वाले कारकों जैसे खुले में कूड़ा फेंकना, कचरा जलाना, खुदी हुई सड़कें, धूल और जाम को नियंत्रित करने को कहा था।

इसके बाद यह निर्देश आया है। सभी एजेंसियों को दिए गए आदेश में मुख्य सचिव ने हर काम के लिए अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर दी है। देव ने अपने आदेश में कहा है कि आदेश का पालन न होने की स्थिति में, विभागाध्यक्ष, नोडल अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माना जाएगा और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। आदेश के मुताबिक देव ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि वह यातायात के लिहाज से प्रमुख मार्गों पर अवैध पार्किंग, फेरीवालों और अतिक्रमण करने वालों पर लगाम लगाए।

मुख्य सचिव ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति से प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद कराने को भी कहा है। देव ने उद्योग विभाग और नगर निगमों को निर्देश दिया के वे गैर अनुरूप क्षेत्रों में चल रहे उद्योगों को बंद करें। इसके साथ ही विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) व जल बोर्ड को उनकी बिजली और पानी की आपूर्ति बंद करने को कहा है। देव ने नगर निगमों, पीडब्ल्यूडी और डीएसआईआईडीसी को भी सड़कों को सुधारने तथा धूल न उड़े, ऐसे उपाय करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने शहजहानाबाद पुनर्विकास क्षेत्र को धूल के प्रदूषण को रोकने के लिए विशेष उपाय अपनाने को कहा है। मंडल आयुक्तों से प्रवर्तन दलों की सहायता के लिए 700 सिविल डिफेंस कर्मियों और पर्यावरण मार्शलों की तैनाती के लिए कहा था। मालूम हो कि कुछ दिन से प्रदूषण घटा था इसमें फिर इजाफा हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि कम वर्षा के कारण नमी बढ़ गई और धूलकण वातावरण में घुल गए।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की तकनीक विकसित करने पर जोर : अरविंद सावंत

केंद्रीय भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम मंत्री पहुंचे गुरुग्राम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईकैट) में परीक्षण सुविधाओं का उद्घाटन करते केंद्रीय भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम मंत्री अरविंद गणपत सावंत।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं लोक उपक्रम मंत्री अरविंद गणपत सावंत ने कहा कि कहा कि भारत में ग्राहक, उद्योग की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार वाहनों के तकनीकी विकास पर जोर देना होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की तकनीकी विकसित करने पर अधिक जोर देना होगा, ताकि प्रदूषण जैसी स्थिति से भी बचा जा सके। इसके लिए अन्य सुविधाएं व हाइब्रिड सेंटर भी विकसित किए जाने की दिशा में काम करना होगा।

यह बात उन्होंने शुक्रवार को यहां इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईकैट) में परीक्षण सुविधाओं का उद्घाटन करने के दौरान कही। इस अवसर पर प्रौद्योगिकी प्रशंसा अभियान भी आयोजित किया, जिसमें पारंपरिक ईंधन वाहनों की तुलना में हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के तकनीकी लाभ के बारे में जानकारी दी गई।

केंद्रीय मंत्री श्री सावंत ने कहा कि कई देशों में इलेक्ट्रिक वाहनों की तकनीक विकसित की जा रही है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि जो समाधान अन्य देशों के लिए प्रासंगिक हैं। वे भारत के संदर्भ में भी प्रासंगिक हों। भारत में तकनीकी प्रगति के लिए मुख्य उद्योगों को सहायक उद्योगों के साथ आगे बढ़ना होगा। भारत के पास बहुत बड़ी जनशक्ति है, जिसके लिए नौकरी की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी। भारत में ई-कचरा प्रबंधन पर भी और काम करना होगा। भारत में वाहनों के विद्युतीकरण को तो बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए अन्य सुविधाएं भी साथ ही विकसित करनी होंगी। इससे वाहनों के रेट भी बढ़ेंगे, जिस पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। वाहनों के विद्युतिकरण को बढ़ावा मिलने से प्रदूषण नियंत्रण पर भी रोक लगेगी। प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान को और आगे ले जाना है। अब प्रदूषण नियंत्रण पर अधिक काम करना होगा। इससे पहले उन्होंने टेस्ट ट्रैक पर वाहनों का प्रदर्शन भी देखा।

इस अवसर पर एडमिनीस्टेऊटिव और ऑडिटोरियम ब्लॉक का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम में आईकैट के निदेशक दिनेश त्यागी ने बताया कि आईकैट में 27 से 29 नवंबर तक न्यू जैन मोबिलिटी सम्मिट का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सम्मिट के आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आईकैट की कार्यप्रणाली व भविष्य की योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। आईकैट की वरिष्ठ महाप्रबंधक पामिला टिक्कू ने भी इलेक्ट्रिक बैटरी व लिथियम बैटरी की वर्किंग व उसकी लाइफ के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर आईकैट के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बेटियों को आगे बढ़ाने को लघु फिल्मों के माध्यम से दे रहे शिक्षा

गुरुग्राम के खंड पटौदी के गांव फाजिलवास गांव में रात्रि चौपाल के दौरान जागरुकता कार्यक्रम पेश करते कलाकार।

गुरुग्राम। ब्रेकथ्रू ने महिला एवं बाल विकास विभाव के सहयोग से गुरुग्राम के पटौदी ब्लॉक के फाजिलवास गांव में रात्रि चौपाल का आयोजन किया।

बेटियों के सपनों को लेकर 6 नवम्बर से चलाये गए इस अभियान में लघु फिल्मों जैसे रश्मि मैट्रिक पास, एक पिता का खत और लड़की हाथ से निकल जाएगी जैसी लघु फिल्मों के माध्यम लड़कियों को आगे बढ़ाने की शिक्षा दी गयी। इसके साथ साथ समाज में लिंग भेदभाव दूर हो इस बात पर जोर दिया। कार्यक्रम में सरपंच रजनी देवी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और गांव के अन्य लोगों ने शिरकत की। सरपंच रजनी देवी ने कहा कि लड़कियों को पढ़ाने से ही देश का सही विकास होगा। नाटक-किसकी होगी जीत के माध्यम से लोगों को संदेश किया कि बेटियों के सपने पूरे करने की जिम्मेदारी पूरे समाज की है। हमें ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है जहां बेटियां बड़े सपने देख सके। हमें मिलकर ऐसी मान्यता को बदलना होगा, जोकि लड़कियों को बोझ मानकर दसवीं या बारहवीं तक कि पढ़ाई कराते हैं। उसके बाद सिलाई-कढ़ाई सिखाकर शादी कर देते है।

सीआईएसएफ डीजी को वन विभाग अधिकारी ने लिखा पत्र

मंडावर की पंचायती जमीन पर बनने वाले सीआईएसएफ प्रशिक्षण केंद्र की जमीन।

मंडावर में 260 एकड़ भूमि पर बनने वाला सीआईएसएफ का प्रशिक्षण केंद्र विवादों के घेरे में

नरेश कुमार। सोहना

मंडावर में 260 एकड़ भूमि पर बनने वाला सीआईएसएफ का प्रशिक्षण केन्द्र विवादों के घेरे में आ गया है। वन्य विभाग के जिला अधिकारी ने सीआईएसएफ के डीजी को पत्र लिखकर कैंप को असंवैधानिक करार दिया है। वन विभाग अधिकारी कैंप को अरावली की हरियाली और वन्य प्राणियों की सुरक्षा को लेकर खतरा करार दे रहे हैं।

ग्राम पंचायत मंडावर की अरावली से और उसकी तलहटी में लगती 260 एकड़ भूमि पर सीआईएसएफ द्वारा प्रशिक्षण केन्द्र बनाने की तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं, लेकिन प्रशिक्षण केन्द्र अस्तित्व में आने से पहले विवादों के घेरे में आ गया है। बताया जाता है कि जमीन की खरीद से पहले सीआईएसएफ ने या ग्राम पंचायत ने केन्द्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय से अनुमति नहीं ली थी। शुरुआत में सीआईएसएफ ने प्रशिक्षण केन्द्र के लिए कुल 322 एकड़ जमीन की मांग की थी, लेकिन ग्राम पंचायत मंडावर ने प्रस्ताव पास करके 260 एकड़ जमीन ही सीआईएसएफ को दी गई। जिसको लेकर वन विभाग ने सीआईएसएस के डीजी को पत्र लिखते हुए भूमि को अरावली पर्वतमाला की हरियाली और अरावली में जीवन यापन कर रहे वन्य प्राणियों के लिए खतरनाक करार दिया है। ग्राम पंचायत हरचंदपुर से लेकर ग्वाल पहाड़ी बंधवाड़ी तक फैली अरावली पर्वत श्रंखला में रहने वाले तेंदुओं का जीवन खतरे में पड़ जाना मना जा रहा है। तेंदुओं के अलावा क्षेत्र में जंगली सूअर, नील गाय, अजगर, बंदर, गीदड़ आदि का जीवन खतरे में पड़ने की संभावनाएं हैं।

औषद्यी वाले पेड़-पौधों के लिए खतरे की घंटी

करीब पांच साल पहले वन विभाग ने मंडावर सहित हरचंदपुर, खेड़ली लाला, खौवर, बादशाहपुर टैठड़ से लगती अरावली पर्वतमाला में लुप्त हो चुके औषद्यीवाले पेड़-पौधों को फिर से पनपाने के लिए सुरक्षा का घेरा खींचा था, लेकिन कैंप के स्थापित होने से अरावली पर्वत श्रंखला की आन-बान व शान माने जाने वाले औषद्यी वाले पेड़-पौधों की सुरक्षा भी खतरे में आ सकती है।

क्या कहना है वन विभाग अधिकारी का

वन विभाग के जिला अधिकारी सुभाष यादव ने बताया कि जिस स्थान पर सीआईएसएफ अपना कैंप स्थापित करने जा रहा है। वह जमीन बंजर कदीम, गैर मुमकीन पहाड़ व अरावली के वन क्षेत्र में आती है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही अरावली व अरावली से सटी पंचायती जमीन को वन क्षेत्र घोषित किया हुआ है। उन्होंने बताया कि सीआईएसएफ के डीजी को उन्होंने पत्र लिखते हुए अरावली, बंजर कदीम व अरावली क्षेत्र में आने वाली जमीन को मुक्त करने की मांग की है।

ट्रेन में झपटमारी करने वाले को डेढ़ साल की कैद

गुरुग्राम। चलती रेलगाड़ी से बैग झपटने के मामले की सुनवाई करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश एमएम धौंचक की अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी करार देते हुए डेढ़ साल की सजा सुनाई है। जिला उप न्यायवादी अनुराग हुड्डा से प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली के ललित ने 9 अगस्त 2017 को जीआरपी पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह अपने परिवार के साथ चेतक एक्सप्रैस में सवार होकर अजमेर से दिल्ली आ रहा था, जब रेलगाड़ी प्रात: पटौदी रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो उसकी पत्नी खिड़की वाली सीट पर सो रही थी। एक युवक खिड़की से उसका बैग झपटकर फरार हो गया था। बैग में 3 मोबाइल, सोने के आभूषण व बैंक के जरूरी दस्तावेज आदि भी थे। उसने शोर भी मचाया, लेकिन तब तक गाड़ी चल चुकी थी।

होंडा कंपनी के हड़ताली श्रमिकों को मिला कांग्रेस का समर्थन

रेवाड़ी के कांग्रेस विधायक चिरंजीव राव बोले मैं आपके साथ

होंडा कंपनी के हड़ताली श्रमिकों के बीच बैठे रेवाड़ी विधायक चिरंजीव राव।

गुरुग्राम। आईएमटी मानेसर में स्थित होंडा कंपनी द्वारा नौकरी से निकाले गए श्रमिकों से मिलने शुक्रवार को रेवाड़ी से विधायक चिरंजीव राव पहुंचे। चिरंजीव राव ने श्रमिकों को आश्वासन दिया कि इस न्याय की लड़ाई में कांग्रेस पार्टी और मैं आपके साथ हूं और मेर पूरा सहयोग आपके साथ है।

चिरंजीव राव ने कहा कि आर्थिक मंदी का हवाला देकर इस तरह से श्रमिकों को निकाला बिल्कुल गलत है। इतने साल से जो श्रमिक यहां कार्य कर रहे हैं, उसी से ही उनके परिवार का निर्वाह होता है। ऐसे में हजारों लोगों की रोजी-रोटी झीनी जा रही है। विधायक चिरंजीव राव ने कहा कि भाजपा राज में रोजगार के साधन तो उतपन्न किए नहीं जा रहे उपर से लोगों का रोजगार छीनने का काम यह सरकार कर रही है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। इस मामले को हम विधानसभा तक उठाएंगे आखिर कंपनी द्वारा काम न होने का बहाना बना कर कब तक श्रमिकों को निकाला जाएगा। इन बातों को लेकर जनता और श्रमिकों में भारी रोष है। चिरंजीव राव ने बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है इससे पहले भी बावल में, मानेसर में, भिवाड़ी में और निमराना में हजारों श्रमिकों को निकाला जा चुका है। यह प्रक्रिया पिछले एक साल से चल रही है। जिसमें काम न होने का बहाना बनाकर श्रमिकों को निकाला जा रहा है।

हरियाणवीं को तवज्जो देने वाले फिल्मकारों को मिलेगी वित्तीय सहायता

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

हरियाणा की फिल्म पॉलिसी के तहत दी जाएगी यह वित्तीय सहायता

हरियाणवी बोली को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अहम निर्णय लिया है। फिल्मों में हरियाणवी बोली या फिर हरियाणवी संस्कृति को अहम स्थान यानी तवज्जो देने वाले फिल्म निर्माता या निर्देशक, हरियाणवी कलाकार, संगीतकार, तकनीशियन को एक करोड़ से लेकर तीन करोड़ तक वितीय सहायता भी प्रदान की जाएगी।

वैसे तो हरियाणवी बोली, हरियाणा की पृष्ठभूमि को पहले भी बॉलीवुड की फिल्मों में अहम स्थान मिल रहा है। फिर भी इसे और अधिक बढ़ाने के लिए सरकार ने कदम उठाया है। शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से यह जानकारी सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक समीरपाल सरो ने जानकारी दी कि सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से बनाई गई फिल्म पॉलिसी के तहत फिल्मों की शूटिंग से संबंधित अनुमति लेने के लिए जिला स्तर पर नगराधीश को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। समीरपाल सरो ने बताया कि हरियाणा की फिल्म पॉलिसी के तहत हरियाणवी संस्कृति, हरियाणवी बोली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक प्रावधान किए गए हैं। इस पॉलिसी के तहत विभाग की वेबसाइट पर फिल्म के निर्माता व निर्देशक को हरियाणा में फिल्म की शूटिंग की अनुमति के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने के बाद पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन रहेगी और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के साथ-साथ 18 अन्य विभाग भी जोड़े गए हैं, जिनसे संबंधित अनुमति भी लेनी होगी। ये सभी विभाग भी ऑनलाईन अनुमति देंगे। पूरी प्रक्रिया सात दिन की होगी। विभाग की वेबसाइट पर हरियाणा के मुख्य ऐतिहासिक, धार्मिक व पर्यटक स्थलों को भी प्रदर्शित किया गया है। आवेदन करने वाले निर्माता या निर्देशक के पास पूरी प्रक्रिया की ट्रैकिंग से संबंधित मैसेज जाएगा जिससे उसे पता चलेगा कि उनके आवेदन की प्रक्रिया किस स्थिति में है।

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मूथ प्रतियोगिता का शुभारंभ

सोहना। जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में दिल्ली के हायात होटल में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मूथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। जिसमें भारत और नेपाल की 30 यूनिवर्सिटी से आए लॉ के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मूथ प्रतियोगिता का शुभारंभ एडीशनल सोलीथिएटर जनरल भारत सरकार ने दीप प्रज्जलित करके किया। इस अवसर पर ललित भसीन सहित गोयनका यूनिवर्सिटी के चांसलर रेणु गोयनका भी सहित अन्य मौजूद थे। इस प्रतियोगिता में भारत और नेपाल की 30 यूनिवर्सिटी से एक लॉ के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार को लॉ के आधार पर प्रतिभागियों की प्रतियोगिता सुबह दस बजे से शुरू की जाएगी।

रिब्रांडेड टीम दिल्ली बुल्स ने अपनी जर्सी का अनावरण किया

सनी लियोनी को टीम का ब्रांड एंबेसडर बनाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

क्रांतिकारी टी10 क्रिकेट लीग की रिब्रांडेड टीम ने 28 अक्टूबर को दुबई में अपनी नई जर्सी, टीम एंथेम का अनावरण किया और बॉलीवुड सुंदरी, सनी लियोनी को इसका ब्रांड एंबेसडर बनाया। इस अवसर पर खूबसूरत अदाकारा, सनी लियोनी के साथ टीम के ओनर, नीलेश भटनागर - एनबी वेंचर, रिजवान सलन के मालिक, दानुबे ग्रुप के संस्थापक एवं चेयरमैन, टीम मेंटर एवं अनीस सजन, मैनेजिंग डायरेक्टर-दानुबे ग्रुप और टीम के वाइस कप्तान, शोएब मलिक मौजूद थे।

अनावरण के दौरान, रिजवान सजन, फाउंडर एवं चेयरमैन, दानुबे ग्रुप, दिल्ली बुल्स के को-ओनर ने कहा कि मैं अपनी रिब्रांडेड टीम, इसकी जर्सी एवं टीम का एंथेम लॉन्च करने पर बहुत उत्साहित हूं। हमने उसी पुराने जोश व प्रतिबद्धता के साथ नया नाम रखा है। इसके अलावा मैं बोल्ड एवं ब्यूटीफुल सनी लियोनी का हमारे दिल्ली बुल्स की ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्वागत करता हूं। मेरा मानना है कि वो क्लास, ग्लैमर के साथ भारी संख्या में फैंस लेकर आएंगी। वो मेरी चहेती हैं क्योंकि वो किसी भी चीज़ को कभी न नहीं कहतीं, जो हमारी टीम के सिद्धांत के भी अनुरूप है। पाकिस्तानी ऑल-राउंडर शोएब मलिक हमारे उपकप्तान हैं, क्योंकि वो काफी शांत व स्थिर हैं और इससे अत्यधिक दबाव वाले टूर्नामेंट में हमारी टीम को मदद मिलेगी। टीम के लिए मेरी शुभकामनाएं।

एनबी वेंचर्स के मालिक, नीलेश भटनागर ने कहा कि यह गेम का तीसरा सीजन है, यद्यपि हमें अभी तक ट्रॉफी नहीं मिली है, लेकिन हमने दोनों सीजन में बहुत अच्छा खेले। हमें विश्वास है कि नई टीम नई ऊर्जा लेकर आएगी और हम इस बार ट्रॉफी जीतकर वापस आएंगे। मैं अपने टीम मेंबर्स को सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। क्रिकेट के उत्साह के साथ दिल्ली बुल्स के मेंटर एवं यूएई में मिस्टर क्रिकेट के नाम से प्रसिद्ध, अनीस सजन ने कहा कि हमारी आक्रामक टीम इयॉन मोर्गन की कप्तानी में क्रिकेट के नए ब्रांड को खेलने के लिए तैयार है।

लोकार्पण एवं पुरस्कार वितरण समारोह 10 को

गुरुग्राम। शब्द शक्ति साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में 10 नवम्बर 2019 को सीसीए स्कूल सेक्टर चार में लोकार्पण एवं कविता प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत गुरुग्राम के वरिष्ठ साहित्यकार स्व रामानन्द आनन्द के कविता संग्रह-आनन्द संसार को लोकार्पित किया जायेगा। उनकी स्मृति में आयोजित-पिता शीर्षक पर कविता प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया जायेगा।

समारोह के मुख्य संयोजक संजीव शर्मा ने बताया कि प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के अतिरिक्त दस श्रेष्ठ व दस सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किये जाएंगे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात साहित्यकार लक्ष्मी शंकर बाजपेयी, प्रसिद्ध कवियत्री ममता किरण व प्राचार्या निर्मल यादव कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् डॉ. अशोक दिवाकर करेंगे, जबकि उद्योगपति शरद गोयल मुख्य अतिथि के रुप में मौजूद रहेंगे।

डीसी ने तीर चलाकर किया खेल महाकुंभ का शुभारंभ

गुरुग्राम। शुक्रवार से यहां नेहरू स्टेडियम में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ 2019 का आगाज हुआ। इस मौके पर अतिथि डीसी अमित खत्री पहुंचे और उन्होंने तीर चलाकर खेल महाकुंभ की शुरुआत की। इस खेल महाकुंभ में दो खेलों नामत: ताइक्वांडो व तीरंदाजी को शामिल किया गया है। 10 नवम्बर तक यह महाकुंभ चलेगा।

इस मौके पर डीसी अमित खत्री ने सभी खिलाड़ियों को मादक पदार्थों का सेवन ना करने को लेकर शपथ दिलाई। उन्होंने खिलाड़ियों का आह्वान करते हुए कहा कि वे खेल को हार-जीत की भावना से ऊपर उठते हुए खेल भावना से खेलें। उन्होंने कहा कि खेल में हार-जीत होना स्वाभाविक है लेकिन खिलाड़ी अपनी हार से सीख लें और आगे कड़ी मेहनत करते हुए मैदान में उतरें। उन्होंने इस अवसर पर अभिभावकों से भी अपील की और कहा कि वे अपने बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आज के इस भौतिक युग में ज्यादातर बच्चे टीवी व मोबाइल देखने में लगे रहते है जो उनके बौद्धिक व मानसिक विकास में सबसे बड़ी रूकावट है। खेल न केवल बच्चे का बल्कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति के लिए जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

सबूतों व गवाहों के अभाव में मारपीट के पांचों आरोपी बरी

गुरुग्राम। मारपीट के मामले की सुनवाई करते हुए चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट नरेंद्र सिंह की अदालत ने पुख्ता सबूतों व गवाहों के अभाव में पांचों आरोपियों को बरी कर दिया है। बचाव पक्ष के अधिवक्ता जानकारी के अनुसार जैकबपुरा के महेश कुमार ने 14 अगस्त 2017 को शहर थाना पुलिस में शिकायत दी थी कि 6 अगस्त की रात्रि में क्षेत्र के ही संजय आदि से गाड़ी खड़ी करने को लेकर कहासुनी हो गई थी। बाद में संजय अपने साथियों दिनेश, दलीप, गोविंद व राहुल को लेकर उसके घर आया और उन्होंने उसके पिता राजकुमार, पत्नी प्रीति आदि पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल होना पड़ा था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था। मामला अदालत में चला। अभियोजन पक्ष ने अदालत में जो सबूत व गवाह पेश किए, उनसे आरोपियों पर लगे आरोप सिद्ध होना न पाते हुए अदालत ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया है।

देवउठनी एकादशी व तुलसी पूजन का आयोजन

गुरुग्राम। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में देवउठनी एकादशी व तुलसी पूजा का आयोजन धूमधाम से किया गया। महिलाओं ने जहां अपने घरों में गेरु से रंगोली बनाई वहीं शहर के मंदिरों में तुलसी पूजन भी किया गया। सेक्टर 4 स्थित श्रीकृष्ण मंदिर परिसर में तुलसी पूजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पंडित मुकेश शर्मा का कहना है कि हिंदू धर्म में तुलसी पूजन का विशेष महत्व होता है। घर के आंगन में तुलसी माता का पौधा लगाया जाता है। घरों में भगवान की पूजा के अलावा हर दिन तुलसी पूजा का भी विशेष महत्व होता है। विशेष रूप से कार्तिक माह की देवउठनी एकादशी के दिन तुलसी विवाह का उत्सव मनाया जाता है। उनका कहना है कि सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए तुलसी विवाह करना चाहिए। तुलसी पूजन के दिन भगवान विष्णु की पूजा करते समय कुछ पैसे विष्णु भगवान की तस्वीर के पास रखने चाहिए।

पेंशन बढ़ाने की मांग को लेकर रास्ता रोको आंदोलन का निर्णय

गुरुग्राम। सेवानिवृत केंद्रीय कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली राष्ट्रीय संघर्ष समिति (एनएसी) ने ईपीएफओ के दायरे में आने वाले कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये मासिक किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन करने का निर्णय लिया है। संस्था के राष्ट्रीय संयोजक अशोक राउत का कहना है कि संस्था राजधानी में अगले माह रास्ता रोको अभियान शुरू करेगी। 30-30 वर्षों से कार्य करने और ईपीएस आधारित पेंशन मद में निरंतर योगदान करने के बाद भी कर्मचारियों को मासिक पेंशन के रूप में 2 हजार 500 रुपये ही मिल रहे हैं, जिससे कर्मचारियों और उनके परिजनों का गुजर-बसर करना मुश्किल हो रहा है। संस्था की मांग है कि ईपीएस 95 के दायरे में आने वाले कर्मचारियों के लिए मासिक मूल पेंशन के रूप में 7 हजार 500 रुपये के साथ महंगाई भत्ता दिया जाए, परिजनों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू किया जाए, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 5 हजार रुपए मासिक पेंशन दी जाए। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स ने मांगों को लेकर संघर्ष करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी एक नवंबर से 10 नवंबर तक गांव से लेकर राज्य स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। 4 से 6 दिसंबर तक वे राजधानी में आंदोलन करेंगे। मांगे नहीं मानी गई तो 7 दिसंबर को रास्ता रोको आंदोलन शुरू किया जाएगा।

नोटबंदी के तीन साल पूरे, कालेधन पर नहीं लगी रोक

गुरुग्राम। केंद्र सरकार द्वारा की गई नोटबंदी को तीन साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कालेधन पर रोक लगाने के लिए नोटबंदी की घोषणा करते हुए 500 व एक हजार रुपये के लगभग 99 फीसदी नोटों को चलन से बाहर कर दिया था। इस नोटबंदी से कई क्षेत्रों पर विपरीत प्रभाव भी पड़ा था और कई क्षेत्रों को इसका लाभ भी हुआ था। केंद्र सरकार को अपने इस फैसले का विरोध भी झेलना पड़ा था, लेकिन प्रधानमंत्री ने किसी की कोई परवाह नहीं की थी। 3 वर्ष पूर्व 8 नवम्बर को नोटबंदी के बाद आम आदमी द्वारा बैंकों में धन जमा करने पर संकोच किया जाने लगा था। केंद्र सरकार के डिजिटल लेन-देन का क्षेत्र भी बहुत बढ़ गया है। अधिकांश लोग डिजिटल लेन-देन को ही अपना रहे हैं। वित्त मामलों से जुड़े पंकज वर्मा व बीआर ग्रोवर का कहना है कि नोटबंदी के बाद बैंकों में धन जमा करने को लेकर आम लोगों में तरह-तरह की शंका बढ़ गई हैं। उनका कहना है कि वर्ष 2011-12 से वर्ष 2015-16 तक बाजार में चल रही कुल नगदी की तुलना में मात्र 9-12 प्रतिशत नगदी ही लोग अपने घरों में जमा करते थे। वर्ष 2017-18 में यह प्रवृति बढ़कर 26 प्रतिशत हो गई है। उनका यह भी कहना है कि नोटबंदी के बाद डिजिटल लेन-देन को काफी बढ़ावा भी मिला है। अरबों रुपए का डिजिटल ट्रांजेक्शन भी हुआ है। नकली नोट भी काफी संख्या में बरामद किए गए हैं। नोटबंदी की यह एक सफलता मानी जा सकती है। चुनावों में जिस तरह से नकदी पकड़ी गई है, उससे साफ है कि काले धन पर अभी ठीक से रोक नहीं लग पाई है।

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए मॉडल

गुरुग्राम। सेक्टर 34 स्थित एक निजी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर डा. केके चौधरी एवं डा. लाजपत राय शामिल हुए। अपने संबोधन में डा. लाजपत राय ने विज्ञान प्रदर्शनी को महाविद्यालय और विद्यालय के बीच एक सेतु बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी इंजीनियर्स को राष्ट्र निर्माण में बहुत ही सहायक होगी। एक इंजीनियर भी मानवतावादी होता है। क्योंकि वह समाज की विभिन्न समस्याओं में सहायता करता है। उन्होंने प्रस्ताव रखते हुए कहा कि प्रत्येक इंजीनियर को शुरुआत में एक प्रोजेक्ट देना चाहिए। जिसको वह चार वर्ष में पूरा कर सके। प्रो. राय ने डिग्री की अपेक्षा ज्ञान को प्राथमिकता दी। वहीं प्रो. केके चौधरी ने विद्यार्थियों को रचनात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सामाजिक कल्याण के लिए नए-नए विचार उत्पन्न करने चाहिए। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन राजेन्दर सिंह गहलोत, वाइस चेयरमैन दीपक गहलोत एवं जनरल सेक्रेटरी सुरेन्दर गहलोत ने भी अपने विचार रखे। संस्था के वाईस चेयरमैन दीपक गहलोत ने विद्यार्थियों को प्रतिदिन समाचार-पत्र पढ़ने और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विद्यालयों से आने वाले छात्र-छात्राओं ने विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, साहित्य, गणित और कंप्यूटर आदि से जुड़े हुए अनेक प्रकार के मॉडल प्रस्तुत किये। छात्र-छात्राओं ने अनेक प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

टूरिज्म विभाग की जमीन पर पर अवैध निर्माण कार्य जारी

सोहना। सोहना के वार्ड-13 से लगती हरियाणा टूरिज्म विभाग की जमीन पर कब्जा व निर्माण होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। विभाग ने अपनी साढ़े आठ एकड़ जमीन को मुक्त कराने के लिए अदालत के दरबार में भी गुहार लगाई है। अभी भी अदालत में विचाराधीन है। सोहना के वार्ड-13 की पहाड़ कॉलोनी के साथ लगती हरियाणा टूरिज्म विभाग की साढ़े आठ एकड़ जमीन पर भूमाफिया अवैध कब्जा कर और बेचने में लगे हुए हैं। जबकि हरियाणा टूरिज्म विभाग और अवैध कब्जाधारियों के बीच मामला अदालत में विचाराधीन है। इसके बाद अभी भी अवैध प्लाटिंग होने और निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार हरियाणा टूरिज्म विभाग एसडीएम कोर्ट में जमीन पर अवैध निर्माण करने वाले स्थानीय लोगों से मामला जीत चुका है।

राजस्व संग्रह के लिए बेहतर फैसले किए जाएं : निर्मला

वित्त मंत्री सीतारमण ने आईआरएस की 69वीं पासिंग आउट परेड में सलामी ली

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सभी राजस्व अधिकरी ईमानदारी से काम करें। सभी अधिकारी कार्य दक्षता और कुशलता के साथ देश के निर्माण में अपना योगदान दें। अच्छे और बुरे की समीक्षा करके जो बेहतर फैसला लिया जा सकता है, उसे लागू करके राजस्व संग्रहीत करें।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण यहां सेक्टर 29 स्थित नासेन प्रशिक्षण केंद्र में आईआएस के 69वीं पासिंग आउट परेड समारोह को संबोधित कर रही थीं। वित्तमंत्री ने दीक्षांत समारोह में ध्वजारोहण किया। कैडेट्स ने वित्तमंत्री को सलामी दी। दीक्षांत समारोह में 109 कैडेट्स ने भाग लिया। वित्तमंत्री ने कैडेट्स को पूरे मनोयोग से देश सेवा करने का संकल्प दिलाया और पासिंग आउट परेड की सलामी ली।

सभी 104 आईआरएस अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर आज के बाद काम करना शुरू कर देंगे। इस मौके पर सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम के चेयरमैन पीके दास ने भी सभी अधिकारियों को बधाई दी। सीतारमण ने सभी राजस्व अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हुए कहा कि आप सभी को यह भूमिका निभानी होगी कि जो भी कर का भुगतान करना चाहते हैं, उन्हें कानून की जानकारी दी जाए, ताकि वे सुविधानुसार कर का भुगतान कर सकें और सशक्त हो सकें।

राम मंदिर फैसला : पुलिस अलर्ट, नाकाबंदी शुरू

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उत्तर प्रदेश में लंबे समय से चल रहे राममंदिर और बाबरी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला जल्दी ही आने वाला है। इसे ध्यान में रखते हुए जिला पुलिस पूरी तरह अलर्ट हो गई। शहर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के साथ ही संवेदनशील स्थानों की पहचान कर ली गई है। साथ पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है। पुलिस आयुक्त केके राव ने जिले की पुलिस को सतर्क रहने और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

शांति बनाए रखने की अपील

अयोध्या मामले में आने वाले फैसले को ध्यान में रखते हुए पुलिस आयुक्त केके राव ने जिले के नागरिकों से आपसी भाईचारा बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। साथ उन्होंने जिले के तमाम आला पुलिस अधिकारियों एवं थाना प्रबंधक को कानून-व्यवस्था कायम रखने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा की शहर में आपसी सौहार्द, अमन-चैन और शान्ति के वातावरण को हर हाल में बनाए रखने के लिए सभी थाना प्रबंधक पूरी तरह सजग और तत्पर रहें।

अफवाहों पर नजर

सीपी राव ने स्पष्ट करते हुए कहा कि कानून व्यवस्था को प्रभावित करने व सामाजिक सौहार्द खराब करने वाले शरारती तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पुलिस आयुक्त केके राव ने थाना प्रबंधक को निर्देश देते हुए कहा कि थाना क्षेत्र के समाज के विभिन्न वर्गों, धार्मिक गुरुओं, प्रबुद्धजनों और सामाजिक व्यक्तियों के साथ संवाद स्थापित किया जाए। अव्यवस्था और अराजकता को किसी भी प्रकार की छूट न दी जाए। छोटी से छोटी घटना पर पूरा ध्यान दिया जाए। धार्मिक, व्यापारिक और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

संभावित संवेदनशील स्थान

संभावित संवेदनशील स्थानों में पुलिस ने गांव धौज, बीजौपुर, आलमपुर, सिरोही, खोरी, फतेहपुर तगा, फतेहपुर बिल्लोच, तिगांव, अटाली, कैली, खंदावली, शिलावटी, थाना पल्ला इलाका, थाना सराय सराय ख्वाजा इलाका, थाना भूपानी इलाका, बड़खल एवं दिल्ली वाली मस्जीद इत्यादि को शामिल किया है। पुलिस आयुक्त ने पुलिस कर्मचारियों को इन स्थानों पर पूरी सजगता व सतर्कता बरतने के आदेश दिए हैं। उन्होंने अपराध शाखा एवं खुफिया विभाग को संदिग्ध लोगों पर निगरानी रखने के आदेश भी दिए हैं।

सोशल मीडिया पर नजर

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने शहर के लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर कोई भी किसी तरह की अफवाह न फैलाएं। अफवाहों को फैलने से तुरंत रोका जाए। अफवाह फैलाने वालों एवं उत्तेजना, सनसनी और भड़काऊ बयानों और भाषणों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्री तत्कालेश्वर शिव मंदिर में तुलसी विवाह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

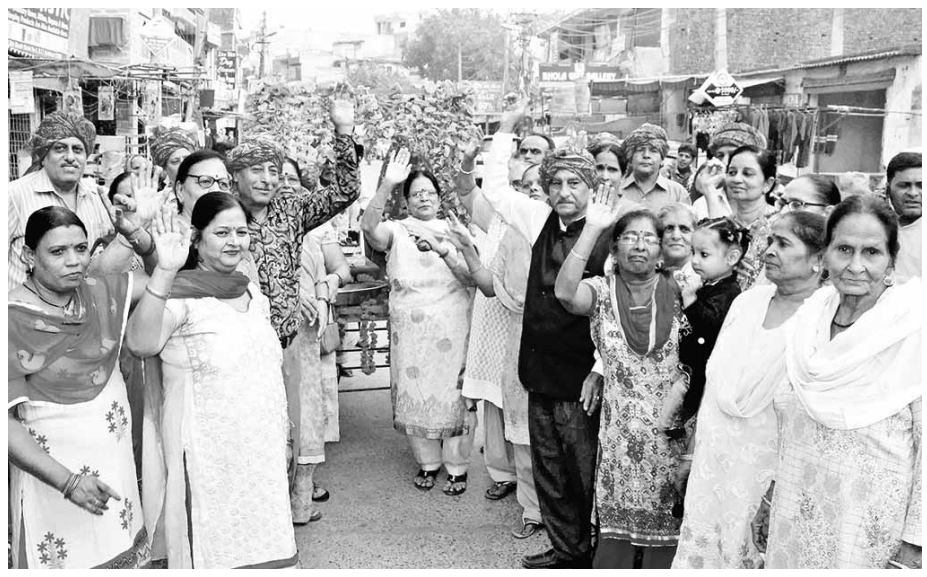

एनएच पांच स्थित श्री तत्कालेश्वर शिव मंदिर के प्रांगण में आज देवोत्थान एकादशी के उपलक्ष्य में तुलसी महारानी और शालिग्राम भगवान का विवाह धूमधाम से संपन्न कराया गया। शालिग्राम भगवान और तुलसी जी की पंडित मनोज कौशिक, पंडित नंदकिशोर जी, मंदिर के प्रधान हर्ष मल्होत्रा, महासचिव बंसीलाल कुकरेजा, कोषाध्यक्ष सुनील महाजन व अन्य भक्तों ने विधि-विधान से पूजा की।

तुलसी जी के विवाह से पूर्व शालिग्राम भगवान की बारात निकाली गई, जो एनएच पांच मार्केट के विभिन्न भागों से होते हुए वापिस मंदिर पहुंची, जहां पूरे विधि विधान से तुलसी और शालीग्राम की विवाह कराया गया। प्रधान हर्ष मल्होत्रा और महासचिव बंसी लाल कुकरेजा ने बताया कि कहा कि शालिग्राम और तुलसी का विवाह भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का ही प्रतीकात्मक विवाह माना जाता है।

उन्होंने कहा कि यह विवाह एक आम विवाह की तरह होता है, जिसमें शादी की सारी रस्में निभाई जाती हैं। बारात से लेकर विदाई तक सभी रस्में होती हैं। उन्होंने कहा कि जो मनुष्य कार्तिक की एकादशी पर तुलसी विवाह करवाता है, उसकी सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस अवसर पर रीटा रामपाल, कमला अरोड़ा, महेश बजाज, अशोक कक्कड़, केवल सचदेवा, संजय अरोड़ा, सुनील अरोड़ा, राकेश भाटिया, पूनम ग्रोवर, रमन ग्रोवर, गुलशन सहगल व तरुण ग्रोवर सहित कई भक्त मौजूद थे।

छात्रों ने पॉलीटेक्निक में की तोड़फोड़

फरीदाबाद। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर नीमका स्थित राजा जैत सिंह पॉलीटेक्निक के छात्रों ने शुक्रवार की दोपहर कॉलेज में प्रवेश की समय सीमा को लेकर जोरदार हंगामा किया और तोड़फोड़ की। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर छात्रों को समझा-बुझा कर शांत कर दिया। मामले में सोमवार को विचार करने का आश्वासन दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की दोपहर पॉलीटेक्निक में पढ़ने वाले छात्र कमरों से बाहर आ गए। छात्रों ने हंगामा कर नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों ने अपनी मांग रखते हुए कहा कि उन्हें 10 बजे तक एंट्री दी जाए, जबकि पॉलीटेक्निक में क्लास सुबह साढ़े नौ बजे शुरू हो जाती है। पॉलीटेक्निक ने छात्रों को नौ बजकर 40 मिनट तक आने की छूट दी हुई है। छात्रों की मांग थी कि उन्हें 10 बजे तक आने की छूट दी जाए। इसके अलावा उन्हें मोबाइल प्रयोग की भी छूट मिलनी चाहिए। पॉलीटेक्निक प्रबंधन ने मोबाइल के प्रयोग पर रोक लगाई हुई है। छात्रों ने तीसरी मांग ड्रेस कोड कैंसिल करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि ड्रेस को कैंसिल कर सिविल ड्रेस में आने की छूट दी जाए। पॉलीटेक्निक के असिस्टेंट प्रिंसिपल मनोज मीणा ने छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने और अधिक उग्र रूप धारण कर तोड़फोड़ शुरू कर दी, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। छात्रों ने सीसीटीवी, टॉयलेट सीट व लैब में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और छात्रों को आश्वस्त किया कि सोमवार को प्रिंसिपल के आने पर उनकी मांगों पर विचार किया जाएगा।

नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर परिचित ने होटल में महिला से किया दुष्कर्म

फरीदाबाद। उप्र के कोसीकलां में अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रही एक महिला को उसके परिचित युवक ने लिफ्ट देने के बहाने अपनी गाड़ी में बैठा लिया और खाना खिलाने के बहाने कोसीकलां के एक होटल में ले गया। जहां आरोपी ने महिला को धोखे से नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना ने मामला दर्ज कर लिया है।

महिला थाना बल्लभगढ़ में दर्ज मामले के मुताबिक यहां की एक कॉलोनी में रहने वाली 34 साल की महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसके कुछ रिश्तेदार कोसीकलां शहर में रहते हैं। बृहस्पतिवार को वह उनसे मिलने के लिए कोसीकलां जा रही थी। जब वह पलवल पहुंची, तो उसे वहां पर उसका परिचित युवक नरेश मिल गया। नरेश ने महिला को बताया कि वह भी कोसीकलां जा रहा है। महिला उसके साथ चली गई। आरोपी युवक उसे बहाने से कोसीकलां स्थित एक होटल में ले गया।

महिला का आरोप है कि होटल में युवक ने उसे पीने के लिए कोल्ड ड्रिंक दी, जिसे पीकर वह बेहोश हो गई। आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म कर दिया। घटना के बाद आरोपी महिला को यह बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया। महिला शाम को किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को घटना के बारे में बताया और पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज कर उसे जांच के लिए कोसीकलां पुलिस को भेज दिया है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Ashok Kumar Trivedi S/o Shri Mahender Kumar Trivedi R/o K-98 B, K-Block Gali No. 3 Gautam Vihar Ghonda Garhi Mendu, Bhajan Pura Delhi-110053 have changed my minor son name from Tijil Trivedi to Arjit Trivedi for all future purpose.

PD(8664)C

PUBLIC NOTICE

I Shivani Sharma D/o Shiv Datt Sharma Permanent Address:- 40, New Madho Nagar, Saharanpur (U.P.) and Employed as **professor** in the**Medical University of the Americas, Nevis R/o Apt 8 Urban Jones Apartment, Mount Lily, Nevis (Saint Kitts and Nevis)** have changed the name of My minor son **Pratyaksh** aged **10 Years** and he shall hereafter be known as **Pratyaksh Sharma** in future for all purpose.

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that Smt. Chander Khurana W/o Shri I.K. Khurana D/o Shri Gopal Das is selling the property bearing Flat No. B-10, Vidyut CGHS Ltd, Plot No. 2, Sector 12, Dwarka, New Delhi to Smt. Navneet Kaur Ahuja and Shri Arshdeep Singh Ahuja. In case anyone has any right, title, interest, claim, lien, mortgage or any objection of whatsoever nature regarding the sale/purchase of the mentioned property then the concerned person shall contact Advocate Nisheeth Khurana, Address: Office Address: 62, Ground Floor, Sunview Apt.DDA Pocket 4, Sec- 11, Dwarka, N D-75.within seven days of this publication."

PUBLIC NOTICE

That as per information given by my client, (1) Sh. Vinod Prakash Mangla S/o Late Sh. J.P. Mangla and (2) Smt. Usha Mangla W/o Sh. Harender Mangla both residents of Flat no.179, Block/Pocket-D-7, Sector-6, Rohini, Delhi-110085, are the owners/purchasers of DDA Janta Flat no. 179, Block/Pocket-D-7, Sector-6, Rohini, Delhi-110085, vide DDA File no.J027(535)85/NP, has applied for conversion from leasehold to freehold in respect of said flat. Due to non-availability of facts the deed writer has been wrongly type the property details in Agreement to sell, GPA and Payment Receipt Dated 05.11.2004 as First Floor with Terrace right upto Sky High which is wrong. The Actual and correct Property Details is DDA Janta Flat no.179, Block/Pocket-D-7, Sector-6 Rohini Delhi-110085.
Any person (s) claiming any right, interest, having any objection may write/contact with above named person at above Address/Phone no.9811108807 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director (LAB) Housing or Director (Housing)-I, D-Block, 3rd floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.
R.V. Singh (Advocate) Ch.no.516-A, 1st floor Western Wing, Tis Hazari Courts, Delhi-54.

PUBLIC NOTICE

I Shivani Sharma D/o Shiv Datt Sharma Permanent Address:- 40, New Madho Nagar, Saharanpur (U.P.) andEmployed as **professor** in the**Medical University of the Americas, Nevis R/o Apt 8 Urban Jones Apartment, Mount Lily, Nevis (Saint Kitts and Nevis)** have changed the name of My minor son **Lakshya** aged **16 Years** and he shall hereafter be known as **Lakshya Sharma** in future for all purpose.

PUBLIC NOTICE

My Client Sh. Pushpender Kumar S/o Sh. Uttam Chand bequeathed Property No. L-123, Situated at Shastri Nagar, Delhi - 110052 through WILL Dt. 22/12/2003 executed by Smt. Hukam Devi who passed away on 08/11/2014. If anybody having any objection / interest / claim in title of the above said property is requested to contact the undersigned within 15 days after publication of this notice.
Sanjay Aggarwal (Advocate)
Ch. No. 25, Old Court, Kashmere Gate, Delhi-6

PUBLIC NOTICE

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिल मै. टाइम्स इन्फ्राएटक्चर प्रा. लि. जो फ्लैट नं. A-15 तृतीय तल, लोक नायक सी.जी.एच.एस. लि., लोक नायक अपार्टमेंन्ट, प्लॉट नं. 30, सैक्टर-9, रोहिनी दिल्ली के स्वामी है और उन्होंने उपरोक्त सम्पत्ति को श्री हिमांशु गुबरानी से स्व. श्री वेद प्रकाश गुबरानी की मृत्यु के उपरान्त खरीदा था। स्व. श्री वेद प्रकाश का मृत्यु प्रमाण पत्र और वारिशान प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया गया है। मूल आवंटन व कब्जा पत्र भी खो गया है।
उपरोक्त सम्पत्ति से सम्बन्धित किसी व्यक्ति को कोई दावा है तो वह सूचना प्रकाशन से 07 दिनों के भीतर उचित दस्तावेज के साथ दावा कर सकता है। उसके उपरान्त किसी प्रकार का दावा मेरे मुव्वकिल पर बाध्यकारी नहीं होगा।
C.K. JHA (Advocate)
E-524, Karkardooma Courts, Delhi-110032 (M) - 9811295674

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of **Mrs. Prabha Sardana & Mrs. Sarla Sadana, Mr. Sameer Sardana, Mr. Bharat Sardana** who are the owners of **Two and Half Storied House bearing Quarter No. 41, area measuring 88.9 Sq. Yds., in Block-14B Situated at Dev Nagar, Karol Bagh, Delhi.** Mrs. Prabha Sardana & Mr. Rajinder Kumar Sardana became the owner of the entire property vide Conveyance Deed dated 29.12.2011. After the Death of Mr. Rajinder Kumar Sardana his legal heirs became the owner of the 50% share of the entire property. Mrs. Prabha Sardana & Mrs. Sarla Sadana, Mr. Sameer Sardana, Mr. Bharat Sardana intend to sell the above mentioned property which will be mortgaging against the financial assistance from **Aditya Birla Housing Finance Limited.** Also the Non availability of Surviving Member Certificate of Late Mr. Yash Raj Sardana .To comply the requirements of bank/NBFC, we give this public notice that if any person(s) having any objection regarding ownership and/ or creating mortgage of the said property is/are hereby requested to intimate in writing to the undersigned within 07 days from the date of this notice, at below address.
Lucem Legal LLP
269, Rama House, Ground Floor, Masjid Moth ,Opp. Uday Park, South Ext.II, New Delhi - 49 Contact# 011 - 40046316

ABN INTERCORP LIMITED
F-01, TDI Center, Jasola, New Delhi-110025, Ph:011-4132 4180, CIN: L55101DL2005PLC140406, Email : abncompliance@gmail.com, website : www.abnintercorp.com

NOTICE

Notice is hereby given that pursuant to Regulation 29 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015, Meeting of the Board of Directors of the Company will be held on Thursday, 14th November, 2019 at the Registered Office of the company inter alia, to consider, approve and take on record the Unaudited Financial results of the Company for the Half year ended on 30thSeptember, 2019.
By Order of the Board of Directors
SD/-
DATE : 08.11.2019 Mr. Ajaikumar Rastogi
PLACE : NEW DELHI Managing Director, DIN:00322447

मोटिव एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : 5ए/12, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली-110002
सीआईएन : यू70100डीएल2003पीटीसी119287

सूचना

[कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30 के अनुसरण में]
कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के लिए समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु विज्ञापन।
समक्ष : केन्द्र सरकार
उत्तरी क्षेत्र
कम्पनी अधिनियम, 2013, कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13(4) तथा
कम्पनी (निगमन) नियमावली, 2014 के नियम 30(6)(क) के विषय में
तथा
मोटिव एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड (सीआईएन : यू70100डीएल2003पीटीसी119287) जिसका पंजीकृत कार्यालय 5ए/12, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है, के विषय में, याचिकादाता
एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचना दी जाती है कि कम्पनी द्वारा इसका पंजीकृत कार्यालय "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली" से "उत्तर प्रदेश राज्य" में स्थानांतरित करने के लिए कम्पनी को सक्षम बनाने के संबंध में 25 सितम्बर, 2019 को आयोजित इसकी वार्षिक सामान्य बैठक/असाधारण सामान्य बैठक में पारित विशेष प्रस्ताव के निबन्धनों के अनुसार कम्पनी के संस्था ज्ञापन में संशोधन की पुष्टि की याचना हेतु कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 13 के अधीन एक आवेदन केन्द्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है।
कोई भी व्यक्ति, जिसका हित कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित संशोधन से प्रभावित होने की संभावना है, अपने हित के स्वरूप तथा विरोध के आधार के उल्लेखकारी शपथपत्र द्वारा समर्थित अपनी आपत्तियां निवेशक शिकायत प्रपत्र भरकर एमसीए-21 पोर्टल (www.mca.gov.in) पर सुपुर्द कर सकता है अथवा क्षेत्रीय निदेशक, उत्तरी क्षेत्र, बी-2 विंग, द्वितीय तल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली-110003 को इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर सुपुर्द करवा सकता है अथवा पंजीकृत डाक से भेज सकता है, जिसकी एक प्रति आवेदक कम्पनी को नीचे वर्णित पते पर स्थित इसके पंजीकृत कार्यालय भेजी जानी चाहिए :
कृते एवं हिते मोटिव एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड
तिथि : 08-11-2019 रूपिन्दर कुमार अग्रवाल
स्थान : नई दिल्ली निदेशक

THE KANGRA CO-OPERATIVE BANK LTD.
C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri New Delhi - 110058
Phone : 011-25611041, 25611042, 25611043, 25611044
e-mail: leagal@kangrabank.com, legal1@kangrabank.com Website : www.kangrabank.com

PUBLIC NOTICE FOR SALE

In terms of **The Securitisation and Reconstruction of the Financial Assets & Enforcement of Security Interest Act, 2002,** and Security Interest (Enforcement) Rules, 2002, and in exercise of the powers conferred under Section 13(2) & 13(4) thereof, the Bank has taken over the possession of the under mentioned property.
The Bank intends to sell the property **DETAILED HEREUNDER** on **"AS IS WHERE IS BASIS" THROUGH "SALE BY INVITING TENDERS"***, as per brief particulars given hereunder:

Sl. No.	Name of Borrower, Mortgagor & Branch.	Amount Recoverable.	Description of Property.	Reserve Price.	Earnest Money Deposit.
1.	Sh.Giriraj Kishore Sharma S/o. Sh. C.L. Sharma R/o RZ-2-C/3, Gali No. 7-8, Indira Park, Palam Colony, New Delhi-110045. Also at: Plot No.11/1, Basai Enclave Indl. Area Part-I, Gurgaon, Haryana-122001. (Borrower) Smt. Pushpa Sharma W/o. Sh. Giriraj Kishore Sharma, R/o RZ-2-C/3, Gali No. 7-8, Indira Park, Palam Colony, New Delhi-110045. (Mortgagor & Surety) (Janakpuri Bramch)	₹39,00,369.97 together with further interest, penal interest and other charges as are applicable in the Loan account from time to time, from 31-12-2014 till the date of payment.	Built up Ground and, First Floor of property no. RZ-2-C/3, Gali No.8, measuring 90 sq. yds. Out of total area MEASURING 145 SQ.YDS., (121.235SQ. MTRS.) OUT OF KHASRA NO.647, SITUATED IN THE RECENUE ESTATE OF VILLAGE NASIRPUR, DELHI STATE DELHI, COLONY KNOWN AS INDIRA PARK, NEW DELHI-110045	Rupees Forty Eight Lakhs Sixty Thousand Only (₹48,60,000/-)	10% of the Reserve price i.e. Rupees Four Lakhs Eighty Six Thousand Only (₹4,86,000/-)

- *The above mentioned property(s) shall be sold on **"as is where is basis" and "as is what is basis" and "as is wherever is basis", except, all the costs and expenses relating to pending electricity, water and house tax bills regarding the above mentioned properties from the date of its possession by the Bank till the same are being sold by the Bank, shall be borne by the Bank, the afore mentioned cost and expenses before the date of possession shall be borne by the concerned borrower(s)/ mortgagor(s).**
- The aforesaid property(s) **shall not be sold below the Reserve Price** as mentioned above.
- The successful bidder/tenderer **shall deposit 25% of the amount of sale price,** adjusting the Earnest Money Deposit paid already, immediately after the acceptance of Bid/Tender to the Authorised Officer in respect of the sale, **failing which the earnest money deposit given/paid already shall be forfeited, and in default of such deposit, the aforesaid property(s) shall forthwith be sold again.**
- **The balance 75% of the sale price shall be payable on or before 15th day of confirmation of the sale by the Bank** or such extended period as may be agreed upon in writing between the parties. In case of failure to deposit this balance amount within the prescribed **period, the amount deposited shall be forfeited, and the aforesaid property(s) shall be resold and the defaulting purchaser shall forfeit all claims towards the aforesaid property(s) or to any part of the sum for which it may be subsequently sold.**
- The provisions of Private Treaty as provided in Law may be resorted to in case of need or if warranted so.
- **The Authorised Officer is not bound to accept** the highest offer or any or all offers and reserves the right to accept or reject any or all the tenders/bids/offers **without assigning any reasons thereof.**
- The successful purchaser **would bear the Professional charges/fee payable,** such as drafting, documentations, stamp duty, registration fee and any other incidental expenses thereto, as applicable **as per Law.**
- **The above named borrowers/mortgagors attention is also invited to provision of Sub-Section (8) of Section 13 of the SARFAESI Act, in respect of time available, to redeem the above mentioned property.**
- **This publication is also 30 day's notice to the above named borrower/mortgagor/surety.**

Bid/Tenders alongwith Bank Draft/Pay order of the Earnest Money Deposit amount as mentioned in this Sale Notice, are invited in sealed covers by the undersigned from the intending buyer(s) for purchase of the above mentioned property(s), at the Head Office, C-29, Community Centre, Pankha Road, Janak Puri, New Delhi-110058. **The last date for submission of the bid/tenders is 16-12-2019 which shall be opened on 17-12-2019 at 4.00 P.M. at the Office of the AGM/Authorised Officer of the Bank i.e. at Head Office, C-29, Community Centre, Pankha Road, JanakPuri, New Delhi-110058.**
The intending buyers/purchasers may inspect the property(s) **on 29-11-2019 between 11.00 a.m. to 3.00.p.m.,** Bank Draft/Pay Order for EMD should be in favour of "The Kangra Co-operative Bank Ltd., account Sh. Giriraj Kishore Sharma S/o. Sh. C.L. Sharma JK/22/27.
The other terms and conditions of the sale can be obtained from the AGM/Authorised Officer or the Manager (Legal) of the Bank, from Head Office at C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058.
Ramesh Chand Kasana (AGM/Authorised Officer)
The Kangra Co-operative Bank Ltd.
Head Office at C-29, Community Centre, Pankha Road, Janakpuri, New Delhi-110058. Ph. 8920040076, 9013568402.
DELHI.
DATED: 31-10-2019.

रजि. ए/डी/दस्ती चस्पा करना/ढोल पीटना एवं बिक्री उद्घोषणा का प्रकाशन ऋण वसूली अधिकारी-।। का कार्यालय, ऋण वसूली न्यायाधिकरण -।।।, दिल्ली चतुर्थ तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, पटेल चौक, नई दिल्ली-110001
आरसी सं. 143/2015 दिनांकित : 10-10-2019
बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं को देय ऋण की वसूली अधिनियम, 1993 के साथ पठित आयकर अधिनियम, 1961 की दूसरी अनुसूची के नियम 38, 52 (2) के तहत बिक्री की उद्घोषणा
आईसीआईसीआई बैंक बनाम सुश्री निधि गर्ग एवं अन्य
सीडी नंबर 1, सुश्री निधि गर्ग पत्नी श्री विकास गर्ग, ए-220, तृतीय तल, हरि नगर, निकट घंटाघर, नई दिल्ली-110064 अन्य पता : मकान नंबर एसएस-207, एफ/एफ, ब्लॉक-एच, सेक्टर-जीएमपी-16, शास्त्री नगर, गाजियाबाद-201010
अन्य पता : वोडाफोन एस्सार मोबाइल सर्विसेज लिमिटेड, सी-48, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, दिल्ली-110020
अन्य पता : एन-214, प्रताप नगर, गाजियाबाद-201010
अन्य पता : वोडाफोन एस्सार मोबाइल सर्विसेज लिमिटेड, सी-48, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, दिल्ली-110020
अन्य पता : एन-214, प्रताप नगर, गाजियाबाद-201010
सीडी नंबर 2. श्री विकास गर्ग पुत्र श्री परषोत्तम गर्ग, ए-220, तृतीय तल, हरि नगर, निकट घंटाघर, नई दिल्ली-110064 अन्य पता : एन-214, प्रताप नगर, गाजियाबाद-201010 अन्य पता : मकान नंबर एसएस-207, एफ/एफ, ब्लॉक-एच, सेक्टर-जीएमपी-16, शास्त्री नगर, गाजियाबाद-201010
जबकि आप पीठ अधिकारी, ऋण वसूली न्यायाधिकरण, दिल्ली द्वारा ओ.ए. सं. 614/2013/डीआरटी-।।।, दिल्ली में आहरित वसूली प्रमाणपत्र के संबंध में आपके/उसके द्वारा देय रू. 36,46,995.65/- (रूपए छत्तीस लाख छियालीस हजार नौ सौ पिच्यानवे तथा पैसे पैंसठ मात्र) की राशि प्रमाणपत्र के अनुसार देय लागतों तथा 26-08-2013 की प्रभावी तिथि से ब्याज एवं लागतों सहित चुकाने में असफल रहे हैं।
और जबकि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त वसूली प्रमाणपत्र के समाधान में नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित सम्पत्ति की बिक्री करने का आदेश दिया है।
और जबकि आप/सीडी'ज पर संयुक्त और पृथक रूप से कुल रू. 36,46,995.65/- (रूपए छत्तीस लाख छियालीस हजार नौ सौ पिच्यानवे तथा पैसे पैंसठ मात्र) की राशि ओए दाखिल करने की तिथि अर्थात 26-08-2013 की तिथि से इसकी पूर्ण वसूली तक उस पर 12 प्रतिशत साधारण ब्याज और अनुषंगी खर्चों सहित बकाया है, जिसमें लागत और ब्याज शामिल नहीं हैं।
एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कोई स्थगन आदेश नहीं होने की स्थिति में, उक्त सम्पत्ति 18-12-2019 को अप. 3.00 बजे से अप. 4.00 बजे के बीच (समाप्ति से पूर्व अंतिम 5 मिनट में कोई बोली आने की स्थिति में स्वतः विस्तार क्लॉज सहित, यदि अपेक्षित है) मैसर्स सी 1 इंडिया प्रा. लि., उद्योग विहार, फेज-2, गल्फ पेट्रोकेम बिल्डिंग, बिल्डिंग नंबर 301, गुरूग्राम, प्रथम तल, हरियाणा-122015, हेल्पलाइन नंबर +91-124-4302020/21/22/23/24, मोबाइल : 09813887931, ई-मेल आईडी : **support@bankeauctions.co** की वेबसाइट के माध्यम से "ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक बोलीदान" द्वारा बेची जाएगी।
इच्छुक बोलीदाता आगे विवरण, सम्पत्ति के निरीक्षण के लिए सम्पर्क करें : श्री लोकेश जैमान, मोबाइल नंबर 8527795244, सीएच बैंक के अधिकारी अथवा वसूली प्रकोष्ठ, डीआरटी-।।।, दिल्ली।
उपरोक्त नामक प्रतिवादी की जिस सम्पत्ति की बिक्री की जाएगी, उसका वर्णन नीचे अनुसूची में किया गया है तथा उक्त सम्पत्ति की देयताओं तथा जब्ती दावों, जिनका अभी तक अभिनिश्चयन किया गया है, अनुसूची में प्रत्येक लॉट के सामने वर्णित अनुसार हैं।
सम्पत्ति की बिक्री तालिका में विनिर्दिष्ट लॉट्स में की जाएगी। यदि सम्पत्ति के एक भाग की बिक्री से बकाया राशि की वसूली हो जाती है तो बिक्री तत्काल रोक दी जाएगी। यह बिक्री तब भी रोक दी जाएगी, यदि किसी लॉट की बिक्री से पहले उक्त प्रमाणपत्र में वर्णित बकाया राशि, ब्याज लागतों (बिक्री की लागत सहित) बिक्री के संचालक अधिकारी को सौंप दी जाती है अथवा उसकी संतुष्टि हेतु प्रमाण प्रस्तुत किया जाता है कि उस प्रमाणपत्र की राशि, ब्याज और लागतों सहित अधोहस्ताक्षरी को अदा की जा चुकी है।
बिक्री से संबंधित कोई ड्यूटी करने वाला कोई भी अधिकारी अथवा अन्य व्यक्ति प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सम्पत्ति के लिए बोली नहीं लगाएगा, बेची गई सम्पत्ति में कोई हित अर्जित नहीं करेगा अथवा अर्जित करने का प्रयास नहीं करेगा। यह बिक्री आय कर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में निर्धारित शर्तों और उनके तहत बनाए गए नियमों तथा आगे निम्नलिखित शर्तों के तहत होगी।
संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट विवरण अधोहस्ताक्षरी की सर्वश्रेष्ठ जानकारी के अनुसार प्रस्तुत किए गए हैं, परंतु अधोहस्ताक्षरी इस उद्घोषणा में किसी त्रुटि, असत्यकथन या विलोपन के लिए जवाबदेह नहीं होंगे।
सुरक्षित मूल्य, जिससे कम पर सम्पत्ति नहीं बेची जाएंगी, निम्नानुसार हैं:

क्र. सं.	सम्पत्ति विवरण	आरक्षित मूल्य ईएमडी
(1)	सम्पत्ति मकान/फ्लैट नंबर एसएच-207, ब्लॉक-एच, सेक्टर-जीएमपी-16, शास्त्री नगर, प्रथम तल, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	सुरक्षित मूल्य : रू. 28,00,000/- (रूपए अठ्ठाईस लाख मात्र) ईएमडी : रू. 2,80,000/- (रूपए दो लाख अस्सी हजार मात्र)

2. बोली कम से कम रू. 50,000/- (रू. पचास हजार मात्र) बढ़ाई जा सकेगी। बोली अथवा बोलीदाता के संबंध में कोई विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में लॉट की नीलामी दोबारा की जाएगी।
3. किसी लॉट के उच्चतम बोलीदाता को इस शर्त के तहत क्रेता घोषित किया जाएगा। उच्चतम बोली को अस्वीकार करना अधोहस्ताक्षरी का विवेकाधिकार होगा, यदि पेश की गई ऑफर उसको स्वीकार किए जाने हेतु स्पष्ट रूप से अपर्याप्त प्रतीत होती है।
4. उपरिवर्णित ईएमडी वसूली अधिकारी-।।, ऋण वसूली न्यायाधिकरण-।।।, दिल्ली के पक्ष में डीडी/पे आर्डर के रूप में वसूली अधिकारी, डीआरटी-।।।, दिल्ली के पास सीलबंद लिफाफे में 16-12-2019 तक जमा की जाएगी। उसके बाद जमा की गई ईएमडी ई-नीलामी में भाग लेने हेतु स्वीकार्य नहीं होगी।
5. पैन कार्ड, पता प्रमाण तथा पहचान प्रमाण की प्रति, ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर तथा घोषणा यदि वे अपनी स्वयं की ओर से अथ

लोगों को सशक्त बनाना सर्वाधिक संतोषजनक प्रयासों में से एक : मोदी

● मोदी निवेश प्रबंधन संस्था ब्रिजवाटर असोसिएट्स के संस्थापक रे डालियो के ट्वीट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को, खासकर महिलाओं को सशक्त बनाए जाने को अपने कार्यकाल के सर्वाधिक संतोषजनक प्रयासों में से एक बताते हुए शुक्रवार को कहा कि सभी वर्गों, भाषाओं, आयु समूहों और व्यवसायों से मिले समर्थन ने उनकी सरकार को ऐसा जनादेश दिया जो दशकों से नहीं देखा गया था। मोदी निवेश प्रबंधन संस्था ब्रिजवाटर असोसिएट्स के संस्थापक रे डालियो के ट्वीट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। डालियो ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नेताओं में से एक बताया था। डालियो ने मोदी के साथ अपने एक लघु साक्षात्कार का वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें उन्होंने ध्यान, दुनिया और भारत के बारे में चर्चा की थी। हल्के-फुल्के अंदाज में प्रधानमंत्री ने कहा, मेरे मित्र रे डालियो, प्रशंसा भरे इन शब्दों के बाद होने वाली ट्रोलिंग आपको अपने ध्यान के कौशल को परखने और निंजा की तरह बनने का सर्वश्रेष्ठ अवसर देगी। मोदी ने कहा, इतने भारतीयों, खासकर महिलाओं को सशक्त बनाना हमारे कार्यकाल के सर्वाधिक संतोषजनक प्रयासों में से एक है। इसका श्रेय भारत के लोगों को जाता है जिन्होंने इन आंदोलनों को अपना बनाया और बदलाव लेकर आए। उन्होंने कहा कि लोगों ने जिस जनादेश से उनकी टीम को नवाजा, वैसा जनादेश तो दशकों से नहीं देखा गया था। मोदी ने कहा कि पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद कोई सरकार बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करे, ऐसा तो कई वर्षों पहले देखा गया था।

मेरे भाग्य में लोगों के जीवन से अनिश्चितताओं को दूर करना लिखा था : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार के तीन तलाक को खत्म करने, अनुच्छेद 370 के प्रावधान निरस्त करने और दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों के निवासियों को मालिकाना अधिकार देने की उपलब्धियां गिनाते हुए शुक्रवार को कहा कि लोगों के जीवन की अनिश्चितता दूर करना उनकी किस्मत में ही लिखा था। अनधिकृत कालोनियों के निवासियों और दिल्ली के भाजपा विधायकों के प्रतिनिधिमंडल से बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कालोनियों के निवासी इस डर के साए में जी रहे थे कि उनके घर अधिकारियों द्वारा तोड़े जा सकते हैं। मोदी ने कहा, अनधिकृत कालोनियों में अनिश्चितता का जीवन बड़ा कठिन था। कल्पना कीजिए कि आप ट्रेन में जा रहे हों और टीटीई आकर आपको सीट से उठा दे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अनिश्चितता को दूर करने के लिए उनकी सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में कानून लाएगी जिसके द्वारा अनधिकृत कालोनियों के निवासियों को उनकी संपत्ति का मालिकाना हक दिया जाएगा। उन्होंने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त करने और तीन तलाक समाप्त करने के केंद्र सरकार के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि उनके (मोदी) भाग्य में लिखा था कि वह लोगों के जीवन की अनिश्चितता दूर करें। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अनधिकृत कालोनियों के पंजीकरण की प्रक्रिया अगले सात-आठ दिन में शुरू होगी।

भारत एससीओ को संवाद, सहयोग के एक उत्कृष्ट मंच के तौर पर विशेष महत्व देता है: शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को बहुपक्षीय, राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक संवाद और परस्पद सहयोग के क्षेत्रों में प्रयासों में तालमेल के लिए एक उत्कृष्ट मंच के तौर पर विशेष महत्व देता है। शाह ने एससीओ के सदस्य देशों के प्रमुखों की 10वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्रीय पहुंच के लिए यह एक महत्वपूर्ण मंच है। बैठक में आपात स्थितियों की रोकथाम और उन्मूलन से सम्बद्ध मुद्दों पर चर्चा हुई। शाह ने यहां कहा, भारत इस क्षेत्र में बहुपक्षीय, राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और लोगों के बीच बातचीत और समकक्ष टीमों के किसी आपदा स्थिति से निपटने के वास्ते कार्य करने के दौरान निजी समझ विकसित करने के क्षेत्र में सभी सदस्य सदस्य देशों के प्रयासों में तालमेल के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में एससीओ को विशेष महत्व देता है। गृह मंत्री ने सूचित किया कि भारत ने पिछले दो वर्षों में 20 से अधिक मंत्रिस्तरीय बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप क्षेत्र में मानवीय सहायता एवं आपदा प्रबंधन की स्थितियों में भारत सबसे पहले प्रतिक्रिया जताने वाला रहा है। शाह ने इसके साथ ही सभी हितधारकों द्वारा जनहानि और सम्पत्ति का नुकसान कम करने के लिए आपदा निर्माण संरचना निर्माण की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गत सितम्बर में इस बारे में पहल करते हुए न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्वाई शिखर सम्मेलन में कोएलिशन फॉर डिजास्टर रिजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) शुरू किया था।

बिहार के पश्चिम चंपारण में शुक्रवार को विभिन्न विकास योजनाओं के उद्घाटन के बाद एक लाभार्थी को चेक प्रदान करते बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार

स्नेह आएसएस की विचारधारा का अभिन्न हिस्सा है: भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा स्नेह संघ की विचारधारा का अभिन्न हिस्सा है। भागवत ने संघ के दिवंगत कार्यकर्ता विलास फड़णवीस की पुस्तक के विमोचन के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा, स्नेह और विचारधारा दो भिन्न चीजें नहीं हैं,वास्तव में राष्ट्रीय स्वयं सेवक की विचारधारा स्नेह है क्योंकि पवित्र और सच्चा प्रेम आरएसएस के काम का आधार है। इससे पहले कार्यक्रम को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उनके लिए विचारधारा से ज्यादा महत्वपूर्ण स्नेह है। भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि संघ का सच्चा कार्यकर्ता वही है जो लोगों को एकसाथ लाता है।

बिहार में मांझी की महागठबंधन से अलग होने की धमकी

एजेंसी। पटना

बिहार में महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। यह शुक्रवार को तब एक बार फिर सामने आया जब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने पांच दलों वाले इस गठबंधन से बाहर जाने की ताजा धमकी दी। हालांकि अन्य गठबंधन सहयोगियों ने इसे उनका दबाव बनाने का हथकंडा करार दिया। मांझी ने बृहस्पतिवार रात यहां पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में घोषणा की थी कि पार्टी झारखंड में अकेले चुनाव में उतरेगी और अगले वर्ष जब बिहार में विधानसभा चुनाव होगा तो सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। मांझी को हालांकि इसको लेकर अभी निर्णय करना है कि झारखंड में किन सीटों पर चुनाव लड़ना है। झारखंड में विधानसभा चुनाव घोषित हो चुके हैं और मतदान इस महीने के आखिर में शुरू होगा।

मांझी की बिहार की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के खराब प्रदर्शन के बाद उनकी ओर से बार बार जारी धमकियों के अनुरूप है। मांझी की पार्टी हम ने लोकसभा चुनाव में पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था और सभी सीटें हार गई थी। स्वयं मांझी गया सीट से चुनाव हार गए थे। ऐसी अटकलें हैं कि हो सकता है कि मांझी की नजर भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में वापसी पर हो। यद्यपि शुक्रवार को जब संवाददाताओं ने मांझी से सवाल किया तो उन्होंने राजग में वापसी की किसी योजना से इनकार किया।

राजग सूत्रों ने कहा कि मांझी की वापसी का बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू प्रमुख नीतीश कुमार की ओर से कड़ा विरोध किए जाने की संभावना है। मांझी ने अपनी पार्टी हम बनाने से पहले कुमार से ही बगावत की थी। इसके अलावा रामविलास पासवान की लोजपा भी किसी अन्य दलित नेता के साथ अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी नहीं बांटना चाहेगी। इस बीच राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवंश प्रसाद सिंह ने कहा कि मांझी ऐसी बयानबाजी अपने कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हो सकता है कि उनकी कुछ मांगें हों जो पूरी नहीं हुई हों। किसी भी गठबंधन में सभी दलों के साथ ऐसा होता है। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के जोर पकड़ने के बाद उन्हें पता चलेगा कि महागठबंधन के अलावा उनके लिए कोई और ठिकाना नहीं है। ऐसे ही विचार कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य अखिलेश प्रसाद सिंह की ओर से भी व्यक्त किए गए। उन्होंने उम्मीद जताई कि बिहार में चुनावी बिगुल फूंके जाने के बाद मांझी महागठबंधन के साथ मजबूती से खड़े होंगे।

रालोसपा प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की ओर से शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया जिसे महागठबंधन के नेताओं ने संयुक्त रूप से संबोधित किया। मांझी ने यह सुनिश्चित किया कि उनकी पार्टी का कोई भी नेता इसमें शामिल नहीं हो। यद्यपि रालोसपा के राष्ट्रीय महासचिव माधव आनंद ने पीटीआई भाषा से कहा, हम मांझी की नाराजगी नहीं समझ पा रहे हैं जो कि एक वरिष्ठ और सम्मानित नेता हैं। आनंद ने कहा, ऐसा लगता है कि वे महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और प्रत्एक घटक दल के लिए सीटों की हिस्सेदारी को लेकर आतुर हैं। हम उनसे केवल यह आग्रह कर सकते हैं कि वह जल्दबाजी में महागठबंधन को और नुकसान नहीं पहुंचाएं। आनंद का इशारा मांझी द्वारा नाथनगर विधानसभा सीट से उम्मीदवार उतारने की ओर था जिस पर पिछले महीने उपचुनाव हुआ था।

क्विक न्यूज

छात्रों की आत्महत्या के मामलों के बाद 1,100 परामर्शदाताओं की भर्ती

नई दिल्ली। जवाहर नवोदय विद्यालयो मे छात्रो की आत्महत्या की घटनाओ के बाद देशभर मे इन आवासीय विद्यालयो मे 1,100 से अधिक परामर्शदाताओ की भर्ती की गई है। अधिकारियो ने शुक्रवार को बताया कि नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) ने देशभर मे जवाहर नवोदय विद्यालयो (जेएनवी) के लिए 1,176 परामर्शदाताओ की भर्ती की है। जेएनवी मे 2013-17 मे कुल 49 छात्रो ने आत्महत्या कर ली थी। एचआरडी मंत्रालय ने इस साल की शुरुआत मे छात्रो द्वारा आत्महत्या की घटनाओ की जांच करने के लिए एक समिति गठित की थी। समिति की सिफारिशो पर इन स्कूलो के कामकाज की निगरानी करने वाली एनवीएस ने परामर्शदाताओ के लिए अनुबंध पर नियुक्तियो का विज्ञापन दिया था। एनवीएस के एक अधिकारी ने बताया, कुल 1,176 परामर्शदाताओ की भर्ती की गई है। 250 से अधिक छात्रो वाले स्कूलो मे दो परामर्शदाता होंगे जबकि अन्य मे एक परामर्शदाता होगा। उन्होने बताया कि परामर्शदाताओ की दस महीने के अनुबंध पर भर्ती की गई है जिसे बाद मे पांच वर्षो तक बढ़ाया जा सकता है।

जमानत याचिका पर सुनवाई में विलंब का मामला न्यायमूर्ति बोबडे की पीठ को सौंपा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक कानूनी सवाल और इसका संभावित समाधान खोजने के लिए एक याचिका शुक्रवार को मनोनीत प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ को सौप दी। कानूनी सवाल यह है कि यदि उच्च न्यायालय दोषी व्यक्ति की अपील पर तेजी से निर्णय नही कर पाता है तो क्या ऐसा व्यक्ति जमानत का हकदार है। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की पीठ ने कहा कि याचिका मे उठाए गए मुद्दे बहुत ही महत्वपूर्ण है और यह याचिका मनोनीत प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ को सौपी जा रही है। शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर चार नवंबर को नोटिस जारी किया था और सालिसीटर जनरल तुषार मेहता से कहा था कि इस समस्या का संभावित समाधान खोजन मे मदद करे जो अक्सर उच्च न्यायालयो सहित अपीली अदालतो मे गंभीर अपराधो के दोषी व्यक्तियो की अपील पर निर्णय करने मे विलंब के कारण उत्पन्न होती है। शीर्ष अदालत हत्या के दोषी खुर्शीद अहमद की अपील पर सुनवाई कर रही थी। खुर्शीद अहमद का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत कर रहे थे। अहमद को निचली अदालत ने हत्या के जुर्म मे दोषी ठहराया था और वह करीब तीन साल से जेल मे बंद है। अहमद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमे उसे जमानत देने से इंकार कर दिया गया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि उसे जमानत नही दी जा सकती क्योकि दोषसिद्धी के खिलाफ उसकी अपील अभी भी लंबित है।

लश्कर का सहयोगी संगठन फलाह-ए-इंसानियत साइबर जगत में अब भी है सक्रिय : रेड्डी

एजेंसी। नई दिल्ली

पाकिस्तानी आतंकवादी गुट लश्कर-ए-तैयबा का सहयोगी संगठन फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकी घोषित किए जाने के बावजूद साइबर क्षेत्र में सक्रिय बना हुआ है। यह बात केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को कही।

उन्होंने कहा कि कुछ देशों में आतंकी संगठन कट्टरपंथ को बढ़ावा देने तथा अपने हितों को साधने के लिहाज से धन के लेन-देन के लिए गैर लाभ वाले संगठनों (एनपीओ) का भी इस्तेमाल करते हैं। उनका इशारा जाहिर तौर पर पाकिस्तान से चल रहे आतंकी समूहों की तरफ था। रेड्डी मेलबर्न में आतंकवाद के लिए धन नहीं सम्मेलन के दूसरे दिन संबोधित कर रहे थे। उभरती प्रौद्योगिकी और आतंकवाद वित्तपोषण के जोखिम विषय पर गोलमेज चर्चा में मंत्री ने फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन की साइबर गतिविधियों का जिक्र किया और कहा कि आतंकी घोषित किए जाने के बावजूद यह संगठन साइबर जगत में सक्रिय है।

फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन का संस्थापक हाफिज सईद लश्कर-ए-तैयबा का भी प्रमुख है। रेड्डी ने आतंकवाद के वित्तपोषण में क्रिप्टो करेंसी के इस्तेमाल का भी उल्लेख किया। चरमपंथ और आतंक के वित्तपोषण में एनपीओ के इस्तेमाल पर भारत का तीसरा हस्तक्षेप प्रस्तुत करते हुए रेड्डी ने कहा कि भारत के अनुभव से इस तथ्य की पुष्टि होती है कि कुछ देशों में आतंकी संगठन कट्टरता को बढ़ावा देने के लिए एनपीओ का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, दान और चंदों की आड़ में कुछ एनपीओ का दुरुपयोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन उगाही और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन के प्रवाह में किया जा रहा है।

कट्टरपंथ से मुकाबले की जरूरत पर जोर देते हुए रेड्डी ने मुंबई के तथाकथित परमार्थ संगठन इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (आईआरएफ) के खिलाफ कड़ी कार्वाई का जिक्र किया जिसकी स्थापना आतंकवाद के आरोपी जाकिर नाइक ने की थी। आईआरएफ को सरकार ने प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। रेड्डी ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि भारत सरकार वित्तीय कार्य बल के मानकों को लागू करने तथा प्रभावी धनशोधन रोधी एवं आतंक वित्तपोषण रोधी व्यवस्था स्थापित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है ताकि आतंकवाद को आर्थिक मदद देने वाले ढांचों को तबाह किया जा सके। मंत्री पांच सदस्ईय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक वाई सी मोदी भी शामिल हैं।

बंगाल कभी दूसरों के सामने सिर नहीं झुकाएगा : ममता बनर्जी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाली फिल्मकारों की दशकों से विविधता में एकता के संदेश के प्रसार को लेकर प्रशंसा की और कहा कि राज्य कभी दूसरों समक्ष अपना सिर नहीं झुकाएगा।

उन्होंने यहां 25वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्मोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा कि बंगाल ने देश को कई पुरस्कार विजेता फिल्मकार और नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं। बनर्जी का बयान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस कथन का परोक्ष रूप से जवाब है कि बंगाल वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक विकास में पीछे चल रहा है। बनर्जी ने शाह या भाजपा का नाम लिए बगैर कहा, बंगाल देश को पुरस्कार विजेता फिल्मकार देने के मामले में नंबर एक है। राज्य ने देश को कई नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं। हम देश में वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक विकास में नंबर वन हैं। अक्टूबर में पश्चिम बंगाल के अपने दौरे के दौरान भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने बंगाल को बर्बाद करने को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी और कहा था कि जो राज्य कभी धार्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक विकास के लिए जाना जाता था , उसे अब बम बनाने की फैक्ट्री के रूप में जाना जाता है।

बनर्जी ने कहा, हम दूसरों के प्रति ईर्ष्यालु नहीं हैं। न ही हमारा किसी प्रतिस्पर्धा के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण है। हमारा सभी के प्रति सकारात्मक नजरिया है। तृणमूल सुप्रीमो ने कहा, जबतक हम हैं, हम संघर्ष करेंगे और कभी किसी के सामने अपना सिर नहीं झुकाएंगे। इस आठ दिवसीय फिल्मोत्सव के दौरान 76 देशों की 214 फीचर फिल्में और 153 लघु वृतचित्र दिखाए जाएंगे।

झामुमो सुप्रीमो हेमंत सोरेन (बांए) कांग्रेस नेता आरपीएन सिंह (मध्य में) कांग्रेस झारखंड के अध्यक्ष रामेश्वर उरांव (दाएं से दूसरे) अन्य राजद नेताओं के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए

उत्तराखंड में भाजपा ने 12 में से नौ जिला पंचायत अध्यक्ष पद जीते

एजेंसी। देहरादून

भाजपा ने उत्तराखंड में 12 जिला पंचायत अध्यक्ष पदों में से बृहस्पतिवार को नौ पदों पर जीत हासिल की। बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, पिथौरागढ, उधमसिंह नगर,रूद्रप्रयाग, देहरादून, टिहरी और पौडी में भाजपा समर्थित उम्मीदवारों ने जिला पंचायत अध्यक्ष पदों पर जीत हासिल की है। राज्य चुनाव आयोग ने यहां बताया कि इन नौ में से चार का चुनाव निर्विरोध हुआ। ए सभी महिलाएं हैं। अल्मोडा, उत्तरकाशी और चमोली जिला पंचायत अध्यक्ष पद मुख्य विपक्षी कांग्रेस के खाते में गए हैं।

कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन समारोह के लिए न्यौता नहीं : राज्यपाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि कोलकाता में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया है। अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन शुक्रवार की शाम को होना है और इसमें सिने जगत से जुड़ी प्रख्यात हस्तियां हिस्सा लेंगी। दुर्गा पूजा कार्यक्रम में हुए अपमान का हवाला देते हुए राज्यपाल ने कहा, मुझे कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में आमंत्रित नहीं किए जाने की चिंता नहीं है, लेकिन (राज्य सरकार के) रवैए से है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ विभिन्न मुद्दों पर जारी टकराव के बीच राज्यपाल ने कहा, आप सब लोगों ने देखा (दुर्गा पूजा)कार्निवाल में क्या हुआ था - यह अकल्पनीय है - किसी ने कहा कि मैं प्रचार के लिए ऐसा कर रहा हूं। मैं सभी बातों का जवाब देना जरूरी नहीं समझता हूं। उन्होंने कहा, इस समारोह में शामिल होने की मेरी कोई इच्छा नहीं है। लेकिन यह देखने की तीव्र इच्छा है कि पश्चिम बंगाल के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं हो। धनखड़ ने उस समय कहा था कि दुर्गा पूजा कार्निवाल में उन्होंने अपमानित महसूस किया था। राज्यपाल ने दावा किया था कि उन्हें कार्यक्रम में पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया। सूत्रों ने इस बारे में बताया था कि राज्यपाल कार्निवाल में बैठने की व्यवस्था से नाराज थे जिसका इंतजाम राज्य सरकार की ओर से किया गया था। राज्यपाल को मंच पर किनारे पर बैठने के लिए जगह दी गई थी और वह उचित तरीके से कार्यक्रम नहीं देख सके थे। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने उस समय राज्यपाल की अलोचना करते हुए कहा था कि वह प्रचार के लिए ऐसा कर रहे हैं और ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जो एक राज्यपाल को शोभा नहीं देता।

पंजाब में पराली जलाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला लागू होगा: अमरिंदर

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को राज्य के कृषि विभाग को खेतों में फसल के अवशेष नहीं जलाने वाले छोटे और सीमांत किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उच्चतम न्यायालय के आदेश को तत्काल प्रभाव से लागू करने के तौर-तरीकों पर काम करने का निर्देश दिया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने खेतों में ठूंठ जलाने पर लगाए गए प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय के आदेशों के निहितार्थ पर चर्चा के लिए कैप्टन ने एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा जो जीएसटी के कारण पहले से ही आर्थिक समस्या का सामना कर रहा है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार को राज्य की मदद करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि आर्थिक समस्या के बावजूद जिन किसानों ने अपनी खेतों में फसल अवशेष नहीं जलाए हैं उन्हें वित्तीय सहायता दिए जाने तथा उत्साहित करने की जरूरत है।

सेबी प्रमुख ने निलेकणि पर कसा तंज

एजेंसी। मुंबई

● कहा इंफोसिस मामले की जांच जारी

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के प्रमुख ने शुक्रवार को कहा कि इंफोसिस मामले की जांच चल रही है। उन्होंने कंपनी के चेयरमैन नंदन निलेकणि द्वारा कंपनी के आंकड़ों को लेकर की गई टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर एक तरह से तंज कसते हुए कहा कि यह भगवान से या उनसे (निलेकणिं से) पूछा जाना चाहिए।

निलेकणि ने इंफोसिस को लेकर चल रहे विवादों पर बुधवार को कहा था कि कंपनी नैतिकता के श्रेष्ठ मानकों के आधार पर परिचालन करती है और उसके कामकाज के तौर तरीके इतने मजबूत हैं कि भगवान भी कंपनी के प्रदर्शन आंकड़ों को नहीं बदल सकते हैं। इंफोसिस के ऊपर एक व्हिसलब्लोअर निवेशक ने कंपनी के कामकाज और लेखा रखे जाने के मामले में खामियां बरते जाने का आरोप लगाया है। इसकी वजह से कंपनी विवादों में घिर गई। त्यागी ने सीआईआई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर कहा कि सेबी इस मामले की जांच कर रहा है और वह अभी आरोप के बारे में कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, निवेशकों को खुद ही अपने निष्कर्ष निकालने चाहिए। हमें जो कुछ करना है, हम कर रहे हैं। जो भी नतीजा निकलेगा, आप उससे अवगत हो जाएंगे।

यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिकी नियामक एसईसी के साथ किसी तरह की सूचनाएं साझा की गई हैं, त्यागी ने इसे दो नियामकों के बीच का गोपनीय मामला बताते हुए टिप्पणी करने से मना कर दिया। उन्होंने बाजार में इश्यू का प्रवाह बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया तथा कहा कि सार्वजनिक निकायों द्वारा न्यूनतम शेयर हिस्सेदारी के प्रावधान के अनुपालन की दिशा में आगे बढ़ने से इस मामले में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के 91 सूचीबद्ध निकायों में से 45 निकाय बाजार में 25 प्रतिशत सार्वजनिक हिस्सेदारी के नियम पर खरा नहीं उतरते हैं।

नोटबंदी व्यर्थ कदम था : ममता

एजेंसी। कोलकाता

● कहा- जानती थी कि इससे लोगों का जीवन बर्बाद होगा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को कहा कि 2016 में आज के दिन सरकार द्वारा उठाया गया नोटबंदी का कदम पूरी तरह से निरर्थक था और इससे देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा। नोटबंदी के तीन साल पूरे होने पर ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें शुरू से ही पता था कि इस फैसले से लाखों लोगों का जीवन बर्बाद हो जाएगा।

ममता ने ट्वीट किया, आज इनोटबंदी आपदा को तीन साल पूरे हो गए। घोषणा के कुछ ही मिनटों बाद मैंने कहा था कि यह अर्थव्यवस्था और लाखों लोगों की जिंदगियों को बर्बाद कर देगा। मेरी उस बात से प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, आम लोग और सभी विशेषज्ञ अब सहमत हैं। आरबीआई के आंकड़ों से भी पता चलता है कि यह एक निरर्थक फैसला था। उन्होंने आगे कहा उस दिन जो आर्थिक आपदा शुरु हुई थी, देखिए, वह अब कहां पहुंच चुकी है। बैंकों पर दबाव बढ़ गया है,अर्थव्यवस्था पूरी तरह मंदी में है। किसान, युवा,मजदूर, व्यापारियों से लेकर गृहिणियां - हर कोई प्रभावित है।

गौरतलब है कि बनर्जी ने इस वर्ष की शुरुआत में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान नोटबंदी की जांच कराने का वादा किया था। नोटबंदी की पहली सालगिरह पर, उन्होंने विरोध में अपनी ट्विटर डिस्प्ले तस्वीर काली कर दी थी। कई मौकों पर, तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने आरोप लगाया है कि नरेंद्र मोदी सरकार का यह कदम एक बड़ा घोटाला था, जिसका लाभ केवल मुट्ठी भर लोगों को मिला।

नोटबंदी को लेकर कांग्रेस का सरकार पर हमला

तीन साल पूरे

- राहुल ने इसे आतंकी हमला करार दिया
- नोटबंदी एक आपदा साबित हुई है जिसने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया: प्रियंका वाड्रा

एजेंसी। नई दिल्ली

नोटबंदी के तीन साल पूरे होने पर कांग्रेस ने शुक्रवार को मोदी सरकार पर कई ओर से निशाना साधा और पार्टी नेता राहुल गांधी ने 2016 में उठाए गए सरकार के इस कदम को आतंकी हमला करार दिया। विपक्षी पार्टी ने 500 और 1000 रुपए के, उस समय प्रचलित नोटों को बंद करने के सरकार के फैसले की तुलना 1330 में मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा मुद्रा को प्रचलन से बाहर करने के फैसले से की। कांग्रेस ने इस मौके पर सत्ता में बैठे लोगों की चुप्पी पर भी सवाल उठाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ नवंबर 2016 को राष्ट्र को संबोधित करते हुए 500 और 1,000 रुपए के नोटों के प्रचलन से बाहर किए जाने की घोषणा की थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, नोटबंदी आतंकी हमले को तीन साल गुजर गए हैं जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया, कई लोगों की जान ले ली, लाखों छोटे कारोबार खत्म कर दिए और लाखों भारतीयों को बेरोजगार कर दिया। उन्होंने हैशटैग डीमोनेटाइजेशन डिजास्टर का उपयोग करते हुए कहा कि इस खतरनाक हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को अब तक सजा नहीं मिली है।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नोटबंदी एक आपदा साबित हुई है जिसने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, नोटबंदी को तीन साल हो गए। सरकार और इसके नीम-हक़ीमों द्वारा किए गए, नोटबंदी सारी बीमारियों का शर्तिया इलाज के सारे दावे एक-एक करके धराशाई हो गए। नोटबंदी एक आपदा साबित हुई जिसने हमारी अर्थव्यवस्था बर्बाद कर दी। कांग्रेस महासचिव ने हैशटैग डीमोनेटाइजेशन डिज़ास्टर का उपयोग करते हुए सवाल पूछा है इस तुग़लकी कदम की जिम्मेदारी अब कौन लेगा? कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भी नोटबंदी को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा और उन्हें आज का तुगलक कहा। उन्होंने ट्वीट किया, सुल्तान मोहम्मद बिन तुगलक ने 1330 में देश की मुद्रा को अमान्य करार दिया था। आज के तुगलक ने भी आठ नवंबर, 2016 को यही किया था।

नोटबंदी के तुगलकी फरमान को कभी माफ नहीं करेंगे: सोनिया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी सरकार के तीन साल पहले आज ही के दिन लिए गए नोटबंदी के फैसले को तुगलकी फरमान बताया और कहा कि इससे कई लोगों की आजीविका छिन गई। उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि देश मोदी सरकार के इस फैसले को न तो कभी भूले और न ही इसके लिए उसे कभी माफ करे। गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों ने इस गलत फैसले की कभी जिम्मेदारी नहीं ली जिसने 120 से अधिक लोगों की जान ले ली और यह भारत के मध्यम और छोटे व्यापार को तबाह करने वाला साबित हुआ। गांधी ने एक बयान में कहा, मोदी सरकार इस उत्पटांग और बिना सोचे समझे उठाए गए कदम की जिम्मेदारी से बचने का चाहे जितना भी प्रयास कर ले, देश की जनता यह सुनिश्चित करेंगी कि इसके लिए उसे जवाबदेह ठहराया जाए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों ने 2017 के बाद नोटबंदी के बारे में बोलना बंद कर दिया है और वह उम्मीद कर रहे हैं कि देश इसे भूल जाएगा। यह उनके लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि न तो देश और न ही इतिहास इसे भूले या माफ करे। ऐसा इसलिए क्योंकि भाजपा के उलट हम राष्ट्र हित में कार्य करते हैं।

गंटूर में केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी गुलदस्ता भेंट करते हुए

विधायक पर पेट्रोल डालकर जलाने का प्रयास

देहरादून। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग से कांग्रेस विधायक मनोज रावत को शुक्रवार को कथित असामाजिक तत्वों ने उनके विधानसभा क्षेत्र में पेट्रोल डालकर जलाने का प्रयास किया। पुलिस महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था, अशोक कुमार ने बताया कि रूद्रप्रयाग के पास अगस्तमुनि क्षेत्र में हुई इस घटना में रावत हालांकि, बालबाल बच गए और उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। एक व्यक्ति को विधायक रावत के गनर ने उनपर पेट्रोल डालने के दौरान ही पकड़ लिया था। दूसरे को बाद में गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रथमद्रष्टया यह मामला आपसी रंजिश का लग रहा है क्योंकि विधायक का गुरुवार को कुछ लोगों के साथ झगड़ा हुआ था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने घटना की घोर निंदा करते हुए कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। बदमाशों के हौसले बुलंद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच में यह पता चलना चाहिए कि इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार है। प्रदेश अध्यक्ष ने रावत के लिए सुरक्षा की भी मांग की है।

लालू यादव की जमानत पर अगली सुनवाई 22 को

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय में चारा घोटाले से जुड़े दुमका कोषागार गबन मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के मुखिया लालू प्रसाद यादव की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। लेकिन सीबीआई ने इसपर जवाब देने के लिए अदालत से वक्त मांगा, जिसके बाद सुनवाई 22 नवंबर के लिए स्थगित कर दी गई है।

झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह ने मामले में आज लालू के वकीलों की दलील सुनी जिसमें मुख्य रूप से उन्होंने लालू की उम्र एवं उनके स्वास्थ्य का हवाला देते हुए अपने मुव्विकल को जमानत देने का अनुरोध किया है। अदालत में अपना पक्ष रखने के लिए सीबीआई ने समय की मांग की जिसपर पीठ ने मामले पर सुनवाई 22 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

पच्चीस अक्तूबर को न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ से यादव ने मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था। इसी आधार पर आठ नवंबर (आज) की तिथि निर्धारित हुई थी। दुमका कोषागार मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने यादव को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) एक्ट के तहत सात- सात वर्ष की कैद की सजा सुनाई है। चारा घोटाले के चार विभिन्न मामलों में वह सजायाफ्ता हैं और फिलहाल बिरसा मुंडा कारागार के माध्यम से रिम्स अस्पताल में भर्ती हैं।

यादव ने जमानत के लिए अपनी बीमारी का हवाला दिया है। अर्जी में कहा है कि वह रिम्स में भर्ती हैं और कई बीमारियों से ग्रसित हैं। लालू के वकील ने अदालत को बताया कि वह शुगर, हृदय रोग और किडनी के मरीज हैं। उनका स्वास्थ्य लगातार गिर रहा है। बढ़ती उम्र और खराब स्वास्थ्य को देखते हुए उन्हें जमानत दी जाए। इससे पहले यादव को अदालत जुलाई में देवघर कोषागार से करोड़ों रुपए के गबन के मामले में जमानत दे चुका है। उच्चतम न्यायालय ने आधी सजा काटने पर जमानत देने का प्रावधान किया है। इसी आलोक में उच्च न्यायालय ने उन्हें अब तक अन्य मामलों में जमानत प्रदान की है।

जड़ी-बूटियो मे गुर्दे की बीमारियो से निपटने के गुण होते है : विशेषज्ञ

नई दिल्ली। आयुर्वेद में इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं कि कुछ जड़ी-बूटियों में लंबे समय से चली आ रही गुर्दे (किडनी) की बीमारियों को बढ़ने से रोकने के जरूरी औषधीय गुण होते हैं। विशेषज्ञों ने कोलकाता में चल रहे विज्ञान कार्यक्रम में कहा। भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में औषधियों की पारंपरिक पद्धतियों जैसे यूनानी, आयुर्वेद, योग और पंचकर्म से जुड़े विशेषज्ञों ने इस बात पर चर्चा की कि जड़ी-बूटियां कैसे किडनी की बीमारी रोकने और उसके इलाज में प्रभावी हो सकती हैं। उन्होंने दावा किया कि एलोपैथी में गुर्दे के इलाज के लिए सीमित विकल्प उपलब्ध होने की वजह से, ए दवाएं बीमारी को फैलने की गति को धीमा करेंगी और सावधानीपूर्वक लिए गए आहार एवं कसरत के साथ इसके लक्षणों से राहत भी दिलाएंगी। एआईएमआईएल फार्मा के कार्यकारी निदेशक संचित शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद में इस बात के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं कि कुछ भारतीय जड़ी-बूटियों में किडनी की स्थाई बीमारियों को फैलने से रोकने के औषधीय गुण होते हैं। सत्र में बतौर वक्ता शामिल शर्मा ने वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित सिरप (नीरी केएफटी) के बारे में विस्तार से बताया जो पुनर्नवा जैसे औषधीय पौधों से बना है। इस पौधे के विभिन्न लाभ सर्वज्ञात हैं जिनमें पेशाब की बारंबारता को बढ़ाना, सूजन को रोकना, एंटी ऑक्सिडेंट और दिल पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाले प्रभाव शामिल हैं।

भाजपा-शिवसेना में फूट का कारण व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं : पायलट

एजेंसी। जयपुर

महाराष्ट्र में नई सरकार के गठन को लेकर जारी गतिरोध पर राजस्थान में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा - शिवसेना में फूट का कारण व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा है और चुनाव में बहुमत पाने वाले ए दल जनादेश का मजाक उड़ा रहे हैं। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में संवाददाताओं से पायलट ने कहा, चुनाव के बाद किसी राज्य में अगर दो दिन सरकार नहीं बनती है तो भाजपा बड़ा व्यंग्य कसती है। (महाराष्ट्र में) चुनाव परिणाम आए दो हफ्ते होने को हैं, चुनाव पूर्व गठबंधन को बहुमत मिलने के बाद सरकार नहीं बन पा रही। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के कारण उस गठबंधन में फूट पड़ी है। उसके लिए न तो कांग्रेस जिम्मेदार है न एनसीपी जिम्मेदार है। वे खुद, उनकी नीति, उनकी सोच, उनकी राजनीति फूट के लिए जिम्मेदार है।

उपमुख्यमंत्री पायलट ने कहा, भविष्य में क्या होगा, मैं नहीं जानता। लेकिन जनता सब देख रही है और समझ रही है कि जिन लोगों के लिए वोट दिया, जिन लोगों पर विश्वास किया, वे उस जनादेश का मजाक उड़ा रहे हैं। उन्होंने भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर खटपट की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा, और ए पहली बार नहीं हो रहा। भाजपा तथा उसके सहयोगी दल हमेशा खटपट की राजनीति करते रहे हैं चाहे वह अकाली दल हो चाहे वह जेडीयू हो चाहे आज वह शिवसेना हो। यह नई बात नहीं है। लेकिन आम जनता में भाजपा की साख और छवि लगातार गिरती जा रही है। यह बात आज दिख रही है।

शिवसेना के विधायकों के कथित तौर पर होटल में बंद होने संबंधी खबरों पर चुटकी लेते हुए पायलट ने कहा, जो उनके सहयोगी दल हैं वे अपने ही सहयोगी दल से डरकर भाग रहे हैं। पायलट ने कहा जनादेश मिलने के बावजूद वे सरकार नहीं बना पा रहे हैं। यह लोकतंत्र के साथ बहुत बड़ा मजाक है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने केंद्र की आर्थिक कुनीतियों के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इसके लिए राजस्थान प्रदेश के पर्यवेक्षक सज्जन वर्मा ने शुक्रवार को यहां कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में बैठक की। पायलट ने कहा, आज से लेकर 15 नवंबर तक कांग्रेस सड़क पर आकर केंद्र की आर्थिक कुनीतियों के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। आर्थिक मंदी के कारण पूरे देश में जो हालात पैदा हुए हैं उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, और यह बात हम जनता तक पहुंचाना चाहते हैं।

जम्मू-कश्मीर राजमार्ग पर भारी बर्फबारी के बाद फंसे हुए वाहन

जम्मू कश्मीर राजमार्ग लगातार दूसरे दिन बंद रहा, 4000 वाहन फंसे

जम्मू। भारी बर्फबारी और भूस्खलन के चलते जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग लगातार दूसरे दिन भी बंद रहा। जिसके कारण यहां 4,000 से अधिक वाहन फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि ऊंचाई पर स्थित क्षेत्रों में बर्फबारी के चलते जम्मू क्षेत्र के पुंछ और राजौरी जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से जोड़ने वाले मुगल रोड पर शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी यातायात बंद रखा गया। एक अधिकारी ने कहा, विभिन्न स्थानों पर बर्फ जमा होने और समरोली में भारी बारिश से हुए भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग आज लगातार दूसरे दिन बंद है। परिणामस्वरूप मार्ग में 4,000 से अधिक वाहन विभिन्न स्थानों पर फंसे हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार यहां फंसे वाहनों में से ज्यादातर ट्रक हैं और ए राजमार्ग पर नगरोटा, उधमपुर, रामबन, बनिहाल, सिधरा, सांबा और कठुआ क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि सड़क पर बर्फबारी और फिसलन के कारण जम्मू या श्रीनगर की ओर से किसी भी वाहन को आनेजाने की अनुमति नहीं है। वाहनों को जम्मू के बाहरी इलाके में नगरोटा ट्रैफिक चेकपोस्ट पर रोक दिया गया है। उधमपुर में भी वाहन रोके गए हैं। पीर की गली और शोपियां इलाकों में भारी बर्फबारी के कारण मुगल रोड शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन यातायात के लिए बंद रही।

सीएपीएफ जवानों संबंधी शाह के आदेश को लागू करने के लिए समिति का गठन

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस निर्देश के क्रियान्वयन के लिए केंद्र की ओर से एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति गठित की गई है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के करीब सात लाख जवानों को वर्ष में कम से कम 100 दिन अपने परिवार के साथ बिताने को मिलने चाहिए। सात सदस्ईय समिति का नेतृत्व सीआरपीएफ के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) अतुल करवाल करेंगे। समिति को बृहस्पतिवार को अधिसूचित कर दिया गया और उससे अपनी सिफारिशें चार सप्ताह के भीतर देने को कहा गया है।

समिति में सभी सीएपीएफ से एक एक अधिकारी हैं। पिछले महीने शाह ने सीएपीएफ को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि करीब सात लाख जवानों को वर्ष में कम से कम 100 दिन अपने परिवार के साथ बिताने को मिलें। गृह मंत्री को गत सितम्बर में सीएपीएफ के कामकाज के बारे में एक प्रस्तुति मंत्रालय में दी गई थी। उसके बाद उन्होंने निर्देश दिया था कि इन बलों के जवानों की तैनाती की जानकारी डिजिटलीकृत की जाए।

समिति को दो बिंदु का विचारार्थ विषय दिया गया है:

1.यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्एक जवान वर्ष में कम से कम 100 दिन अपने परिवार के साथ बिता सके, उनकी तैनाती के डिजिटलीकरण के लिए एक साफ्टवेयर डिजाइन किया सकता है। 2. उपरोक्त (बिंदु संख्या 1) उद्देश्य को प्रभावी बनाने के लिए सेवा शर्तों या बल की मानक संचालन प्रक्रियाओं में कोई बदलाव, यदि हो तो। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, समिति जवानों के साथ ही बटालियनों और कंपनियों की तैनाती के सभी पहलुओं पर गौर करेगी। सीएपीएफ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और असम राइफल आते हैं। योजना जब लागू हो जाएगी तब उम्मीद है कि जवानों को उनके गृहनगर या उनके परिवार के पास की यूनिट में तैनात किया जाएगा और जब कोई परिचालन अनिवार्यता नहीं होगी तब वे अपने परिवार के पास जाकर समय बिता सकेंगे। इसे हासिल करने के लिए बलों के प्रमुखों से कहा गया है कि वे अपने अतिरिक्त मानवबल की एक रिपोर्ट तैयार करें जिससे सीएपीएफ की समग्र तैनाती प्रभावित नहीं हो।

कर्नाटक उपचुनाव टालने के लिए अयोग्य विधायकों की नई अर्जी पर 13 को सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह कर्नाटक में 15 सीटों पर पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनाव स्थगित करने का, निर्वायन आयोग को निर्देश देने के राज्य के अयोग्य विधायकों के आवेदन पर 13 नवंबर को सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति एन वी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ पहले ही कांग्रेस-जद(एस) के 17 विधायकों को अयोग्य घोषित करने के विधानसभा अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर 25 अक्टूबर को सुनवाई पूरी कर चुकी है और इसमें उसके फैसले का इंतजार है।

अयोग्य विधायकों का कहना है कि चूंकि उनकी याचिकाओं पर न्यायालय के फैसले का इंतजार है, इसलिए आयोग को इस मामले में शीर्ष अदालत का फैसला आने तक उपचुनाव टालने का निर्देश दिया जाना चाहिए। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा इस आवेदन पर शीघ्र सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख किए जाने पर रजिस्ट्री को निर्देश दिया जाता है कि आवेदन को, इसकी खामियों को दूर किए जाने पर, 13 नवंबर, बुधवार को सूचीबद्ध किया जाए।

न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता को निर्देश दिया कि इस आवेदन की प्रति प्रतिवादियों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ताओं को तत्काल दी जाए। अयोग्य घोषित विधायकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने इस मामले का उल्लेख किया था और कहा कि विधानसभा की सीटों के लिए पांच दिसंबर को उपचुनाव होने हैं और उम्मीदवारों को 11 से 18 नवंबर के दौरान नामांकन पत्र दाखिल करने हैं। अयोग्य घोषित किए गए विधायक इसमें नामांकन पत्र दाखिल नहीं कर सकेंगे और वैसे भी इस मामले में अभी तक शीर्ष अदालत ने फैसला नहीं दिया है।

पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच तटों से टकराएगा चक्रवात बुलबुल

कोलकाता। चक्रवात बुलबुल के रविवार तड़के पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के बीच तटों से टकराने का अनुमान है, जिसके चलते तटीय इलाकों में भारी बारिश और 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के क्षेत्रीय निदेशक जी के दास ने कहा कि तूफान से राज्य के कच्चे घरों, बिजली तथा संचार सेवाओं और सड़कों को नुकसान हो सकता है। उन्होंने संवेदनशील इलाकों में लोगों को घरों में रहने की सलाह देते हुए आगाह किया इससे पेड़ उखड़ने, फसलें बर्बाद होने और तटबंधों के नष्ट होने की आशंका है। दास के अनुसार कोलकाता में नौ और दस नवंबर के बीच भारी बारिश और 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का भी अनुमान है।

अधिकारी ने कहा कि शुक्रवार को कोलकाता से 600 किलोमीटर दूर बना गंभीर चक्रवाती तूफान बुलबुल शनिवार को और तेज होते हुए उत्तर की ओर बढ़ेगा। दास ने कहाकि इसके बाद इसके उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ते हुए 10 नवंबर को तड़के पश्चिम बंगाल के सागर द्वीपसमूह और बांग्लादेश के खेपूपारा के बीच तटों से टकराने की संभावना है।

चक्रवात के कारण ओडिशा में बारिश

भुवनेश्वर। बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात बुलबुल और ताकतवर होकर एक भयंकर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया है, जिससे ओडिशा के तटवर्ती इलाकों और उसके आस-पास के कई हिस्सों में बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। भुवनेश्वर मौसम केंद्र के निदेशक एच आर बिश्वास ने शुक्रवार को बताया कि पारादीप से करीब 310 किलोमीटर दक्षिण - दक्षिणपूर्व में बंगाल की खाड़ी के ऊपर इस चक्रवात के ओडिशा को घेरते हुए पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश की तरफ बढ़ने की संभावना है। राज्य सरकार ने एहतियाती कदम उठाते हुए किसी भी आकस्मिक घटना से निपटने के लिए प्रशासन को पूरी तरह तैयार रहने के लिए कहा है। बिश्वास ने बताया कि अभी 13 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रहे चक्रवात बुलबुल के शनिवार तक और तेज होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि इससे ओडिशा में भूस्खलन होने की संभावना नहीं है, लेकिन राज्य के तटीय एवं उत्तरी जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तट से गुजरने के दौरान तूफान की गति 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है जो 135 किलोमीटर तक बढ़ सकती है।

पुरी में चक्रवाती तूफान बुलबुल के आने की आहट से नाव को बाहर निकालते हुए मछुवारे

करतारपुर यात्रा

पाकिस्तानी सेना का षड्यंत्र

गुरु नानक सिख गुरु के साथ ही पूरे उप-महाद्वीप की चेतना का अंग हैं। विद्वानों के अनुसार उन्होंने सऊदी अरब, तिब्बत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, ईरान, ईराक, भारत व पाकिस्तान की व्यापक यात्रा कर 'नानकपंथी संस्कृति' का प्रचार किया था। उनकी शिक्षाओं का पालन करने वालों में सिख, हिंदू व मुसलमान सभी हैं। इसलिए गुरु नानक के अंतिम दिनों के साक्षी पाकिस्तान में करतारपुर के गुरुद्वारा दरबार साहेब तथा भारत के डेरा बाबा नानक साहेब के बीच गलियारा मानवता के लिए प्रतीकात्मक कदम है। इससे विभाजन के घाव भरने तथा भारत-पाकिस्तान संबंधों में नए संवाद में सहायता मिल सकती है। लेकिन पाकिस्तान अपना अलगाववादी एजेंडा आगे बढ़ाने, भारत में सिखों में चरमपंथ तथा खालिस्तानी आंदोलन पुनः शुरू करने के लिए करतारपुर का प्रयोग कर रहा है। प्रधानमंत्री इमरान खान की अच्छी-अच्छी बातों के बावजूद यह पाकिस्तानी सेना व आईएसआई का बिछाया जाल है जो पंजाब में उग्रवाद को बढ़ावा दे कर भारत के लिए एक और सुरक्षा समस्या पैदा करना चाहते हैं। यात्रियों को पहुंच प्रदान करने के साथ ही पाकिस्तान उनको उकसा कर विश्वव्यापी सिख समुदाय को भ्रामक संकेत दे रहा है। खालिस्तानी अलगाववादी नेताओं जनरनैल सिंह भिंडरावाले, मेजर जनरल शाबेग सिंह व अमरीक सिंह खालसा की तस्वीरों का करतारपुर संबंधी वीडियो में प्रयोग इसका उदाहरण है। यह इमरान खान की छवि सुधारने का प्रयास है, जैसे वह उप-महाद्वीप के धार्मिक अल्पसंख्यकों का स्वागत कर रहे हों। भारतीय पक्ष को परेशान करने के लिए

पहले वीज़ा-मुक्त प्रवेश का वादा करने के बाद अब वह पासपोर्ट और परमिट पर जोर दे रहा है। भारत रोज 5,000 यात्री भेजने की मांग कर रहा था, पर पाकिस्तान ने केवल 500 को अनुमति दी है।

स्पष्ट रूप से अब जम्मू कश्मीर में स्थिति उलट गई है। पश्चिमी दुनिया और इस्लामी देश बदली स्थिति के बारे में भारत का समर्थन कर रहे हैं। ऐसे में पाकिस्तान सिखों को अलग-थलग करने से बच रहा है तथा खालिस्तान ट्रंप कार्ड प्रयोग करना चाहता है। प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा नाभिकीय युद्ध की धमकी संबंधी 'चीख-पुकार' मचाने के बाद विश्व मंच पर पाकिस्तान की विश्वसनीयता गिरी है। ऐसे में पाकिस्तानी सेना ने खालिस्तान-समर्थक एजेंडे पर आगे बढ़ते हुए पंजाब में समस्या पैदा करने का निर्णय किया है। इमरान को संरक्षण दे रही पाक सेना पिछले लगभग 15 वर्षों से इसी एजेंडे पर चल रही है। हालांकि, पाकिस्तान ने करतारपुर पर मनमोहन सिंह सरकार के प्रयास अनदेखे किए थे, पर वह 2003 से ही सिख अलगाववाद का नई-धुरी बना हुआ है। गुरुद्वारा लंबे समय से वीरान पड़ा था और मवेशियों का तबेला बन गया था। पहले पाकिस्तान ने वहां कब्जे होने दिए, पर अब उसने गुरुद्वारे की जमीन पर पुनः अधिकार किया है। करतारपुर परियोजना की समिति में उसने कई खालिस्तानी अलगाववादियों को शामिल किया है। पूर्व पाकिस्तानी सेना प्रमुख मिर्जा असलम बेग ने पाकिस्तानी सेना और सरकार को करतारपुर गलियारे का प्रयोग खालिस्तानी आतंकवाद के समर्थन तथा 'भारत के लिए परेशानी' हेतु करने की सलाह दी थी। वर्तमान समय में भारत को सतर्क रहना होगा कि करतारपुर में पाकिस्तान की धरती पर बने शिविर यात्रियों की सुविधा के नाम पर खालिस्तानी प्रचार का हिस्सा न बन जांए। करतारपुर में पाकिस्तानी सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने खालिस्तानी गोपाल सिंह चावला से हाथ मिला कर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं।

गोरखाओं के शौर्य और बलिदान की कथा

तीन विक्टोरिया क्रास विजेता 2/5 गोरखा बटालियन का ध्येय, 'कफरहुन उभंदामामो जाती' अर्थात कायरता पूर्ण जीवन से मृत्यु अच्छी है। यह उनके युद्धघोष, 'आयो गोरखाली' से स्पष्ट है।

अशोक के मेहता
लेखक भारतीय सेना के सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं)

तिद्दिम-बिशनपुर-इंफाल मार्ग पर वीरता प्रदर्शित करने के लिए एक इकाई को तीन विक्टोरिया क्रास से सम्मानित किया गया था। एक अज्ञात ब्रिटिश सार्जेंट व सात सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कोहिमा में गैरीसन हिल पर अन्य सैनिकों के साथ मिलकर जापानियों को भारत पहुंचने से रोका था। जापानी सेना के दो उद्देश्यों में से एक, भीमापुर पहुंचना तथा दूसरा 1944 के बसंत में इंफाल पहुंचना था। लेकिन, उनको पराजित किया गया। ब्रिटिश भारतीय सेना की प्रथम बर्मा युद्ध के दौरान छितांग नदी पर यह विजय उल्लेखनीय है जिसका जापानियों ने पीछा किया था। इसका उल्लेख फील्ड मार्शल स्लिम की पुस्तक, 'डिफीट इन टू विक्ट्री' में किया गया है। उसके हताहतों की संख्या बहुत अधिक थी। 2/5 गोरखा रायफल्स में 400 लोग हताहत हुए थे और उनकी संख्या इसकी आधी रह गई थी। 1/3 गोरखा रायफल्स में भी केवल 200 सैनिक बचे थे जिसे 5/3 गोरखा रायफल्स व 2/5 गोरखा रायफल्स के कमांडिंग आफिसरों के साथ मिला दिया गया था।

छितांग नदी के किनारे 23 फरवरी 1942 को एक भ्रम के कारण पराजय हुई थी, जब छितांग नदी का पुल विस्फोट से उड़ा दिया गया था, जिससे तैराकी न जानने वाले गोरखा बटालियन के अनेक सैनिक गलत दिशा में चले गए थे जहां उनको वापसी के लिए मजबूरी में लड़ना पड़ा। यहीं पर 2/5 गोरखा ने युद्ध करते हुए जापानियों को बिशनपुर किनारे छोड़कर इंफाल पहुंचने से रोका। उस समय कोहिमा उत्तरी-जापानी गैरीसन के निशाने पर था जहां एक अज्ञात ब्रिटिश सार्जेंट अपनी खाई में शहीद होने वाला अंतिम सैनिक था, वहां चारों ओर खून बिखरा हुआ था। इससे पुराना कथन याद आता है कि जब तुम घर जाओ तो उन्हें हमारे बारे में बताना और कहना कि तुम्हारे भविष्य के लिए हमने अपना वर्तमान बलिदान कर दिया।

पुनर्गठित बर्मा सेना तिद्दिम में जापानियों का मुकाबला करने के लिए आगे बढ़ रही थी। पहली वीसी कार्रवाई में 2/5 गोरखा ने 26 मई 1943 को बाशा पहाड़ी पर मुकाबला किया जहां उसके नए नेतृत्व को लड़ाई झेलनी पड़ी। हवलदार गजे खाले और उनकी प्लाटून नए भर्ती सैनिक थे। खाले को बाशा पहाड़ी पर कब्जा करना था जिसका बचाव बड़ी संख्या में जापानी मशीनगनों के साथ कर रहे थे। खाले ने कई बार हमला किया और अनेक घाव लगने के बावजूद हमले जारी रखे। उनको असाधारण वीरता, साहस व नेतृत्व के लिए विक्टोरिया क्रास से सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि जापानियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए एक सप्ताह चली लड़ाई में मेजर जनरल श्रेणी के दो जापानी अधिकारी मारे गए थे।

अब 25 जून 1944 को दूसरी वीसी कार्रवाई पर गौर करें। जापानी इंफाल में आगे बढ़ रहे थे और उनको रोकना था। 2/5 गोरखा को इंफाल में बिशनपुर गेटवे पर तैनात किया गया था। ये तीन चौकियों, वाटर पिकेट, मोर्टार ब्लफ व डीपी पिकेट के रूप में सड़क व सिल्चर ट्रैक का बचाव कर रहे थे जिस पर लगातार हमले हो रहे थे। इसे किसी भी कीमत पर बचाया जाना था। मोर्टार ब्लफ पर सूबेदार नेत्र बहादुर थापा, 41 वीर सैनिकों के साथ तैनात थे जिन्होंने जापानी हमलों का मुकाबला किया। लेकिन, हमलावरों की संख्या बहुत ज्यादा थी और सैनिकों के पास गोला-बारूद कम पड़ रहा था। ऐसे में थापा ने बचे खुचे सैनिकों का साहस बढ़ाते हुए हमले के लिए कहा। छह लोगों को नीचे गोला-बारूद लाने भेजा गया और थापा लगातार हमला कर रहे जापानियों के खिलाफ लड़ते रहे, जो उनकी चौकी में प्रवेश कर चुके थे। थापा उस चौकी में लड़ने वाले अंतिम व्यक्ति थे जिन्होंने आखिरी गोली तक मुकाबला किया। शहीद थापा को हाथ में खुखरी लिए पाया गया और उनके पास सिर कटे हुए जापानियों की लाशें भी मिलीं। मरणोपरांत उनको वीरता, दृढ़ता व नेतृत्व के लिए विक्टोरिया क्रास से सम्मानित किया गया।

अगले सवेरे, 26 जून को मोर्टार ब्लफ व वाटर पिकेट पर नायक अगन सिंह राय व उनकी कम्पनी ने कब्जा किया जिनको तीसरे विक्टोरिया क्रास से सम्मानित किया गया। तोपखाने की उल्लेखनीय कार्रवाई के बाद मोर्टार ब्लफ पर कब्जा किया गया, जिसमें 37 मिलीमीटर तोपों का प्रयोग जंगल में हुआ था। वीरता का प्रदर्शन करते हुए राय ने अपनी तोप का प्रयोग कर वाटर पिकेट पर विजय प्राप्त की। राय ने मशीनगन बंकर पर हमला कर आगे बढ़ना जारी रखा। उनकी कम्पनी ने जापानी रक्षा पंक्तियों को तोड़कर तेजी से वाटर पिकेट पर कब्जा किया। उनकी लड़ाई किसी बड़े युद्ध की तरह थी। राय को इसके लिए विक्टोरिया क्रास से सम्मानित किया गया। इसके पहले कभी 24 घंटों से भी कम समय में अकेली कार्रवाई के लिए दो विक्टोरिया क्रास नहीं मिले थे। बिशनपुर कार्रवाई के ठीक 70 वर्ष बटालियन उन्ही पहाड़ियों में वापस लौटी और उसने नागा व कुकी विद्रोहियों का पीछा किया। यहां पर जापानियों के बजाए विद्रोहियों ने बिशनपुर में अपने मृतकों का एक स्मारक बनाया था।

किसी अन्य पैदल सेना बटालियन को एक अभियान में तीन विक्टोरिया क्रास नहीं मिले थे। इस प्रकार इसे डीसी बटालियन कहा जाने लगा। कोरिया में इमजिन युद्ध में 1 ग्लाफेस्टर रेजीमेंट को अप्रैल 1951 में दो विक्टोरिया क्रांस मिले थे जो ब्रिटिश अधिकारियों को प्राप्त हुए थे। सामूहिक रूप से सबसे अधिक 28 विक्टोरिया क्रास 1857 में स्वतंत्रता संग्राम में दूसरी बार लखनऊ को कब्जे से मुक्त कराने के लिए दिए गए थे। जुलू युद्ध के दौरान 1879 में सात विक्टोरिया क्रास रोरकेज ड्रिफ्ट 2/24 फूट को मिले थे।

मार्च 1937 में 2/5 गोरखा ने वजीरिस्तान में डैमडिल के निकट 11 नंबर पिकेट पर युद्ध किया था। नायक नंदियाल घाले ने छह सैनिकों व एक सिग्नलर के साथ इस चौकी पर मुकाबला किया था। यह चौकी टेलीफोन से जुड़ी थी और लाइट पिस्टल व सिग्नल लैंप के माध्यम से एसओएस कर सकती थी। इपी के लड़ाकू फाकिर का सीमांत क्षेत्रों पर कब्जा था और वह विदेशी सैनिकों के खिलाफ लड़ रहा था।

इपी के गुंडों ने चौकी पर दो संतरियों को मारकर कब्जा कर लिया था और सभी छह रक्षकों को घायल किया था जो घाव लगने के बावजूद खुखरियों व संगीनों से गुत्थमगुत्था कर ते हुए लड़े थे। 2/5 गोरखा द्वारा 11 नंबर चौकी पर कब्जे के बाद कबीलाई भाग गए थे। छह रक्षकों को इंडियन आर्डर आफ मेरिट तथा चार को इंडियन विशिष्ट सर्विस मेडल से सम्मानित किया गया था।

स्वतंत्रता के पश्चात हुए युद्धों में 2/5 गोरखा को कई महवीर व वीर चक्र, एक शौर चक्र व सैकड़ों अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में संयुक्त राष्ट्र बल के रूप में कांगो में उसने पहला चैप्टर-7 सैनिक अभियान कटंगी विद्रोहियों के खिलाफ चलाया और वीरता पुरस्कार प्राप्त किए। दो विक्टोरिया क्रास विजेता गजे खाले व अगन सिंह राय इकाई के साथ विक्टोरिया क्रास पुरस्कार आयोजनों में शामिल थे।

कल देहरादून में बटालियन विक्टोरिया क्रास मिलने की प्लैटिनम जुबली तथा अपनी स्थापना की 133वीं जयंती मना रही होगी। इसका जन्म 10 नवंबर 1886 को ऐबटाबाद में हुआ था। नेपाल से अनेक सेवानिवृत्त सैनिक अपने परिवारों के साथ युद्धों में प्रकट की गई वीरता का उत्सव मनाने तथा अनेक वीरों को याद करने के लिए आए हैं जो अब उनके साथ नहीं हैं। अगले 48 घंटों तक देहरादून में इन वीरों की वीरता, दृढ़ता व साहस के बारे में चर्चाएं होंगी। बिशनपुर व बाशा पहाड़ियों में उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया था। इस बटालियन का ध्येय, 'कफरहुन उभंदामामो जाती' अर्थात कायरता पूर्ण जीवन से मृत्यु अच्छी है। यह उनके युद्धघोष, 'आयो गोरखाली' से स्पष्ट है।

वकीलों से क्यों डरते हैं पुलिसकर्मी?

मार्कंडेय काटजू
(लेखक सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश हैं)

हाल ही में, राजधानी में कुछ पुलिसजनों ने वकीलों पर अपनी पिटाई का आरोप लगाया है। तीस हजारी, कड़कड़डूमा व साकेत जिला अदालतों में हुई इस कथित घटना के बाद दिल्ली पुलिस आयुक्त कार्यालय के बाहर एक बड़ा प्रदर्शन हुआ, जिसमें ऐसे हमलों से सुरक्षा की मांग की गई। अनेक लोगों को इसमें ऐसे पोस्टर लिए देखा गया जिन पर लिखा था, ''हम पुलिस हैं गुलाम नहीं।'' उनके आंदोलन को मीडिया तथा पूरे देश के पुलिस संगठनों से समर्थन मिला। इसके बाद, अल्वर की अदालत में भी पुलिसजनों व वकीलों के बीच हाथापायी हुई।

यह आश्चर्यजनक लगता है कि समाज के किसी अन्य वर्ग से न डरने वाले पुलिसकर्मी वकीलों से डरते हैं। हालांकि, संभवतः यह राजनेताओं व सशस्त्र बलों से भी डरते हैं। वकीलों के पास डंडे और बंदूकें नहीं होती हैं जबकि पुलिस के पास होती हैं, लेकिन इसके बावजूद वे उनसे क्यों डरते हैं? जब पुलिस वकीलों पर लाठीचार्ज करती है तब भी आमतौर से यह वकीलों द्वारा पुलिस पर हुए हमले के जवाब में होता है जिसमें हाथापायी या पत्थरों का प्रयोग होता है।

पुलिसकर्मी कायर नहीं होते हैं, इसलिए हमला होने पर वे जवाबी कार्रवाई करते हैं, पर आमतौर से वे घटना को भड़काते नहीं हैं। पुलिसकर्मी वकीलों से इसलिए डरते हैं क्योंकि उनके पास आपराधिक शिकायत या इस्तगासा नाम का हथियार होता है जिस पर पुलिस का कोई नियंत्रण नहीं होता। भारत में आपराधिक मामले दो तरीके से प्रारम्भ किए जा सकते हैं। इसके लिए पुलिस थाने में धारा 154 सीआरपीसी के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई जा सकती है, अथवा धारा 200 सीआरपीसी के अंतर्गत न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष इस्तगासा दायर किया जा सकता है।

अब पुलिसकर्मी एफआईआर से नहीं डरते हैं, क्योंकि यह काम उनकी बिरादरी के दूसरे लोग करते हैं और बिरादरी वाले एक दूसरे के साथ खड़े होते हैं। हालांकि, वकीलों के मामले में वे अपने साझा दुश्मन के खिलाफ एकजुट हो जाते हैं। इस

मामले का 'प्रबंधन' किया जा सकता है। लेकिन, न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष आपराधिक शिकायत एक बिलकुल अलग मामला है। यह जज के समक्ष रखा जाता है जहां जज व वकील एक ही कानूनी बिरादरी के होते हैं। इसलिए, मजिस्ट्रेट की हमदर्दी पुलिसकर्मियों के बजाए वकीलों से अधिक होती है क्योंकि वे अदालत में उनके समक्ष खड़े होते हैं। वकीलों द्वारा पुलिस अत्याचार की शिकायत चाहे सच्ची हो या झूठी, न्यायिक मजिस्ट्रेट आरोपी पुलिसकर्मी को सीआरपीसी की धारा 204 के अंतर्गत सम्मन जारी कर देता है और आपराधिक सुनवाई प्रारम्भ हो जाती है। इसका अंत आरोपी पुलिसकर्मी के जेल भेजे जाने या उसका करियर समाप्त होने या नुकसान के रूप में भी सामने आ सकता है। इसलिए, जैसे ही पुलिसकर्मी को न्यायिक मजिस्ट्रेट का सम्मान मिलता है, वह पानी से से बाहर हुई मछली की तरह तड़पने लगता है। यही असली कारण है कि पुलिसकर्मी वकीलों से डरते हैं।

अनेक वकीलों का दिमाग बहुत उर्वर किस्म का होता है और वे सरकारी कर्मचारियों को भी डरा देते हैं। मुझे ऐसे ही एक व्यक्ति का उदाहरण देने की अनुमति दें। 1971-91 के दौरान जब मैं इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकील था तो इलाहाबाद जिला न्यायालय के एक वरिष्ठ वकील बहुत अच्छी आमदनी होने के बावजूद कभी आयकर रिटर्न नहीं भरते थे और उन्होंने कोई आयकर नहीं दिया था। एक बार एक युवा उत्साही व ईमानदार आयकर अधिकारी की इलाहाबाद में तैनाती हुई, तो उसने इस वकील को नोटिस जारी कर दिया। जब वकील कर अधिकारी के पास पहुंचे तो उसने पूछा कि आप इलाहाबाद जिला न्यायालय के सबसे बड़े वकील हैं और आपकी वकालत बहुत अच्छी है पर आपने कभी आयकर रिटर्न नहीं भरा और न ही आयकर अदा किया। इतना कहने के बाद उसने आयकर अनुमान लगाकर वकील से टैक्स व जुर्माने की भारी रकम अदा करने को कहा। वकील तर्क देते रहे कि वो बहुत गरीब वकील हैं और इतनी बड़ी धनराशि से वो बर्बाद हो जाएंगे, क्योंकि उनके पास कोई संपत्ति भी नहीं है। लेकिन, उनकी बात नहीं मानी गई।

कुछ दिनों बाद कर अधिकारी को वकील से एक पत्र मिला जिसमें कहा गया था कि उनकी मुअक्किल एक युवा महिला कर अधिकारी से गर्भवती हो गई है, क्योंकि उन्होंने विवाह का झूठा वादा किया था जिसे पूरा नहीं किया। अब उनकी मुअक्किल ने बच्चे को जन्म दिया है जिसके लिए उनको मुआवजे के तौर पर एक भारी धनराशि अदा करनी होगी। ऐसा न किए जाने पर उनके खिलाफ बलात्कार की कार्यवाही प्रारम्भ की जाएगी।

कर अधिकारी बहुत परेशान व आहत हुए क्योंकि उनका कभी किसी महिला से संबंध नहीं था और ऐसे में किसी के गर्भवती होने का सवाल ही नहीं था। वे कई वकीलों के पास सलाह लेने के लिए गए और आखिरकार किसी ने उनको उन्हीं वकील साहब से मिलने को कहा। उन्होंने यही किया और वकील के चरणों पर गिर पड़े तथा अपनी पुरानी बात के लिए माफी मांगी। इसके परिणामस्वरूप दोनों में समझौता हुआ। कर अधिकारी के कर व जुर्माने का अपना आदेश वापस ले लिया और वकील ने अपनी कानूनी नोटिस भी वापस ले ली। ऐसे में कोई आश्चर्य नहीं कि भारत में सरकारी कर्मचारी व पुलिसकर्मी भी वकीलों से डरते हैं।

आप की बात

पाकिस्तान की नई चाल

करतारपुर गलियारे को लेकर पाकिस्तान का रुख उसकी नई चाल है। उसने यह काम सिखों की भावनाओं के लिए नहीं किया है। जम्मू कश्मीर के मामले पर अब पश्चिमी दुनिया व इस्लामी देशों द्वारा राज्य पुनर्गठन पर भारत के समर्थन के बाद पाक सिखों को खुद से अलग नहीं करना चाहता क्योंकि एक समय खालिस्तान उसका ट्रंप कार्ड था। इमरान खान द्वारा नाभिकीय युद्ध की धमकी और हाय तोबा मचाने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की विश्वसनीयता को भारी धक्का लगा है। ऐसे में पाकिस्तानी सेना ने खालिस्तान-समर्थक अतिवादी एजेंडे के माध्यम से पंजाब में समस्यायें खड़ी करने का निर्णय किया है। पहले पाकिस्तान ने करतारपुर गलियारे की घोषणा करते हुए कई खालिस्तानी अलगाववादियों को समिति में रखा था जिससे भारत असहज था। पूर्व पाक सेना प्रमुख जनरल मिर्जा असलम बेग ने खुलेआम सेना व सरकार से करतारपुर गलियारे का प्रयोग खालिस्तानी आतंक फैलाने और 'भारत में समस्यायें पैदा करने' के लिए कहा था। हाल में पाकिस्तानी सेना ने खालिस्तान-समर्थक तत्वों का प्रयोग कश्मीर पुनर्गठन को चुनौती देने के लिए किया है।

– **सौरभ गुप्ता,** प्रयागराज

स्वच्छता अभियान का सच

भारत की स्वच्छता सुविधाओं में वास्तविक सुधार का एक कारण यह है कि भले ही शौचालयों का निर्माण कागज पर अच्छा लगता हो, पर खुले में शौच की समस्या से उस समय तक नहीं निपटा जा सकता है जब तक हम इससे जुड़ी जाति व्यवस्था तथा लोगों की सोच बदलने को संबोधित न करें। सरकार द्वारा संभवतः समग्र स्वच्छता सुविधाओं के निर्माण के बजाय शौचालय निर्माण को चुनने के पीछे कारण यह है कि पहले वाले की तुलना में इसका प्रचार करना ज्यादा आसान है, जबकि वास्तव में यह देखा जाना चाहिए कि क्या पूरे देश में समग्र रूप से स्वच्छता में सुधार हुआ है या नहीं। अनेक रिपोर्टों से स्पष्ट है कि एसबीए के अंतर्गत शौचालयों के निर्माण से स्थाई स्वच्छता सुविधाओं के निर्माण में सहायता नहीं मिली है। शौचालयों के निर्माण के बावजूद स्वच्छता में सुधार नहीं हुआ है क्योंकि शौचालय के भौतिक निर्माण के अलावा अन्य आवश्यकतायें, जैसे पानी की लगातार उपलब्धता व उपयुक्त सीवेज प्रणाली, पूरी नहीं हुई हैं। इस योजना की सफलता को मीडिया के माध्यम से बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जा रहा है।

– **अनिल राजपूत,** रायबरेली

चुनाव और सोशल मीडिया

चुनाव में एक नई चीज है सोशल मीडिया का उपयोग। लगभग सभी ने गूगल और फेसबुक में विज्ञापन के लिए स्थान खरीदा है। एक सर्च पेज खोलिए और आपको इनमें से एक या अधिक प्रत्याशियों के मुस्कुराते हुए चेहरे एवं धूल व गंदगी से भरे शहर को स्वर्ग बनाने वाले वादे नजर आएंगे। सौभाग्य से कोई सड़कों को बच्चे के गालों जैसा चिकना बनाने का वादा नहीं कर रहा। प्रोत्साहन, होर्डिंग और सोशल मीडिया ही केवल मतदाताओं को लुभाने के लिए प्रयुक्त माध्यम नहीं है। कुछ प्रत्याशियों ने मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए नवीन पद्धतियां खोज ली हैं। धार्मिक प्रवचन एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करना, नई पद्धति है धार्मिक पर्यटन। एक प्रत्याशी ने अत्यंत खर्चीली वैष्णो देवी की यात्रा आयोजित की। प्रत्येक दिन, लगभग एक महीने से, कुछ वातानुकूलित वोल्वो बसें लोगों को धर्मस्थल ले जाती हैं। उनके खाने, रहने, एवं यात्रा का ख्याल रखा जाता है। बसें विशाल बैनर एवं भगवा रंग की पोशाक पहने प्रत्याशी के चित्र साथ लेकर चलती हैं।

– **सुरुचि वर्मा**, कानपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

मुद्दे के समाधान हेतु हमने विभिन्न कानूनी विकल्पों पर विचार किया है। हमने राज्यपाल कोश्यारी को राज्य की राजनीतिक स्थिति बताई है।

– **चंद्रकांत पाटिल**
महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष

राज्यपाल से मिलने वाले भाजपा नेताओं ने सरकार बनाने का दावा क्यों नहीं पेश किया। वे राष्ट्रपति शासन की स्थिति तैयार कर रहे हैं।

– **संजय राउत**
शिवसेना नेता

मैं दिल्ली में हूं। राज्य की राजनीति में लौटने का कोई सवाल नहीं है। महाराष्ट्र का राजनीतिक संकट जल्द ही दूर हो जाएगा।

– **नितिन गडकरी**
केन्द्रीय परिवहन मंत्री

अर्थव्यवस्था को नयी ऊंचाई देने का सीएम ने दिया मंत्र

सकल घरेलू उत्पाद को एक ट्रिलियन डॉलर किए जाने हेतु विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से आमंत्रित सुझाव को लेकर हुआ प्रस्तुतीकरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अर्थव्यवस्था को उड़ान देने का नया मंत्र दिया है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर पहुंचाने के लिये क्षेत्रवार दीर्घ और अल्पकालीन रणनीति जरूरी है। सरकार को तेजी से निर्णय एवं उनका क्रियान्वयन, उच्चस्तरीय शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग और टीमवर्क को मूल मंत्र बनाना होगा। ऐसा करके हम पीएम नरेंद्र मोदी के देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर करने का लक्ष्य को हासिल करने मे अपना सहयोग दे सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को लोकभवन में प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद को एक ट्रिलियन डॉलर किये जाने हेतु विश्व बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक, आईआईएम कंसलटेंट फॅर्म्स तथा पीडब्ल्यूसी के पीएसजी से आमंत्रित सुझाव के प्रस्तुतीकरण को देखने के बाद कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने आधारभूत संरचना के विकास, कौशल विकास के जरिये रोजगार जैसे कई कदम उठाए हैं। इन कदमों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दो कैबिनेट और एक उच्च स्तरीय समितियां गठित की गयी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र में देश की आबादी के करीब 17 फीसद लोग रहते हैं, पर देश की जीडीपी में इसका हिस्सा सिर्फ आठ फीसद से कुछ अधिक है। इसी गैप के नाते यहां संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं। इन संभावनाओं के बेहतर फायदे के लिए निवेशक आगे आएं। हमने हर क्षेत्र में नयी और बेहतर पॉलिसी बनायी है। कानून के राज को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आधारभूत संरचना बेहतर करने के लिए प्रयास जारी हैं। इज ऑफ डूइंग बिजनेस में हमारी रैंकिंग सुधरी है। ढाई साल में प्रदेश के प्रति लोगों का नजरिया बदला है। सफलतम इन्वेस्टर्स समिति और दो ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी इसका सबूत हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ, बेंगलुरु और अर्नेस्ट यंग ने अपने प्रस्तुतिकरण में बताया कि कैसे और किन उपायों से हम एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। प्रस्तुतीकरण में कहा गया कि लक्ष्य को हासिल करने में 70 फीसद भूमिका क्रियान्वयन की होगी। गुजरात, महाराष्ट्र जैसे राज्य और चीन, बांगलादेश, मलेशिया और सिंगापुर जैसे देशों से सीख लेनी होगी। जिन्होंने हाल के वर्षों में तेजी से प्रगति की है। मैन्यूफैक्चरिंग, सेवा और कृषि प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देना होगा। प्रस्तुतीकरण में संभावनाओं वाले क्षेत्रों की पहचान, बड़े शहरों के पास औद्योगिक क्लस्टरों का विकास, क्लस्टरों के अनुसार कौशल विकास की बातों पर ध्यान दिये जाने की जरूरत बतायी गई। इसे पूरा करने के लिये स्थानीय स्तर के शिक्षण संस्थाओं,विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कालेज और प्रबंधन संस्थान का सहयोग एवं सुझाव लेने की बात कही गयी। वक्ताओं ने कहा कि हर क्लस्टर के लिए एक मेयर या मुख्य कार्यपालक अधिकारी जैसे पद का सृजन तथा मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार इसकी निगरानी होना जरूरी है। इसके अलावा हर लक्ष्य के लिए डेडलाइन का निर्धारण किया जाना चाहिए। अगर लक्ष्य नहीं हासिल हुआ तो कमियों को तलाश कर उनको दूर किया जाये। कार्यक्रम में सरकार के मंत्री सतीश महाना, सिद्धार्थ नाथ सिंह, महेंद्र सिंह, गोपाल टंडन, श्रीकांत शर्मा एवं संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, शैक्षणिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

अयोध्या पर अदालत के फैसले को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया अलर्ट

● पर्याप्त दवाओं के इंतजाम के निर्देश, डाक्टरों-कर्मचारियों की छुट्टियां रद, इमर्जेंसी में ईएमओ की तैनाती के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पतालों को अलर्ट जारी कर दिया है। विभाग की तरफ से जारी अलर्ट में अस्पतालों को पर्याप्त दवाओं को स्टोर रखने का निर्देश दिया गया है। जिससे मरीजों के इलाज को लेकर किसी प्रकार की समस्या न उत्पन्न हो।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. पदमाकर सिंह ने बताया कि सभी अस्पतालों को अलर्ट किया जा रहा है। जिससे अस्पताल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए मुस्तैद रहें। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही सारी छुट्टिया रद्द कर दी हैं, ऐसे में किसी भी डॉक्टर अथवा कर्मचारी को अवकाश न देने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही अस्पतालों में रोस्टर के अनुसार वरिष्ठ डॉक्टरों की ड्यूटी लगाने का निर्देश दिया गया है। इमर्जेंसी में तैनात होने वाले ईएमओ के लिए खासतौर पर निर्देश जारी किया गया है। अस्पताल आने वाले लोगों को इलाज व दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये हैं। बता दें कि अयोध्या प्रकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देखते हुए सरकार पहले ही कानून व्यवस्था को लेकर अलर्ट जारी कर चुकी है। इसके साथ ही सरकार की तरफ से जनता से सामाजिक सद्भाव बनाये रखने के लिए शांति की अपील की जा रही है।

सीएम जीरो टालरेंस की बात करते रहे नाक के नीचे होता रहा भ्रष्टाचार: लल्लू

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने ऊर्जा मंत्री को बर्खास्त कर एफआईआर दर्ज कराने की मांग दोहरायी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपीपीसीएल पीएफ घोटाले को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने योगी आदित्यनाथ सरकार की जीरो टालरेंस नीति पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हर समय जीरो टालरेंस की बात दोहराते रहते हैं लेकिन उनकी नाक के नीचे ढाई साल से भ्रष्टाचार होता रहा। इंजीनियरों की गाढ़ी कमाई का ज्यादातर हिस्सा डिफाल्टर कपंनी डीएचएफएल में भाजपा सरकार और ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा के समय में ही लगाया गया। उन्होंने श्रीकांत शर्मा को तत्काल बर्खास्त कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग मुख्यमंत्री से की है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेस कर रहे थे। उनके साथ राजीव त्यागी भी मौजूद थे। लल्लू ने भाजपा सरकार और ऊर्जा मंत्री से नौ सवाल पूछे हैं और उनका जवाब मांगा है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार इस मामले को सही ढंग से प्रदेश की जनता के सामने रखने के बजाए गुमराह कर रही है। 2600 करोड़ से अधिक के निवेश की सही जानकारी नहीं दे रहे हैं। हमारी मांग थी कि ऊर्जा मंत्री, सीएमडी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए लेकिन सरकार सिर्फ जीरो टालरेंस की बात करती रही। मुख्यमंत्री भी यही बातें दोहराते रहे लेकिन उनकी नाक के नीचे भ्रष्टाचार होता रहा। उन्होंने कहा कि केवल विभागीय अधिकारियों की देखरेख में इतना बड़ा भ्रष्टाचार नहीं हो सकता। उन्होंने पूछा कि क्या ऊर्जा मंत्री सिर्फ बैठकर देख रहे थे? प्रदेश की जनता को जवाब देना पड़ेगा। उन्होंने दोहराया कि ऊर्जा मंत्री को बर्खास्त किया जाए और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज हो। ऊर्जा मंत्री की ओर से उन्हें मानहानि की नोटिस देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि नोटिस अभी उन्हें नहीं मिली है सिर्फ मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली है। अगर नोटिस मिलती है तो उसका कानूनी तौर पर जवाब दिया जाएगा।

भाजपा सरकार से पूछे सवाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया है कि इतने बड़े निवेश के लिए कौन सी टेंडर प्रक्रिया अपनी गयी? टेंडर के प्रपोजल मांगने की शर्ते क्या थीं? क्या इंटरनेशनल कम्प्रेटिव बिडिंग करायी? या बंद कमरे में तीन प्रस्ताव लेकर ही टेंडर दे दिया गया। सभी प्रस्ताव देने वाली कम्पनियों के ऑफर क्या थे? एस्योर्ड निवेश, कितने साल का निवेश, कितने प्रतिशत पर? उस नुकसान की भरपाई कौन करेगा? प्रॉविडेंट फंड निवेश की गाइड लाइन्स के नियमों का पालन किया गया कि नहीं? सरकार उन कंपनियों की सूची जारी करे, जहां पर विभिन्न विभागों के पैसे का निवेश किया गया है? सरकार 2017-19 की इन्वेस्टमेंट कमेटी की सभी बैठकों की मिनट्स एवं कार्यवृत्त सार्वजनिक करे, जिससे बैठकों में हिस्सा लेने और सहमति देने वाले अधिकारियों के नाम सामने आ सकें? प्रॉविटेंड फंड निवेश को लेकर सीवीसी गाइड लाइन्स एवं वित्त विभाग की गाइड लाइन्स का अनुपालन हुआ या नहीं? क्या निवेश बगैर वित्त विभाग के अनुमोदन के संभव है? क्या वित्त विभाग का परामर्श लिया गया? नई और पुरानी पेंशन की स्कीम का पैसा किन-किन कंपनियों में इन्वेस्ट किया गया है?

परीक्षा केन्द्र निर्धारण में राजकीय कालेजों को दें प्राथमिकता

● शैक्षिक कैलेण्डर के अनुसार कोर्स पूरा करने के निर्देश, लापरवाही मिलने पर होंगे दण्डित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

माध्यमिक शिक्षा विभाग की प्राथमिकताओं के नियोजन हेतु शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में मंथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि केन्द्र निर्धारण में निजी कालेजों को अधिक केन्द्र बनाने के बजाय राजकीय कालेजों को ज्यादा प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि राजकीय के बाद सहायता प्राप्त विद्यालयों को केन्द्र बनाया जाय। इसके बाद निजी कालेजों को केन्द्र बनाते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाय कि कालेज ब्लैक लिस्टेड तो नहीं रहा है।

कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न जिलों से आये हुए मण्डलीय एवं जनपदीय अधिकारियों, संयुक्त शिक्षा निदेशक, उपशिक्षा निदेशक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक एवं सह जिला विद्यालय निरीक्षकों से एक-एक कर आगामी बोर्ड परीक्षाओं को नकल विहीन सम्पन्न कराने, परीक्षा केन्द्रों के पारदर्शी निर्धारण, निर्धारित शैक्षिक कैलेण्डर के अनुसार पाठ्यक्रम को पूरा किये जाने सहित आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी जनपद में अनियमित नियुक्तियों के भुगतान के सम्बन्ध में यदि कोई भी शिकायत पायी जाती है तो सम्बन्धित के खिलाफ कड़ी से कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। अनियमित नियुक्तियों के भुगतान किसी भी दशा में नहीं किये जायें तथा हर स्तर पर प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जल्द ही सरकार तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की नियुक्ति के सम्बन्ध में नीति जारी करेगी। सभी जिला विद्यालय निरीक्षक अनिवार्य रूप से परीक्षा केन्द्रों को आनलाइन मानीटरिंग सेल कन्ट्रोल रूम से जोड़ा जाना सुनिश्चित करें, जिससे नकलविहीन बोर्ड परीक्षा सम्पन्न् करायी जा सके। इसके साथ ही प्रदेश स्तर पर लखनऊ में भी एकीकृत कन्ट्रोल रूम बनाने की दिशा में कार्य कर लिया जाये, जिससे प्रदेश के किसी भी परीक्षा केन्द्र की एक क्लिक पर समस्त जानकारी प्राप्त की जा सके। नकलविहीन परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए जरूरी है कि निर्धारित शैक्षिक कैलेण्डर के अनुसार पाठ्यक्रम को पूरा कराया जाये। इसकी जिम्मेदारी सभी मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं जिला विद्यालय निरीक्षकों सहित जनपदीय अधिकारियों की होगी। लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित को दण्डित किया जायेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि विगत दो वर्षों की बोर्ड परीक्षाओं के समस्त बकाया पारिश्रमिक का भुगतान तत्काल करें तथा जिन जिलों में रिटायर्ड शिक्षकों का पूल तैयार नही किया गया है वह तत्काल तैयार करें। डॉ दिनेश शर्मा ने सख्त निर्देश दिये कि बोर्ड परीक्षा के दौरान प्रश्न पुस्तिकाओं एवं कापियों के परीक्षा केन्द्रों तक लाने-ले जाने एवं वितरण में किसी प्रकार की कोई अनियमितता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी 15 नवम्बर के बाद शासन के अधिकारी सभी जिलों में पर्यवेक्षक बनाकर भेजे जायेंगे, जो बोर्ड परीक्षाओ को शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए परीक्षा केन्द्रों के पारदर्शी निर्धारण, निर्धारित शैक्षिक कैलेण्डर के अनुसार पाठ्यक्रम पूरा किया जा रहा है कि नहीं इसका पर्यवेक्षण करेंगे।

बदलेंगे मानसिक कैदियों के साथ व्यवहार के नियम

● स्वास्थ्य विभाग ने दिया अन्य राज्यों के मॉडल अपनाने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के मानसिक चिकित्सालयों में मानसिक रोग से ग्रसित कैदियों के साथ होने वाले व्यवहार के नियम बदलेंगे। इस बावत किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के मानसिक रोग विभाग के प्रमुख प्रो. पीके दलेला के सुझाव पर स्वास्थ्य विभाग ने अन्य राज्यों के मॉडल के अध्ययन का निर्देश अधिकारियों को दिया है। प्रो. दलेला ने अपने सुझाव में कहा गया था कि अस्पतालों में मानसिक रूप से ग्रसित रोगियों को रखने के लिए पुरानी कारागार व्यवस्था के नियम अपनाये जा रहे हैं। जिससे इन रोगियों के मानवाधिकारों का हनन हो रहा है।

प्रदेश भर की जेलों में बंद मानसिक रोग से ग्रसित कैदियों के इलाज के लिए वाराणसी में केन्द्रीयकृत व्यवस्था के तहत अस्पताल है। इस अस्पताल में पूरे प्रदेश के मानसिक रोग से ग्रसित कैदियों को इलाज के लिए भेजा जाता है। इलाज के दौरान ठीक होने पर इन कैदियों को पुन: संबंधित जेल में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इनमें अंडर ट्रायल कैदी भी शामिल होते हैं और सजायाफ्ता भी। सभी कैदियों का इलाज वाराणसी में ही होता है। पिछले दिनों में शासन स्तर पर हुई बैठक में प्रो. पीके दलेला ने सुझाव दिया था कि मानसिक रोग से ग्रसित कैदी रोगियों को चिकित्सालयों में पुराने कारागार नियमों के मुताबिक रखा जा रहा है। जिससे इन कैदियों के मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। प्रो. दलेला के प्रस्ताव पर प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने अधिकारियों को अन्य राज्यों के मॉडल का अध्ययन करने का निर्देश दिया था।

तीन तलाक की शिकार महिला को बीते साढ़े 14 साल से गुजारा भत्ता देने का आदेश

● हाईकोर्ट ने बेटी को भी 15 सौ प्रतिमाह देने का पूर्व पति को दिया आदेश

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने तीन तलाक की शिकार एक महिला को पिछले साढ़े 14 साल से गुजारा भत्ता की रकम देने का आदेश उसके पूर्व पति को दिया है। पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि एक जून, 2005 से 30 नवंबर, 2019 तक दो हजार प्रतिमाह के हिसाब से गुजारा भत्ते का भुगतान किया जाए। पीठ ने इसके लिए पूर्व पति को छह माह की मोहलत दी है। पीठ ने इसके साथ ही यह भी आदेश दिया है कि पूर्व पति प्रत्येक माह की सात तारीख तक बतौर गुजारा भत्ता महिला के खाते में दो हजार व उसकी बेटी के लिए 15 सौ प्रतिमाह जमा करेगा। जस्टिस पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह आदेश बाबुल निशा की पुनर्रीक्षण याचिका पर दिया है। याचिका में बहराइच की पारिवारिक न्यायालय के नौ फरवरी, 2017 के आदेश को चुनौती दी गई थी। पारिवारिक न्यायालय ने महिला की गुजारा भत्ता संबधी अर्जी को निरस्त कर दिया था। लेकिन उसकी बेटी को 15 सौ प्रतिमाह देने का आदेश पूर्व पति को दिया था।

एकल पीठ के समक्ष महिला की इस याचिका का पूर्व पति मोहम्मद रफीक की ओर से जोरदार विरोध किया गया। कहा गया कि चारित्रिक दोष की वजह से उसने अपनी पत्नी को तलाक दिया था। इस पर महिला की ओर से कहा गया कि चारित्रिक आरोप झूठा है। इस आरोप के बाबत कोई सबूत पेश नहीं किया गया। एकल पीठ ने दोनों पक्षों की बहस के बाद पारिवारिक न्यायालय के आदेश को गलत करार देते हुए उसे रद कर दिया।

सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने वालों का पुलिस जुटाएगी सिजरा

● डीजीपी ओपी सिंह ने थानावार रजिस्टर बनाकर नाम दर्ज करने व सतर्क दृष्टि रखने के दिए निर्देश

● सामाजिक सद्भाव भंग करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर की जाए कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या पर आने वाले बहुप्रतिक्षित फैसले को लेकर पुलिस महकमा पूरी तरह से चौकन्ना है। सबसे अधिक सजगता सोशल मीडिया को लेकर बरती जा रही है। पुलिस सोशल मीडिया पर पिछले पांच सालों के दौरान भड़काऊ पोस्ट और भ्रामक सूचनाएं डालकर सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास करने वालों का सिजरा खंगाल रही है। डीजीपी ने ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर थानावार रजिस्टर बनाकर उनके नाम दर्ज करने और उन पर सतर्क दृष्टि रखने के कड़े निर्देश दिए हैं।

डीजीपी ने शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा वर्तमान परिवेश में सोशल मीडिया के माध्यम से सामाजिक सदभाव को भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई किए जाने के संबंध में सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आमजन को प्रदेश की सामाजिक समरसता एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर पुलिस अफसरों को जागरूक रहने की सलाह दी। डीजीपी ने कहा है कि सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उनके सोशल मीडिया एकाउंट को ब्लॉक कराने कराएं। इसके साथ ही उनके खिलाफ तुरंत वैधानिक कार्रवाई भी की जाए। सोशल मीडिया पर किए गए आपत्तिजनक पोस्ट को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी ताकि पोस्ट डिलीट होने पर भी साक्ष्य उपलब्ध रहे। विगत पांच वर्षों में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक-भ्रामक पोस्ट करने वाले व्यक्तियों के सम्बन्ध में सूचनाएं एकत्रित करने के साथ-साथ ऐसे व्यक्तियों को जो आपत्तिजनक पोस्ट कर समाज में वैमनस्यता फैलाने का प्रयास करते हैं, को चिन्हित कर थानावार रजिस्टर बनाकर उनका इन्द्राज किया जाए तथा सतर्क दृष्टि रखी जाए। चिन्हित व्यक्तियों के सम्बन्ध में डिजिटल वालंटियर ग्रुप के माध्यम से जानकारी साझा की जाए, जिससे इस प्रकार के व्यक्तियों द्वारा की जाने वाली भ्रामक पोस्ट-सूचना का डिजिटल वालंटियर ग्रुप के सदस्यों द्वारा भी सतर्क दृष्टि रखी जाए। व्हाट्सएप ग्रुपों पर किए जाने वाले आपत्तिजनक पोस्ट के सम्बन्ध में सम्बन्धित पोस्ट करने वाले व्यक्तियों के साथ-साथ ग्रुप एडमिन के विरुद्ध भी विधिक कार्रवाई की जाए।

जनता के लिए जारी किया व्हाट्सएप नंबर: डीजीपी ने जानकारी दी कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म मसलन फेसबुक, ट्वीटर, व्हाट्सएप आदि के माध्यम से भड़काऊ-आपत्तिजनक पोस्टों के विषय में पुलिस विभाग को सूचित करने के लिए जनसामान्य के लिए मुख्यालय स्तर से व्हाट्सएप नंम्बर 8874327341 उपलब्ध कराया जा रहा है। जनता का कोई भी इस नम्बर पर टेक्स्ट मैसेज, वाइसक्लीप, स्क्रीन शॉट आदि के माध्यम से वहाट्सएप कर सकता है।

एलयू वीसी ने राज्यपाल को लिखा पत्र, समय देने की मांग

लखनऊ। पहली अक्टूबर को पढ़े लखनऊ बढ़े लखनऊ अभियान के दौरान तकरीबन दस लाख लोगों के शामिल होने पर वर्ल्ड रिकार्ड बनाये जाने को लेकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने राज्यपाल को पत्र लिख कर समय देने की मांग की है। कुलपति की तरफ से राजभवन को भेजे गये पत्र में कहा गया है कि वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड्स ने राजभवन में सर्टिफिकेट देने की मांग की है। छात्र-छात्राओं में पढ़ाई के प्रति अभिरुचि पैदा करने के उद्देश्य से प्रदेश की राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल के निर्देश पर गत पहली अक्टूबर को लखनऊ जिले में संचालित अभियान पढ़े लखनऊ-बढ़े लखनऊ में जिले के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। पूर्वान्ह 11 बजे से 11.45 तक इस अभियान में लखनऊ के 2278 संस्थाओं के 972125 लोगों ने एक साथ किताब पढ़ कर वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड में अभियान को दर्ज कराया था।

बहुजन उत्थान पार्टी का सपा में विलय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बसपा सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके कमलाकांत गौतम ने तमाम समर्थकों के साथ अपनी बहुजन उत्थान पार्टी का समाजवादी पार्टी में विलय कर दिया हैं।

सपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेस में श्री गौतम ने सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की नेतृत्व में आस्था जताते हुए अपनी पार्टी के सपा में विलय का ऐलान किया और पार्टी की सदस्यता अपने हजारों साथियों के साथ ग्रहण की। इसके अलावा बसपा, भाजपा, कम्युनिस्ट पार्टी, कांग्रेस, सुहेलदेव पार्टी तथा पीस पार्टी के भी तमाम नेता एवं पदाधिकारी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। बहुजन उत्थान पार्टी के जो नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हुए उनमें अवधेश गौतम एवं पद्म सिंह पारस राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जोर सिंह बौद्ध एवं एस गौतम राष्ट्रीय महासचिव, विनीत गौतम राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, अरविन्द गौतम, अशरफ अली, विनय कुमार, राजेश कुमार, होतीराम कुशवाहा एवं अशोक गौतम प्रदेश उपाध्यक्ष, संत कुमार गौतम प्रदेश महासचिव, गंगा प्रसाद विश्वकर्मा मप्र अध्यक्ष तथा 22 अन्य जनपदों के जिलाध्यक्ष हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पुलिस में झड़प, लाठीचार्ज

● नोटबंदी की तीसरी बरसी पर एनएसयूआई ने मनाया काला दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नोटबंदी के तीन साल पूरे होने पर लखनऊ में शुक्रवार को काला दिवस मना रहे एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीख झड़प हुई। रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय का घेराव करने जा रहे कार्यकर्ताओं को रोकने पर वह भिड़ गए। जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और कई नेताओं-कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

माल एवेन्यू स्थित कार्यालय से जुलूस की शक्ल में जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को लालबहादुर शास्त्री मार्ग पर भारी पुलिस बल द्वारा बैरीकेडिंग लगाकर रोका गया। जिसमें एनएसयूआई कार्यकर्ताओं एवं पुलिस बल में धक्का-मुक्की हुई। एनएसयूआई कार्यकर्ता आरबीआई कार्यालय जाने पर अड़े रहे। जिस पर पुलिस बल द्वारा लाठीचार्ज कर कार्यकर्ताओं को तितर-बितर किया गया। एनएसयूआई के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया और उन्हें बस में बिठाकर ले जाया गया। जिन्हें बाद में पुलिस ने इको गार्डेन के पास ले जाकर छोड़ दिया। एनएसयूआई के नेताओं ने कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा लिए गए नोटबंदी के तानाशाही निर्णय के तीन वर्ष पूरे होने पर देश मे अर्थव्यवस्था चकनाचूर हुई है, बेरोजगारी बढ़ी है, जीडीपी घटी है, मंहगाई में बेतहाशा वृद्धि हो रही है, चारों तरफ मंदी व्याप्त है। इन सबके विरोध में आज एनएसयूआई उत्तर प्रदेश मध्य जोन द्वारा गोमतीनगर स्थित आरबीआई कार्यालय का घेराव करने का फैसला किया गया था।

पीएफ घोटाले के विरोध में ऊर्जा मंत्री के घर पर किया प्रदर्शन

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को ही बिजली कर्मचारियों के भविष्य निधि में घोटाले के विरोध में ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा के आवास पर पहुंचकर नाम पट्टिका पर कालिख पोतकर विरोध प्रदर्शन किया। एनएसयूआई यूपी मध्य जोन के मीडिया प्रभारी आदित्य चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शौर्यवीर सिंह राष्ट्रीय सचिव, मयंक तिवारी प्रदेश अध्यक्ष, प्रशान्त तिवारी, विशाल वर्मा, अनस रहमान, आदित्य चौधरी, जिलाध्यक्ष मानस तिवारी, मोहम्मद तारिक एवं विशाल वर्मा, कर्मवीर सिंह, अमलेन्द्र त्रिपाठी आदि भारी संख्या में एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे।

अयोध्या मामले पर आने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सभी मिलजुल कर करें सम्मान: जिलाधिकारी

ललितपुर। मोहल्ला नेहरु नगर मे आम्बेडकर चौराहा के पास एक मैरिज गाडन में जिलाधिकारी योगेश कुमार शुक्ला, पुलिस अधीक्षक मिर्जा मन्जर बेग, अपर पुलिस अधीक्षक अवधेश कुमार विजेता, सीओ सदर राजा सिंह, शहर कोतवाल संजय कुमार शुक्ला, नेहरू नगर चौकी इन्चार्ज संदीप सिंह सेगर के साथ संभ्रान्त नागरिकों, पार्षदों व प्रधानों के साथ बैठक की गयी। डीएम ने कहा कि अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट के आने वाले फैसले को लेकर हिन्दू और मुस्लिम दोनो समाज के लोगो से शान्ति बनाये रखने के लिये कहा। फैसला चाहे किसी के पक्ष मे आये सवोच्य न्यायालय के फैसले का सभी मिल जुल कर स्वागत करेगे। राम मंदिर निर्माण से जुड़े किसी भी मुददे पर कोई टीका टिप्पणी नही होनी चाहिये और शान्ति, सौहार्द का

बैठक के जरिए लोगों से संवाद करते एसपी कैप्टन मिर्जा मंजर बेग व उपस्थित डीएम

वातावरण कायम रहे व आप सभी प्रशासन का पूरा सहयोग करे। ऐसी हम लोग आप सभी से आशा रखते है। पुलिस अधीक्षक कैप्टन मिर्जा मन्जर बेग ने कहा कि अयोध्या राम मंदिर का फैसला जल्द ही दूर होने वाला है। सर्वोच्च न्यायालय का जो भी फैसला आये आमजन को उसका सम्मान करना चाहिये। पुलिस और प्रशासन द्धारा हर तरह की तैयारियां की गयी है और पुलिस की नजर हर गतिविधी पर है। अयोध्या मामले को लेकर कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया या अन्य किसी माध्यम से राम मंदिर निर्माण से जुड़े किसी भी मुददे पर कोई झूठी अफवाह व टीका टिप्पणी नही होने चाहिये। यदि कोई भी व्यक्ति राम मंदिर निमार्ण से जुडे। किसी भी मुददे पर कोई झूठी अफवाह फैलाता है या किसी भी प्रकार की टीका टिप्पणी करता है तो उसे किसी भी सूरत मे बख्शा नही जायेगा। उसके खिलाफ पुलिस द्धारा कठोर कार्यवाही की जायेगी। इसके लिये नगर व ग्रामीण क्षेत्र से पुलिस मित्र बनाये जा रहे है जो शान्ति व्यवस्था बनाने में पुलिस का सहयोग करेगे जिससे शान्ति व सौहार्द का वातावरण बना रहे। जयराम सिंह यादव एड., यादवेन्द्र दादा, उदय प्रताप एड., प्रधान कुआंतला देवेन्द्र सिंह, प्रधान महेशपुरा चालीराजा, पार्षद रामबाबू यादव, सिद्धनपुरा पार्षद प्रतिनिधि रामकुमार रजक, पार्षद भीम चौरसिया, पार्षद के.के.पंथ, पार्षद लवली शर्मा, ध्यान सिंह यादव, सोवरन सिंह, नारायन सिंह, मुकेश यादव, ताहिर राजा, गनेश राम, गौपुत्र सेना अध्यक्ष प्रशान्त शुक्ला, विनोद राय, अभिषेक चौबे, अल्लादीन खा, सत्तार खा, आरिफ, राजा साहब, रवि पुरोहित, चन्द्रभूषण रिछारिया, मनोज पसतोर, राजेन्द्र रजक एड., कम्मू खा, पुनू रैकवार व समस्त नेहरू नगर पुलिस चौकी स्टाफ मौजूद रहा।

25वां कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बुकलेट जारी करतीं वरिष्ठ अभिनेत्री राखी गुलजार, सीएम ममता बनर्जी, बीसीसीआई अध्यक्ष सौरभ गांगुली व अभिनेता शाहरुख

अनुष्का और सानिया ने किया किसान इण्टर कॉलेज का नाम रोशन

बिरधा (ललितपुर)। राजकीय इण्टर कॉलेज ललितपुर में जिला स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। शासन से मिले दिशा निर्देश के क्रम डा.संपूर्णानंद और महियषी महादेवी वर्मा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन पहले विद्यालय स्तर पर कराया गया। उसके बाद चयनित छात्रो को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लाया गया। महियषी महादेवी वर्मा वाद विवाद प्रतियोगिता जिसमे विषय सोशल मीडिया का उपयोग आज की युवा पीढ़ी को दिग्भ्रमित कर रहा है। इसमें अनुष्का टोन्टे पुत्री सुरेश टोन्टे ने विपक्ष में प्रथम, विशेष बुन्देला द्वितीय, निशा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पक्ष में सानिया तोमर पुत्री ब्रजेन्द्र सिंह छात्रा किसान इण्टर कॉलेज बिरधा ने प्रथम स्थान, मुस्कान साहू राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज ने द्वितीय स्थान, राजीव प्रजापति राजकीय इण्टर कॉलेज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डा.संपूर्णानंद वाद विवाद प्रतियोगिता विषय उपभोग

विजेता रहीं अनुष्का टोंटे

वादी पर्यावरण संतुलन के लिये चुनौती है। इसमें पक्ष में विशाल साहू प्रथम, शिवि मिश्रा द्वितीय, भरत वैध ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विपक्ष में पुनीत कुमार प्रथम, पूजा कुशवाहा द्वितीय, पंकज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मण्डल में डी.पी.वर्मा पूर्व प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कॉलेज, ओमकार पटेल वर्णी जैन इण्टर कॉलेज, सोनम शर्मा राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कॉलेज, अरुण बाबू शर्मा, राहुल जैन शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज ललितपुर शामिल रहे।

बिरधावासियों ने हर्ष व्यक्त किया

जनपद स्तर पर संपन्न हुयी वाद विवाद प्रतियोगिता विषय सोशल मीडिया का उपयोग आज की युवा पीढ़ी को दिग्भ्रमित कर रहा है में एक बार फिर किसान इण्टर कॉलेज के छात्रो ने बाजी मार ली है। जिसमे अनुष्का टोन्टे और सानिया तोमर ने पक्ष और विपक्ष में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। देर शाम तक सोशल मीडिया के माध्यम से बिरधा के नागरिको को इसकी सूचना मिली। इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त कर छात्रो के उज्जवल भविष्य की कामना की।

जय जगत सबको बराबर मानने का अभियान: राजगोपाल

ललितपुर। न्याय एवं शांति के लिए की जा रही जय जगत वैश्विक पदयात्रा अपने ललितपुर पड़ाव के दौरान ललितपुर-सागर राष्ट्रीय राजमार्ग हाई-वे स्थित श्री दयोदय पशु संरक्षण केन्द्र गौशाला पहुंची। यात्रा का नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष रमेश खटीक ने पदयात्रियों का आत्मीयता से सम्मान किया। पूर्व नपाध्यक्ष ने पदयात्रियों को तिलक लगाकर माल्यार्पण कर शॉल-श्रीफल भेंट किया।

पदयात्रा के संयोजक गांधीवादी विचारक राजगोपाल पीवी ने कहा कि महात्मा गांधी एवं कस्तूरबा गांधी की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष में यात्रा का शुभारंभ किया गया। जय जगत अभियान सबको बराबर मानने का अभियान है। दुनिया में सभी को समानता का अधिकार है, कोई छोटा बड़ा या गरीब अमीर ना हो। वह आगे बताते हैं कि न्याय व शांति के लिए जिनेवा (स्विट्जरलैंड) विश्व में एक महत्वपूर्ण स्थान है। जहां पर दुनिया में शांति बनी रहे, इसके लिए दुनिया भर के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर चर्चा करते हैं। अगर देश दुनिया में शांति

पदयात्रियों को सम्मानित करने के बाद समूह के साथ खड़े गांधीवादी विचारक व पूर्व नपाध्यक्ष

होती तो आज किसान आत्महत्या नहीं करता, दुनिया में न्याय नहीं हो रहा है, लोगों के पास तभी तो अशांति है। दुनिया के लोगों में किसी भी किसी के पास कुछ नहीं तो किसी के पास बहुत कुछ है। यह समानता है। लोगों को पुलिस यानी डर के कारण शांति नहीं बल्कि न्याय की कारण शांति चाहिए।

नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष रमेश खटीक ने कहा कि ललितपुर जिला साम्प्रदायिक सौहार्द की एक जीवन्त मिशाल है। यह क्षेत्र काफी पिछड़ा होने के कारण कुछ रूढ़िवादी परंपरायें आज भी जीवित हैं, तो वहीं लोगों में संस्कार भी हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के जरिए न्याय व अहिंसा के लिए चलायी जा रही यह मुहिम काफी सराहनीय है। आयोजन से निश्चित ही बदलाव की एक बड़ा समय भी आयेगा। पेन फोरजेट (फ्रांस), वेन चैपल (आस्ट्रेलिया), क्लायर (फ्रांस), डेमीनिक (फ्रांस),डा. जाकिर (स्पेन), जिलकार हेरिस (कनाडा), लारेंस (फ्रांस), लोरेना जोलियो (फ्रांस), सिडनी कायरो (केन्या), विन्सन्ट (फ्रांस), यूजीलिन (फ्रांस), योगेश अशुरिया (पूना) के साथ यात्रा में साथ चल रहे सभी पदयात्रियों को पूर्व नपाध्यक्ष रमेश खटीक द्वारा सम्मानित किया गया।

यूपी के श्रम मंत्री बोले, उद्यमी उपलब्ध कराएं रोजगार तो प्रदेश में दूर हो सकती है बेरोजगारी

आगरा। आगरा पहुंचे प्रदेश के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक रोजगार देने वाला जिला आगरा है। उन्होंने कहा कि आगरा के जूता उद्योग की तरह अगर अन्य जिलों में उद्यमी रोजगार उपलब्ध कराएं तो प्रदेश से बेरोजगारी दूर हो सकती है। शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य यहां मीट एट आगरा के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कहा कि आगरा के जूता उद्यमी देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करने का काम कर रहे हैं। केंद्र व राज्य सरकार ने उद्यमियों की दिक्कत दूर करने को डेढ़ दर्जन श्रम कानूनों में संशोधन किया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने आगरा के उद्योग की समस्याओं के निदान के लिए मुख्यमंत्री से वार्ता करने का दिया आश्वासन। चीन आज कमजोर हो रहा है। उसकी कमजोरी का फायदा भारत उठा सकता है। दुनिया आज आगरा की जूता उद्योग की ओर निहार रही है। उप्र के श्रम एवं रोजगार मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने जमकर विपक्ष पर निशाना साधा। मायावती और मुलायम सिंह पर मुकदमा वापिसी पर मंत्री बोले कि विपक्ष मुद्दा विहीन है। जनता में जाने लायक नहीं है। कोर्ट में एफिडेविट देकर संजीवनी तलाश रहे है लेकिन वे इस गलतफहमी में हैं कि प्रदेश में दोनों में से किसी को भी संजीवनी मिलेगी। मायावती पर मौर्य ने कहा कि 2012, 2017 और 2019 के बाद 2022 में भी माया का होगा बुरा हाल। राम मंदिर फैसले पर स्वामी प्रसाद ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला दोनो पक्षकारों के साथ साथ राजनीतिक दलों को भी मान्य करना होगा।

प्राइवेट स्कूल अपलोड नहीं कर रहे फीस का स्टेटस

बरेली। उत्तर प्रदेश स्वतंत्र स्वावित पोषित शुल्क निर्धारण विधेयक 2018 के तहत प्राइवेट स्कूल अपनी का स्टेट्स वेबसाइट पर अपलोड नहीं कर रहे, अभिभावकों को पता रहे कि किस स्कूल की फीस कितनी है। वे अपने बजट के अनुसार अपने बच्चों का दाखिला उस स्कूल में करा सके, स्कूलों की मनमानी कम होने का नाम नहीं ले रही। बीते दो सालों से स्कूलों की डिटेल वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश लगातार दिए जा रहे है, स्कूल वाले मनमानी पर उतारू है। पांच साल पुरानी फीस भी करनी है अपलोडबता दे कि मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश हे कि स्कूल वाले अपने स्कूल की डिटेल स्कूल की वेबसाइट पर अपलोड करनी है। स्कूलों में किस मद में कितनी फीस जमा हो रही है। जिस स्कूल में वे अपने बच्चें का दाखिला करा रहे है कि वो उनके बजट में आता है या नही। पुरानी फीस से चलेगा बढ़ोत्तरी का पता स्कूलों को पुरानी फीस की डिटेल अपलोड होने से यह भी पता चल सकेगा कि स्कूल वालो ने किस नियम से स्कूल की फीस को बढ़ाया है शहर के नामचीन स्कूल वाले मनमर्जी से स्कूल की फीस हर साल बढ़ा देते है, स्कूलों ने शासन के निर्देशों को ठेंगा दिखाते हुये फीस बढ़ाई है। वे पुरानी फीस की डिटेल भी अपलोड नही कर रहे है।

सातवें दिन भी जारी रहा संविदा कर्मियों का धरना

बरेली। संयुक्त स्वास्थ्य आउट सोसिंग संविदा कमचारी संघ से जुड़े 80 स्वास्थ्य कमचारियों की सरकार ने सेवांए समाप्त कर दी है। संविदा कर्मी सात दिनों से सीएमएस आफिस के सामने धरना दे रहे है। ज्ञापन सौपकर सभी कर्मचारियों को बहाल करने की मांग की थी। कर्मचारियों को एनएचएम में समायोजित करने के लिए टेंडर प्रक्रिया शासन से चयनित एजेंसी से कराने की मांग की थी। कर्मचारियों को 60 वर्ष तक सुरक्षित नौकरी दी जाये।

अनियंत्रित कार खंती में गिरी

ललितपुर। जनपद ललितपुर के राजघाट एरिया में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर खंती में जा गिरी। कार सवार लोग शादी में शामिल होने चंदेरी जा रहे थे। गस्त पर निकले राजघाट चौकी के पुलिस कर्मी हेडकांस्टेबल मोहम्मद जमाल खान व सिपाही रामविलास ने सूझबूझ से कार में फसे लोगों को सकुशल बाहर निकाला और प्रा. उपचार दिया व खंती में पलटी कार को स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकलवाया। कार सवार लोग मेरठ के निवासी बताए जा रहे हैं। कार सवारों को विशेष चोट नहीं लगी। दुर्घटना का कारण टायर का पंचर होना बताया जा रहा है।

पुलिस ने किया दंगा नियन्त्रण अभ्यास

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक कैप्टन एम.एम.बेग के निर्देशन में पुलिस लाइन्स के परेड ग्राउण्ड में अपर पुलिस अधीक्षक ए.के.विजेता व क्षेत्राधिकारी लाईन/सिटी की उपस्थिति में अयोध्या प्रकरण के फैसले को दृष्टिगत रखते हुए शान्ति व्यवस्था व सौहार्द बनाये रखनें हेतु प्रतिसार निरीक्षक अतुल कुमार सिंह द्वारा दंगा नियन्त्रण ड्रिल का अभ्यास अधि./कर्मचारी गणों को कराया गया। अभ्यास के दौरान दंगा नियन्त्रण में प्रयोग होने वाले शस्त्रों (चिली ग्रेनेट, कलर ग्रेनेट, टियर स्मोक ग्रेनेट, एण्टी राइट गन, गैस गन आदि) का डैमो प्रतिसार निरीक्षक व उनकी टीम द्वारा दिया गया।

बारावफात पर साम्प्रदायिक सौहार्द व शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश

ललितपुर। इस वर्ष ईद-ए-मिलाद/बारावफात चन्द्रदर्शन के अनुसार 10 नवम्बर 2019 को मनाया जाना है। ईद-ए-मिलाद/बारावफात के दौरान प्रदेश में साम्प्रदायिक सौहार्द एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश शासन द्वारा दिये गए हैं, जिसके क्रम में जिलाधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट ने जनपद में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये हैं। उक्त निर्देशों के क्रम में उन्होंने कहा कि ईद-ए-मिलाद/बारावफात के त्यौहार पर मुस्लिम सम्प्रदाय के लोगों द्वारा मुख्य रुप से मोहल्ला नदीपुरा से शहर का भ्रमण करते हुए लगभग 03 से 04 हजार की संख्या में जुलूस निकाला जाता है, जिसमें वाद्य यंत्रों के साथ-साथ आतिशबाजी का भी प्रयोग किया जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि ईद-ए-मिलाद/बारावफात के जुलूस मार्ग में पड़ने वाली सड़कों का व्यवस्थित न होने एवं जुलूस में आपत्तिजनक/उत्तेजनाजनक नारों के प्रयोग से विवाद, दूसरे समुदाय के धार्मिक स्थलों के समीप तेज आवाज में वाद्य यंत्रों का प्रयोग एवं इन समुदायों के व्यक्तियों/मकानों/प्रतिष्ठानों आदि पर आतिशबाजी गिरने का विवाद, शहर में साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति की अव्यवस्था के कारण विवाद, जुलूस/जलसा/मिलाद के दौरान अवांछनीय जानवरों के स्वच्छन्द विचरण के कारण विवाद तथा कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के साथ छेड़छाड़/अन्य अपराध होने के कारण विवाद तथा समस्याएं होने की संभावना रहती है। त्यौहार पर पर्याप्त सतर्कता की आवश्यकता होती है, असामाजिक तत्वों द्वारा अन्य समुदाय के धार्मिक स्थलों पर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की जा सकती है, जिसके प्रति सजग रहना परम आवश्यक है।

कानून व्यवस्था से संबंधित बैठक में मंडलायुक्त, एडीजी, डीआईजी पुलिस सहित सभी अधिकारी उपस्थित

बरेली। मंडलायुक्त श्री रणबीर प्रसाद ने समस्त प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा है कि आपसी बातचीत एवं व्यवहार में वे अपने को तटस्थ रखें तथा सोशल मीडिया पर इस बात का विशेष रुप से ध्यान रखें।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के विद्वेष अथवा अप्रिय घटना से निपटने में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को तटस्थता का भाव प्रदर्शित करना चाहिए ताकि आमजन को हमारे आचरण और व्यवहार पर कोई संदेह न कर सकें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पूरी तरह निष्पक्ष होकर प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा कि आगले कुछ दिन इस परिप्रेक्ष्य में बेहद अहम हैं। शांति व्यवस्था में बाधा पहुंचाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ सख्त से सख्त विधिक कार्रवाई की जाएगी। श्री प्रसाद आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कानून व्यवस्था से सम्बन्धित एक बैठक में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी ऐसे लोगों को चिन्हित करें जिनका अपराधिक रिकार्ड रहा है अथवा वे शांति व्यवस्था भंग करने के दोषी रहे हैं। उन्होंने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेक्टर बना कर सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती करने के भी निर्देश दिए। इसी प्रकार थानाध्यक्षों को भी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीयूजी फोन से समन्वय बनाए रखने तथा आपसी बातचीत करने के भी निर्देश दिए। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए प्रशासनिक अमला तभी कारगर साबित होता है जब आपस में समन्वय होता है। उन्होंने पीस कमेटियों के साथ बैठक करने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार ने बैठक में सभी अपर जिलाधिकारियों एवं परगना अधिकारियों से कहा कि वे पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए रखने में पहल करें और सुनिश्चित करें कि किसी भी स्तर पर आपस में सूचनाओं के आदान प्रदान में व्यवधान उत्पन्न न होने पाए। उन्होंने कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती के बाद वे अपने अपने सेक्टर्स और सब सेक्टर्स का तत्काल भ्रमण करें और सब सेक्टर एरिया में तैनात कर्मचारियों से सम्पर्क में रहे।

उन्होंने कहा कि पीस कमेटियों और संभ्रान्त व्यक्तियों से लगातार सम्पर्क कर उनसे सहयोग करने की अपेक्षा की जाए।

बीडीए ने सील किया इज्जतनगर का मोबाइल टावर

बरेली। आवीआरआई ओर इज्जतनगर थाने के पास बीडीए से बिना अनुमति लिए खड़ा किया गया मोबाइल टावर सील कर दिया गया। दरअसल आसपास के लोग कई दिनों से इसका विरोध कर रहे थे। मोबाइल आवर सील करते हुये रिपोर्ट दर्ज कराने की चेतावनी दी गई है। इज्जतनगर थाने के पास ही एक कंपनी का मोबाइल टावर लगाया गया था। मोबाइल आवर लगने से पहले ही लोगो ने विरोध करना शुरू कर दिया था। पुलिस के हस्तक्षेप न करने पर लोगो ने बीसी दिवया मित्तल से मोबाइल टावर हआए जाने की मांग की थी। बीसी के निद्रेश पर सचिव अमरीश कुमार श्रीवास्तव आज टीम के साथ मौके पर पहुंच गये। प्लांट मालिक को बुलाकर परमीशन दिखाने को कहा गया। अनुमति न दिखाने पर मोबाइल टावर सील कर दिया गया।

पेज एक का शेष

आक्रामक बनी ...

फडणवीस ने बताया कि उन्होंने गतिरोध तोड़ने के लिए शिवसेना प्रमुख फोन किया लेकिन उद्धव जी ने मेरा फोन नहीं उठाया। भाजपा से बात नहीं करने और विपक्षी दलों कांग्रेस व राकांपा से बात करने की शिवसेना की नीति गलत थी। जिस दिन नतीजे आए उसी रोज उद्धव जी ने कहा कि सरकार गठन के लिए सभी विकल्प खुले हैं। यह उनके लिए झटके जैसा था क्योंकि लोगों ने भाजपा-शिवसेना गठबंधन के लिए जनादेश दिया था। पलटवार करते शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि कार्यवाहक मुख्यमंत्री (फडणवीस) और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह उनकी पार्टी के साथ जिम्मेदारियों व पदों के समान बंटवारे पर सहमत हुए थे। ठाकरे ने फडणवीस के इस्तीफे के लगभग आधे घंटे बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते ठाकरे ने कहा कि कार्यवाहक मुख्यमंत्री को मीडिया से बातचीत करते देखकर चिंता हो रही है। मुख्यमंत्री पद के लिए शिवसेना को भाजपा की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि वे खुद को झूठा ठहराए जाने से स्तब्ध हैं। शिवसेना नेता ने कहा कि मीठी बातों से पार्टी को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। वहीं संजय राउत ने कहा कि देवेंद्र फड़णवीस को लगता है कि उनकी पार्टी राज्य में अगली सरकार बना रही है तो उन्हें हमारी शुभकामनाएं हैं।

करतारपुर श्रद्धालुओं...

गुरु नानक देव ने अपने जीवन के अंतिम 18 साल बिताए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक में करतारपुर कॉरिडोर की एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) का उद्घाटन करेंगे जो भारत के पंजाब में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नारोवाल जिले के करतारपुर स्थित दरबार साहिब से जोड़ेगी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उद्घाटन समारोह से पहले मोदी सुल्तानपुर लोधी स्थित बेर साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेकेंगे। बाद में डेरा बाबा नानक में एक सार्वजनिक समारोह में हिस्सा लेंगे।

गांधी परिवार...

1991 में 1988 के एसजीपी कानून के संशोधन के बाद वीवीआईपी सुरक्षा सूची में शामिल किया गया था। अधिकारी ने बताया कि गांधी परिवार की सुरक्षा सीआरपीएफ जवान करेंगे। जेड प्लस सुरक्षा में उन्हें अपने घर और देशभर में जहां भी वे यात्रा करेंगे, वहां के अलावा उनके नजदीक अर्द्धसैन्य बल के कमांडो की सुरक्षा मिलेगी। नियमों के तहत एसपीजी सुरक्षा प्राप्त लोगों को सुरक्षाकर्मी, उच्च तकनीक से लैस वाहन, जैमर और उनके कारों के काफिले में एक एम्बुलेंस मिलती है। सरकार ने इस साल अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की एसपीजी सुरक्षा हटाई थी। राजीव गांधी की हत्या के बाद पूर्व प्रधानमंत्रियों के करीबी परिजनों को इस सुरक्षा घेरे में शामिल करने के लिए कानून में संशोधन किया गया जिससे सोनिया गांधी के साथ-साथ उनके बच्चों को एसपीजी सुरक्षा मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ। देश में प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए अलग बल बनाने की जरूरत तब महसूस की गई जब 31 अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी। उनकी हत्या के बाद देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा की समीक्षा करने के लिए एक समिति गठित की गई।उसने विशेष सुरक्षा समूह के गठन की सिफारिश की। 1985 में महानिरीक्षक रैंक के अधिकारी को इसका पहला निदेशक नामित किया गया। उधर, एसपीजी सुरक्षा घेरा हटाए जाने के फैसले के बाद एसपीजी के साथ गांधी परिवार के कथित असहयोग का ब्योरा देते हुए एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि सुरक्षा पाने वालों का इस तरह का व्यवहार बल के कर्मियों के सहजता से काम करने में बाधा डालता है। अधिकारी ने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि 2005-2014 के दौरान कांग्रेस नेता ने देश के विभिन्न हिस्सों में गैर-बीआर वाहन में 18 यात्राएं की। वर्ष 2015 से ।,892 मौकों पर (मई 2019 तक) राहुल गांधी ने गैर-बीआर वाहन में दिल्ली में यात्रा की। यह प्रतिदिन करीब एक यात्रा करने जैसा है। इसके अलावा जून 2019 तक 247 मौकों पर उन्होंने गैर-बीआर वाहन में दिल्ली से बाहर यात्रा की। गुजरात में बनासकांठा की अपनी यात्रा के दौरान चार अगस्त 2017 को राहुल गांधी ने एक गैर-बीआर कार में यात्रा की। उस वक्त पथराव की एक घटना हुई थी, जिसमें एक एसपीजी पीएसओ घायल हो गया था। वर्ष 1991 से की गई 156 विदेश यात्राओं पर राहुल गांधी 143 मौकों पर एसपीजी अधिकारियों को साथ नहीं ले गए। इन 143 विदेश यात्राओं में ज्यादातर में उन्होंने यात्रा कार्यक्रम आखिरी क्षणों में साझा किया, ताकि एसपीजी अधिकारी यात्रा पर उनके साथ नहीं जा सकें। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि राहुल गांधी ने पिछले पांच बरसों में कुछ मौकों पर अपने सार्वजनिक भाषणों में एसपीजी की छवि भी खराब करने की कोशिश की, जो कि अवांछनीय है। अधिकारी ने सोनिया गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने 2015 से मई 2019 के बीच दिल्ली में यात्रा के दौरान 50 मौकों पर बीआर वाहनों का इस्तेमाल नहीं किया। इनमें से एक बार छोड़कर बाकी मौकों पर राहुल गांधी ने खुद गैर बीआर कार चलाई। सोनिया ने पिछले पांच बरसों में (मई 2019 तक) देश में विभिन्न स्थानों की बगैर पूर्व कार्यक्रम के 13 यात्राएं की, जिस दौरान उन्होंने गैर-बीआर कारों का इस्तेमाल किया। कांग्रेस अध्यक्ष 2015 से अपनी विदेश यात्राओं पर 24 मौकों पर एसपीजी अधिकारियों को भी साथ नहीं ले गईं। अधिकारी ने प्रियंका गांधी वाड्रा के बारे में बताया कि 2015 से मई 2019 तक उन्होंने दिल्ली में अपनी यात्राओं के दौरान 339 मौकों पर और देश के अन्य हिस्सों में 64 मौकों पर एसपीजी के बीआर वाहनों का इस्तेमाल नहीं किया। प्रियंका ने इन यात्राओं पर एसपीजी अधिकारियों की सलाह के खिलाफ जा कर गैर- बीआर वाहनों का इस्तेमाल किया। प्रियंका ने 1991 से कुल 99 विदेश यात्राएं की लेकिन वह सिर्फ 21 मौकों पर एसपीजी सुरक्षा घेरे के साथ गईं। इनमें से ज्यादातर यात्राओं पर प्रियंका गांधी ने अपनी यात्रा की योजना अंतिम क्षणों पर साझा की, जिससे एसपीजी को उनकी सुरक्षा के लिए अधिकारियों को तैनात करना असंभव हो गया। मई 2014 से कई मौकों पर उन्होंने कथित तौर पर एसपीजी अधिकारियों के खिलाफ आरोप लगाए कि वे उनकी निजी एवं गोपनीय जानकारी जुटा रहे हैं तथा उन्हें अनधिकृत लोगों से साझा कर रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने एसपीजी के शीर्ष अधिकारियों को कथित तौर पर कानूनी कार्रवाई की धमकी भी दी। अधिकारी ने बताया कि एसपीजी ने समय-समय पर इस तरह के आरोपों का यह स्पष्टीकरण देकर सामना किया कि उसका कार्य सख्ती से आधिकारिक चार्टर तक सीमित है।

फैसले से ...

और एसपीजी का स्थान लेने की तैयारी कर रहे हैं। केंद्र सरकार के फैसले के कुछ घंटे बाद राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'एसपीजी के मेरे सभी भाई बहनों को बड़ा वाला शुक्रिया। इतने वर्षों से उन्होंने मेरे और मेरे परिवार की सुरक्षा के लिए दिनरात काम किया। आपकी प्रतिबद्धता के लिए शुक्रिया। आपकी ओर से लगातार समर्थन मिलता रहा। यह सफर बहुत ही प्यार और सीख से भरा रहा।' उन्होंने आगे लिखा कि यह बहुत ही सम्मान की बात रही। आपके भविष्य के लिए शुभकामनाएं। बहरहाल यह फैसला कांग्रेस को कही से रास नहीं आया और उसने मोदी सरकार पर मानसिक रूप से दिवालिया होने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, एसपीजी सुरक्षा वापस ले कर सरकार, सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका की जिंदगी से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को निजी बदले की भावना के चलते कुछ नजर नहीं आ रहा है, इसलिए गांधी परिवार से राजनीतिक प्रतिशोध के चलते एसपीजी सुरक्षा वापस ली गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता आनंद शर्मा ने सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी की एसपीजी सुरक्षा वापस लिए जाने के फैसले को चौंकाने वाला बताते हुए कहा कि यह कदम बदले की भावना के कारण उठाया गया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से गांधी परिवार सुरक्षा संकट के दायरे में आ गया है। शर्मा ने कहा, यह भूलना नहीं चाहिए कि इस परिवार के दो सदस्य, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आतंकी हमले में जान गई थी। परिवार को सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी है, एसपीजी सुरक्षा कवच किसी का अहसान नहीं है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने भी पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी, उनके पुत्र और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी एवं बेटी प्रियंका गांधी को मिला एसपीजी का सुरक्षा घेरा हटाए जाने के सरकार के फैसले को बदले की कार्रवाई बताते हुए कहा कि भाजपा निजी तौर पर बदला लेने के स्तर पर उतर आई है। पटेल ने कहा भाजपा आतंकवादी हिंसा में जान गंवाने वाले दो पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के परिवार की सुरक्षा से समझौता कर रही है।

बसपा ने...

इस साल फरवरी में ही वापस ले लिया गया था, जब सपा बसपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन किया था। सूत्रों ने बताया कि बसपा सुप्रीमो ने अखिलेश के आग्रह पर मामला वापस लेने का फैसला किया था हालांकि इस फैसले को उस समय सार्वजनिक नहीं किया गया। अखिलेश ने मायावती के इस कदम के लिए उनका धन्यवाद किया है। घटना दो जून 1995 की है, जब मायावती ने मुलायम सरकार से समर्थन वापस ले लिया था और सरकार अल्पमत में आ गई थी। खबरों के मुताबिक सपा कार्यकर्ताओं ने वीवीआईपी गेस्ट हाउस में मायावती का घेराव कर दिया था। अपशब्द कहे और कथित रूप से बिजली एवं जल की आपूर्ति काट दी थी। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रहमदत्त द्विवेदी ने मायावती को बचाया था।

आडवाणी ने भाजपा को भारतीय राजनीति का प्रभावशाली स्तंभ बनाया

● भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के 92वें पर प्रधानमंत्री ने कहा

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के 92वें जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को उनके योगदान को याद किया और कहा कि उन्होंने पार्टी को भारतीय राजनीति का एक प्रभावशाली स्तंभ बनाया।

प्रधानमंत्री भाजपा के वरिष्ठ नेता से मुलाकात करने उनके घर गए और कहा कि आडवाणी ने बुनियादी विचारधारा से कभी कोई समझौता नहीं किया। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर लिखा, विद्वान, कुशल राजनेता और सर्वाधिक सम्मानित नेताओं में से एक, नागरिकों को सशक्त बनाने में लाल कृष्ण आडवाणी जी के विशिष्ट योगदान को भारत हमेशा याद रखेगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी के 92वें जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, भाजपा के कार्यवाहक अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनके निवास पर जाकर सामूहिक रूप से बधाई दी

आडवाणी को जन्मदिन की बधाई देते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने भाजपा को आकार देने और मजबूत बनाने के लिए कई दशकों तक कठिन संघर्ष किया।मोदी ने कहा, बीते वर्षों में हमारी पार्टी भारतीय राजनीति के एक प्रभावशाली स्तंभ के तौर पर उभरी है तो इसका श्रेय आडवाणी जी जैसे नेताओं और उनके द्वारा दशकों तक तैयार किए गए नि:स्वार्थ भाव से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को जाता है। उन्होंने कहा, आडवाणी ने बुनियादी विचारधारा से कभी कोई समझौता नहीं किया। जब भी लोकतंत्र की रक्षा की बात आई तो वह सबसे आगे रहे। मंत्री के तौर पर उनके प्रशासनिक कौशल को वैश्विक स्तर पर सराहा गया। गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्र के प्रति आडवाणी के समर्पण की प्रशंसा की और कहा कि उनके नेतृत्व, अथक काम करने की उनकी क्षमता और संगठनात्मक कौशल ने भाजपा को एक राष्ट्रीय दल बनाया। उन्होंने ट्वीट किया, अपने अथक परिश्रम और संगठन कुशलता से भाजपा को एक राष्ट्रीय पार्टी का स्वरूप देने वाले, हम सबके आदरणीय और भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। ईश्वर आपको स्वस्थ जीवन व दीर्घायु प्रदान करे, ऐसी कामना करता हूँ। उन्होंने आगे लिखा, आडवाणी जी का पूरा जीवन राष्ट्र के विकास और कल्याण के लिए समर्पित है। अपनी अद्भुत नेतृत्व क्षमता से उन्होंने न सिर्फ पार्टी की एक मजबूत नींव रखी बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं को भी प्रेरित किया। सरकार में रहते हुए आडवाणी जी ने राष्ट्रहित सर्वोपरि मान कर भारत को नई गति देने का काम किया। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी आडवाणी को जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं। आडवाणी का जन्म वर्ष 1927 में कराची में हुआ था।

हिमाचल में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए बनेगा उच्चस्तरीय कार्यबल: गोयल

एजेंसी। नई दिल्ली, धर्मशाला

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए एक उच्च स्तरीय कार्यबल का गठन किया जाएगा। यह कार्यबल केंद्र तथा राज्य सरकार की सभी योजनाओं का अध्ययन करेगा।उन्होंने कहा कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव इस कार्यबल की अध्यक्षता करेंगे। इसमें केंद्रीय कृषि मंत्रालय, खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय, रेल मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल होंगे। एक आधिकारिक बयान में गोयल के हवाले से कहा गया कि कार्यबल को तीन महीने के भीतर सुझाव देने होंगे। गोयल ने धर्मशाला में राइजिंग ग्लोबल इंवेस्टर्स मीट 2019 को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। गोयल ने इसके साथ ही कहा कि रेलवे भी राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य का सुहाना मौसम पर्याप्त अवसर मुहैया कराता है। उन्होंने कहा, रेल विभाग राज्य में पहले ही नई रेल लाइनें बिछा रहा है और यह आगे भी इस तह काम करेगा जो हिमाचल में पर्यटन को मजबूत करने की दिशा में मददगार होगा।

वक्फ संपत्तियों का 100 फीसदी डिजिटलीकरण पूरा हो गया है

एजेंसी। कोच्चि

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को कहा कि देश भर में वक्फ सम्पत्तियों के रिकार्ड के डिजिटलीकरण का काम 100 प्रतिशत पूरा हो गया है और यह एक बड़ी उपलब्धि है। नकवी ने यहां दक्षिणी राज्यों के वक्फ सम्मेलन में कहा, डिजिटलीकरण और जियो मैपिंग से यह सुनिश्चित हुआ कि बड़ी संख्या में ऐसी सम्पत्तियां भी वक्फ रिकार्ड में आ गई हैं जो आधिकारिक रिकार्ड से गायब हो गई थीं। मंत्री ने कहा कि दशकों से बड़ी संख्या में वक्फ सम्पत्तियां आधिकारिक रिकार्ड से गायब हो थीं।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा गत पांच वर्षों में वक्फ सम्पत्तियों के शुरू किए गए डिजिटलीकरण कार्य से वक्फ सम्पत्तियों की उचित देखरेख हुई है। देशभर में करीब छह लाख पंजीकृत वक्फ सम्पत्तियां हैं। उन्होंने कहा, देशभर में वक्फ सम्पत्तियों का 100 फीसदी जियो टैगिंग और डिजिटलीकरण कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया गया था कि इन सम्पत्तियों को समाज कल्याण के लिए इस्तेमाल किया जा सके। डिजिटलीकरण और जियो टैगिंग से वक्फ माफिया पर काबू पाने में भी मदद मिलेगी। मंत्री ने कहा कि करीब 24 हजार वक्फ सम्पत्तियों का जियो टैगिंग का काम पूरा हो गया है।उन्होंने कहा कि वक्फ सम्पत्तियों का जीआईएस या जीपीएस मैपिंग आईआईटी रूड़की और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की मदद से शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलीकरण और जियो टैगिंग के लिए केंद्रीय वक्फ काउंसिल राज्य वक्फ बोर्डों को वित्तीय मदद और तकनीकी सहायता मुहैया करा रहा है ताकि वे तय समयसीमा में डिजिटलीकरण का काम पूरा कर सकें। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद पहली बार नरेंद्र मोदी नीत सरकार वक्फ जमीन पर स्कूल, कालेज, आईआईटी, पॉलिटेक्निक, अस्पताल, बहुउद्देश्ईय सामुदायिक सभागार सद्भाव मंडप , हुनर हब, साझा सेवा केंद्र, रोजगार उन्मुखी विकास केंद्र और अन्य आधारभूत ढांचे के विकास के लिए प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत कमजोर वर्गों और जरूरतमंद विशेष बालिकाओं के लिए उन क्षेत्रों में 100 फीसदी वित्तपोषण मुहैया करा रही है जो इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं।

दिग्विजय ने शिवराज को साथ मिलकर मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने का न्योता दिया

एजेंसी। भोपाल

अतिवृष्टि एवं बाढ़ राहत पैकेज में मध्यप्रदेश के साथ भेदभाव के कांग्रेस के आरोपों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को इस मामले में उनके साथ मिलकर दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन करने का न्योता दिया है। दिग्विजय ने गुरुवार को चौहान को पत्र लिखकर कहा कि हालांकि प्रदेश सरकार ने प्राकृतिक आपदा प्रभावित लोगों को तत्काल राहत प्रदान पहुंचाई है, लेकिन मुझे यह बताते हुए दुख हो रहा है कि प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए दी जाने वाली राशि में केन्द्र सरकार ने अपना हिस्सा 90 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया है।

उन्होंने पत्र में कहा, केन्द्र सरकार प्रदेश में सड़कों के निर्माण और रखरखाव के लिए केंद्रीय सड़क कोष से 498 करोड़ रुपए भी जारी नहीं कर रही है। भेदभाव पूर्ण नीति अपनाते हुए केन्द्र एडीए और भाजपा शासित बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों को सहायता राशि दे रही है। दिग्विजय ने कहा कि संसद के दोनों सदनों में मध्य प्रदेश के कुल 40 सांसदों में से भाजपा के लोकसभा में 36 और राज्यसभा में 11 सदस्य हैं। फिर भी वे अपने लोगों के हितों में काम नहीं कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर सभी सांसदों को भी पत्र लिखा है। सिंह ने यह भी बताया कि केन्द्र में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के शासनकाल में चौहान ने मध्य प्रदेश में प्राकृतिक आपदा प्रभावितों को केंद्रीय सहायता प्रदान करने में कथित भेदभाव के मुद्दे पर 6 मार्च, 2014 को उपवास कर विरोध प्रदर्शन किया था और प्रदेश में दिन भर के बंद का आह्वान भी दिया था। उन्होंने कहा, चूंकि हम दोनों राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, इसलिए यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम जनता के हित में साथ में खड़े हों। दिग्वियज ने कहा, मेरा आपसे अनुरोध है कि प्रदेश की जनता के हित में आप थोड़ा वक्त निकालें तथा हम दोनों ही इस विषय में प्रधानमंत्री जी से चर्चा करें।

जोधपुर के सर्किट हाउस पर जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों से बातचीत करते राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

मोबाइल के आईएमईआई नंबर बदलने वाला दुकानदार गिरफ्तार, 125 मोबाइल बरामद

जबलपुर। जबलपुर पुलिस की साइबर शाखा ने विभिन्न मोबाइल धारकों से 125 मोबाइल फोन बरामद किए हैं जो एक ही इंटरनेशनल मोबाइल इक्यूपमेंट आईडेन्टी (आईएमईआई) नंबर से चल रहे थे। मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर बदलने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक विवेक शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि सूचना मिली थी कि जबलपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों में कुछ मोबाइल बेचने वाले दुकानदारों द्वारा चोरी के मोबाइल फोन का आईएमईआई नंबर बदलने का अवैध कारोबार किया जा रहा है। इसपर पुलिस ने शहर के ओमती क्षेत्र के जयंती कांप्लेक्स की एक दुकान पर छापा मारकर संचालक प्रदीप ठाकुर को गिरफ्तार किया। ठाकुर मोबाइल फोन का मूल आईएमईआई नंबर बदल देता था। उन्होंने दावा किया कि देश भर में एक ही आईएमईआई नंबर पर एक लाख से ज्यादा मोबाइल फोन चल रहे हैं। इनमें से प्रदेश में लगभग 50,000 मोबाइल नंबरों की सूची पुलिस ने प्राप्त कर ली है। यदि इनसे आपराधिक वारदात की जाती तो पता भी नहीं चलता क्योंकि आईएमईआई नंबर मोबाइल फोन का कोड होता हैं जो मोबाइल फोन को विशिष्ट पहचान देता है। इसे बदलना अपराधिक कृत्य माना गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जबलपुर में लोगों से 125 मोबाइल फोन बरामद किए हैं जो एक ही आईएमईआई नंबर वाले थे। इनमें अधिकतर मोबाइल फोन ऐसे हैं जो लोगों को गिरे मिले है या फिर सेकेंड हैंड खरीदे गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है तथा उक्त पूरी जानकारी पुलिस मुख्यायल से लेकर केन्द्रीय गृह मंत्रालय को भेजी गई है।

कांग्रेस को चुनाव से पहले असम में नेतृत्व का मुद्दा सुलझाना होगा: सांसद

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा सदस्य प्रद्युत बारदोलोई ने कहा है कि असम में 2021 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को राज्य नेतृत्व के मुद्दे पर निर्णय करना होगा और अंतिम क्षण में लिया गया निर्णय काम नहीं करेगा। बारदोलोई की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब वह पार्टी प्रभारी हरीश रावत को कथित रूप से यह कहते हुए कैमरे की जद में आ गए हैं कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनिर्णय के लिए कुख्यात है।

गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन से पहले उनकी बातचीत को वहां रखे गए टीवी चैनलों के माइकों ने पकड़ लिया। सूत्रों के अनुसार नवगोंग के सांसद बारदोलोई ने पार्टी से कहा है कि राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा से लड़ने के लिए कांग्रेस को एक उचित योजना बनानी होगी। सांसद ने प्रेट्र को बताया, अब आपको निर्णय करना होगा। आपको संभावित योजना बनानी होगी। अंतिम समय में किया गया काम पार्टी के लिए अच्छा नहीं है। आपको नेतृत्व का मसला अब सुलझाना होगा। बारदोलोई ने कहा कि कांग्रेस को असम से भाजपा को बाहर करने का अच्छा मौका मिला, लेकिन विधानसभा चुनाव में उनके साथ लड़ने के लिए पार्टी को पहले अपना घर दुरूस्त करना होगा। उन्होंने कहा, कांग्रेस में पूरी क्षमता है। हम सरकार बना सकते हैं। लेकिन उससे पहले हमें निर्णयात्मक कार्वाई करनी चाहिए न कि अनिर्णयात्मक। हम भाजपा को हरा सकते हैं। कुछ दिन पहले कांग्रेस नेता ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी महासचिव हरीश रावत से कहा था, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनिर्णय के लिए कुख्यात है और पार्टी 2021 का विधानसभा चुनाव गंभीरतापूर्वक लड़ना चाहती है तो इसे तेजी से काम करना चाहिए। पार्टी नेतृत्व असम में नेतृत्व परिवर्तन पर काम कर रहा है और बारदोलोई भी प्रदेश में पार्टी का नेतृत्व करना चाह रहे हैं। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री तरूण गोगोई दावा कर चुके हैं कि 2021 में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए वह पार्टी का बेहतर नेतृत्व कर सकते हैं। कांग्रेस के 12 विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिख कर असम विधानसभा में विपक्ष के नेता देवब्रत सैकिया को हटाने की मांग की थी।

कांग्रेस-राकांपा को महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए अन्य दल समर्थन दें: शिवराज पाटिल

एजेंसी। मुंबई

वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल ने महाराष्ट्र में अगली सरकार बनाने और एक पखवाड़े से चल रहे गतिरोध को खत्म करने के लिए शुक्रवार को अन्य दलों से कांग्रेस तथा राकांपा को समर्थन देने को कहा। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष पाटिल ने कहा कि हालांकि कांग्रेस और राकांपा शायद ऐसी व्यवस्था पर राजी नहीं होंगे। उन्होंने एक समाचार चैनल से कहा, महाराष्ट्र में मौजूदा स्थिति से निपटने का केवल एक तरीका है। अन्य लोगों (दलों) को कांग्रेस तथा राकांपा को बताना चाहिए कि वे सरकार गठन में उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, इसके बाद कांग्रेस और राकांपा सरकार बना सकती है अगर वे ऐसी व्यवस्था पर राजी हो जाती हैं तो। कांग्रेस और राकांपा शायद इस पर राजी न हो। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अन्य दलों को स्पष्ट नहीं किया। हालांकि इसका मतलब दूसरे सबसे बड़े दल शिवसेना से हो सकता है। वहीं, वरिष्ठ राकांपा नेता छगन भुजबल ने कहा कि महाराष्ट्र राष्ट्रपति शासन की ओर बढ़ रहा है। भुजबल ने एक समाचार चैनल से कहा, मुझे लगता है कि हम राष्ट्रपति शासन की ओर बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद मुझे लगता है कि एक महीने में चीजें सामान्य हो जाएंगी। सरकार बनाने के लिए किसी को तो पीछे हटना पड़ेगा। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राकांपा इंतजार करो और देखो का रुख अपनाएगी। भुजबल ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के इगतपुरी से विधायक हीरामन खोसकर से किसी ने संपर्क किया और दल बदलने के लिए प्रलोभन दिया। उन्होंने कहा, खोसकर ने खुद मुझे यह बताया। यह सही नहीं है, यह संविधान के अनुरूप नहीं है।

महाराष्ट्र में विधायकों को प्रलोभन देने के आरोपों को भाजपा ने नकारा

मुंबई। महाराष्ट्र में भाजपा ने शुक्रवार को इन आरोपों को पुरजोर तरीके से खारिज कर दिया कि वह विधायकों की खरीद-फरोख्त में लगी है और उन्हें अपने खेमे में शामिल करने के लिए धन का प्रलोभन दे रही है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता केशव उपाध्ए ने कहा कि यह हमारी पार्टी की संस्कृति का हिस्सा नहीं है।कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र में विधायकों को दलबदल कराने के लिए 25 से 50 करोड़ रुपए तक की पेशकश की जा रही है। इस बारे में जब पूछा गया तो उपाध्ए ने कहा, भाजपा के विधायकों को प्रलोभन देने का सवाल ही नहीं उठता। यह हमारी संस्कृति नहीं है। इस तरह के आरोप हैं कि भाजपा नेता मध्यस्थों के माध्यम से नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायकों को पार्टी बदलने के लिए प्रलोभन दे रहे हैं। उपाध्ए ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताया। कांग्रेस के इगतपुरी (नासिक जिला) विधायक को 50 करोड़ रुपए की पेशकश के वडेट्टीवार के आरोपों पर उपाध्ए ने कहा कि यह देश की सबसे पुरानी पार्टी की हताश को झलकाता है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी ने दशकों पहले 200 से अधिक सीटें जीती थीं। पिछले कुछ चुनाव में पार्टी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी और इस बार उसे 50 सीटें भी नहीं मिलीं।भाजपा प्रवक्ता ने कहा, यह उनकी हताशा है जो उन्हें बेबुनियाद आरोप लगाने को मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा और शिवसेना जल्द सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

बोधगया में महा बोधि मंदिर में पूजा-अर्चना करते श्रीलकांई भक्त

कांग्रेस विधायकों को तोड़ने की साजिश की जा रही है: थोराट

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उसकी पार्टी के विधायकों पर पाला बदलने के लिए दबाव डाला जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बाला साहेब थोराट ने कहा कि उनकी पार्टी ने शिवसेना की अगुवाई वाली सरकार का समर्थन करने का अबतक कोई निर्णय नहीं किया है, जहां अगली सरकार के गठन को लेकर गतिरोध जारी है। थोराट ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा, परेशानी से बचने के लिए कुछ विधायक (मुंबई से) बाहर चले गए हैं। विधायकों ने हमसे कहा है कि पार्टी तोड़ने के लिए उन्हें प्रस्ताव दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने शिवसेना की अगुवाई वाली सरकार का समर्थन करने का निर्णय नहीं किया है। 21 अक्टूबर को हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को 44 सीटें मिली थी। पूर्व मंत्री ने कहा, भाजपा शिवसेना गठबंधन को सरकार बनाने का जनादेश मिला है और उन्हें ऐसा करना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस के एक अन्य नेता मानिकराव ठाकरे ने कहा कि कुछ विधायकों का विचार है कि पार्टी को राज्य में भाजपा की सरकार बनने से रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, लेकिन अंतिम निर्णय पार्टी आलाकमान का होगा जो सभी विधायकों के लिए बाध्यकारी होगा।

ठाकरे ने कहा कि शिवसेना भाजपा गठबंधन को राज्य में सरकार बनाने का जानदेश मिला है लेकिन वे लोग इस पक्रिया में देरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे विधायकों ने अपने विचारों से अवगत करा दिया है, लेकिन अंतिम निर्णय दिल्ली में पार्टी नेतृत्व करेगा। उन्होंने कहा कि सभी पार्टी विधायक प्रलोभन के प्रयासों को रोकने के लिए एक साथ हैं। इससे पहले दिन में कांग्रेस नेताओं ने राज्य में जारी राजनीतिक घमासान पर चर्चा करने के लिए बैठक की। महाराष्ट्र की निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार के आवास पर हुई इस बैठक में पार्टी के कुछ विधायक भी शामिल हुए। महाराष्ट्र में 21 अक्टूबर को हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी है और 288 सदस्ईय विधानसभा में उसके 105 सदस्य हैं।

भाजपा महाराष्ट्र को राष्ट्रपति शासन की दिशा में ले जा रही है: राकांपा

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार गठन को लेकर अब तक कोई फैसला नहीं होने के बीच राकांपा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा राज्य को राष्ट्रपति शासन की दिशा में ले जा रही है और इस राज्य को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के जरिए चलाना चाहती है। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता नवाब मलिक ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र की जनता राज्य के इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी।उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि राज्य ने कभी भी दिल्ली के तख्त के आगे घुटने नहीं टेके। राज्य में विधानसभा चुनाव 21 अक्टूबर को हुए थे और परिणाम की घोषणा 24 अक्टूबर को हुई थी।इसमें भाजपा 105 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी और उसकी सहयोगी शिवसेना को 56 सीटें मिली थी। इन दोनों में से किसी भी दल ने एक साथ या अलग-अलग सरकार गठन का दावा पेश नहीं किया है। मलिक ने ट्वीट किया, भाजपा महाराष्ट्र को दिल्ली से मोदी और शाह के जरिए चलाना चाहती है, इसीलिए वह राज्य को राष्ट्रपति शासन लगाने की दिशा में ले जा रही है। लोग महाराष्ट्र का यह अपमान सहन नहीं करेंगे। चुनाव में राकांपा को 54 सीटें और कांग्रेस को 44 सीटें मिली थी। सरकार गठन के लिए बहुमत का आंकड़ा 145 है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड — दूसरी तिमाही 2019-20 (करोड़ ₹ में)

	30 सितंबर 2018	30 सितंबर 2019	पिछले साल की तुलना में वृद्धि %
आय	26125.49	24149.42	-7.56
व्यय	24041.74	23411.59	-2.62
संचालन लाभ	2083.75	737.83	-64.59
कर-पूर्व लाभ	2437.07	1105.8	-54.63
शुद्ध लाभ	1708.92	368.43	-78.44
प्रति शेयर आय(₹)	14.77	3.14	

समेकित, अनअंकेक्षित — पीटीआई ग्राफिक

क्विक न्यूज

भारत फोर्ज का शुद्ध लाभ 18.72 प्रतिशत गिरकर 205.48 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। वाहनों के कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी भारत फोर्ज का एकीकृत शुद्ध लाभ 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही मे 18.72 प्रतिशत गिरकर 205.48 करोड़ रुपए रह गया। एक साल पहले की जुलाई - सितंबर अवधि मे उसका शुद्ध लाभ 252.8 करोड़ रुपए था। भारत फोर्ज ने नियामक को दी जानकारी मे कहा कि समीक्षाधीन अवधि मे उसकी परिचालन से आय 17 प्रतिशत गिरकर 2,155.2 करोड़ रुपए रह गई। एक साल पहले की इसी तिमाही मे यह आंकड़ा 2,597.27 करोड़ रुपए था। कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल के सदस्यों ने शुक्रवार को बैठक मे दो रुपए के शेयर पर 1.50 प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देने की अनुशंसा की है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 78 प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही मे 78.44 प्रतिशत घटकर 368.43 करोड़ रुपए रह गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि मे कंपनी को 1,708.92 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। शेयर बाजार को दी जानकारी मे कंपनी ने बताया कि समीक्षावधि मे उसकी परिचालन से आय 23,935.93 करोड़ रुपए रही। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि मे हुई 25,431.02 करोड़ रुपए से 5.89 प्रतिशत कम है। समीक्षावधि मे कंपनी के वाहन कारोबार की आय 12,058.79 करोड़ रुपए, कृषि उपकरण कारोबार की 5,369.89 करोड़ रुपए, वित्तीय सेवा कारोबार की 2,880.12 करोड़ रुपए, आतिथ्य कारोबार की 555.37 करोड़ रुपए और रियल एस्टेट कारोबार की आय 329.39 करोड़ रुपए रही। इस दौरान कंपनी ने 1,10,824 कारों और 68,359 ट्रैक्टरों की बिक्री की।

आयशर को दूसरी तिमाही में 573 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

नई दिल्ली। आयशर मोटर्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही मे 4.36 प्रतिशत बढ़कर 572.69 करोड़ रुपए रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि मे कंपनी को 548.76 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी रॉयल एनफील्ड ब्रांड के तहत मोटरसाइकिल की बिक्री करती है। शेयर बाजार को दी जानकारी मे कंपनी ने बताया कि समीक्षावधि मे उसकी परिचालन से कुल आय घटकर 2,192.47 करोड़ रुपए रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि मे कंपनी को 2,408.17 करोड़ रुपए की आय हुई थी। समीक्षावधि मे रॉयल एनफील्ड ने 1,63,390 मोटरसाइकिल की बिक्री की जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि मे हुई 2,09,963 मोटरसाइकिल की बिक्री से 22 प्रतिशत कम है।

एमआरएफ का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 18 प्रतिशत गिरकर 229 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। टायर निर्माता कंपनी एमआरएफ का एकीकृत शुद्ध लाभ 30 सितंबर 2019 को समाप्त दूसरी तिमाही मे 17.73 प्रतिशत कम होकर 228.96 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की इसी तिमाही मे कंपनी को 278.29 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन अवधि मे परिचालन से आय 1.57 प्रतिशत बढ़कर 4,007.63 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की जुलाई-सितंबर तिमाही मे यह 3,946.77 करोड़ रुपए थी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही मे कुल खर्च बढ़कर 3,760.80 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की इसी तिमाही मे यह आंकड़ा 3,649.87 करोड़ रुपए था।

स्टेट बैंक ने जमा दरों में की भारी कटौती, एमसीएलआर भी मामूली घटाया

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सभी परिपक्वता अवधि के ऋण पर सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) मे 0.05 प्रतिशत तक कटौती करने की शुक्रवार को घोषणा की। इसके साथ ही बैंक ने जमा रकम की ब्याज दरों मे 0.15-0.75 तक की भारी कटौती की है। नई दरे 10 नवंबर से लागू होंगी। बैंक ने चालू वित्त वर्ष मे लगातार सातवी बार कर्ज पर ब्याज दर मे कटौती है। स्टेट बैंक ने बयान मे कहा कि इस कटौती के साथ एक साल के ऋण का एमसीएलआर कम होकर 8 प्रतिशत पर आ जाएगा। बैंक ने सावधि जमा पर भी अपनी ब्याज दरों मे बदलाव किया है। उसने। साल से 2 साल तक की अवधि वाले खुदरा सावधि जमा पर ब्याज दर मे 0.15 प्रतिशत की कटौती की है। वही , सभी परिपक्वता अवधि की थोक सावधि जमा के लिए ब्याज दरों मे 0.30 से 0.75 प्रतिशत तक की कटौती की गई है।

रिकॉर्ड ऊंचाई से गिरा सेंसेक्स

● भारत का साख रेटिंग परिदृश्य घटने से गिरा बाजार

एजेंसी। मुंबई

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने वृद्धि से जुड़ी चिंताओं के चलते शुक्रवार को भारत का साख रेटिंग परिदृश्य स्थिर से घटाकर नकारात्मक कर दिया। इसके कारण घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली और सेंसेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आ गया। विश्लेषकों ने कहा कि मूडीज के परिदृश्य रेटिंग घटाने के साथ ही हालिया तेजी के बाद हुई मुनाफावसूली और अवास्तविक मूल्यांकन के कारण असहजता ने भी बाजार की धारणा को कमजोर किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 330.13 अंक यानी 0.81 प्रतिशत गिरकर 40,323.61 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 40,749.33 अंक के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंच गया था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 103.90 अंक यानी 0.86 प्रतिशत लुढ़ककर 11,908.15 अंक पर बंद हुआ। सप्ताह के दौरान पांच में से तीन कारोबारी दिवस में सेंसेक्स नए रिकॉर्ड उच्च स्तर के साथ बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी ने भी पांच महीने बाद पुन: 12 हजार अंक के स्तर को पार किया।

इस पूरे सप्ताह में पहले तेजी और बाद की गिरावट के बाद सेंसेक्स 158.58 अंक यानी 0.39 प्रतिशत तथा निफ्टी 17.55 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की तेजी में रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में सन फार्मा, वेदांता, ओएनजीसी, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एनटीपीसी, एशियन पेंट्स और इंफोसिस में 4.23 प्रतिशत तक की गिरावट रही। इसके विपरीत एस बैंक, इंडसइंड बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर 3.76 प्रतिशत तक बढ़ गए। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भारत को झटका देते हुए क्रेडिट रेटिंग परिदृश्य को स्थिर से घटाकर नकारात्मक कर दिया। उसने कहा कि सरकार आर्थिक मोर्चे पर जारी सुस्ती को दूर करने में आंशिक रूप से नाकाम रही है। इसके चलते आर्थिक वृद्धि के नीचे बने रहने का जोखिम बढ़ गया है। इस खबर के बाद, घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया और अंत में बाजार अच्छी-खासी गिरावट के साथ बंद हुआ। इस दौरान रुपया भी 33 पैसे गिरकर 71.30 रुपए प्रति डॉलर पर तक गिर गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, रेटिंग घटाने से निवेशक उथल-पुथल भरे बाजार में मुनाफावसूली करने को मजबूर हो गए तथा रुपया तीन सप्ताह के निचले स्तर पर आ गया। साल के दौरान शेयर बाजारों के नरम प्रदर्शन के कारण म्यूचुअल फंडों का निवेश चार महीने के निचले स्तर पर आ गया। इसके साथ ही बड़ी कंपनियों का प्रीमियम मूल्यांकन बाजार में नया निवेश आकर्षित नहीं कर पा रहा है। बीएसई के समूहों में एफएमसीजी, धातु, तेल एवं गैस, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और बिजली में 1.80 प्रतिशत तक की गिरावट रही। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी 0.79 प्रतिशत तक की गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, हांग कांग का हैंग सेंग और दक्षिण कोरिया का कोस्पी गिरावट में रहा। हालांकि जापान का निक्की बढ़त में रहा। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार बढ़त में चल रहे थे। इस बीच ब्रेंट क्रूड वायदा 1.24 प्रतिशत गिरकर 61.53 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए उठाए जा रहे हैं कदम: एयर इंडिया प्रमुख

एजेंसी। नई दिल्ली

एयर इंडिया के प्रमुख अश्वनी लोहानी ने एयरलाइन के कर्मचारियों से कहा कि प्रबंधन उनकी चिंताओं से अवगत है और उनके हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। एअरइंडिया का कर्मचारी संघ सरकार के विनिवेश के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहा है। सरकार की अगले महीने एअरइंडिया के लिए बोली मंगाने की योजना है। इस बीच , उसकी कर्मचारी यूनियनों ने बुधवार को इस फैसले का विरोध करने का निर्णय करते हुए कहा कि वेतन बकाया और पेंशन को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। लोहानी ने बृहस्पतिवार को कर्मचारियों से पत्राचार में कहा, आपकी अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन कंपनी एअर इंडिया दुनिया भर में सबसे प्रसिद्ध भारतीय ब्रांड है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि मौजूदा मुश्किल भरे दौर में भी ब्रांड की चमक बनी रहे।

उन्होंने कहा कि यह स्वाभाविक है कि कई कर्मचारी विनिवेश को लेकर भविष्य के बारे में चिंतित होंगे क्योंकि कंपनी के स्वामित्व में बदलाव आने से कार्य करने की पद्धति और माहौल में भी बदलाव आता है। एअर इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक लोहानी ने कहा, प्रबंधन आपकी चिंताओं से पूरी तरह से अवगत है और कर्मचारियों के सभी वास्तविक हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार विनिवेश के लिए निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से लंदन और सिंगापुर जैसे शहरों में इस महीने रोडशो आयोजित करेगी। लोहानी ने कहा कि एअर इंडिया बहुत खराब वित्तीय स्थिति से गुजर रही है। इसका मुख्य कारण कर्ज देनदारी है।

इलाहाबाद बैंक का घाटा दूसरी तिमाही में बढ़कर 2,103 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। इलाहाबाद बैंक का कुल घाटा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 2,103.19 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसकी प्रमुख वजह फंसे कर्ज के लिए बैंक का ऊंचा प्रावधान करना है। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बैंक को 1,816.19 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।हालांकि, चालू वित्त वर्ष की पिछली अप्रैल-जून तिमाही में बैंक को 128 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था।समीक्षावधि में बैंक की कूल आय 4,725.23 करोड़ रुपए रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में बैंक को 4,492.23 करोड़ रुपए की आय हुई थी। इस दौरान बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) या फंसा कर्ज उसके सकल ऋण का 19.05 प्रतिशत रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 17.53 प्रतिशत थीं। समीक्षावधि में बैंक का शुद्ध एनपीए उसके शुद्ध ऋण का 5.98 प्रतिशत रहा।

कार्यक्रम में बच्चों के रोने से घबराए परिजनों को वित्त मंत्री ने दी हिम्मत

एजेंसी। फरीदाबाद

कुछ लोगों को बच्चों का रोना बिल्कुल रास नहीं आता है और वे उनकी आवाज सुनकर झल्ला उठते हैं लेकिन , वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ ऐसा नहीं हैं , उन्हें यह सब बिल्कुल भी परेशान नहीं करता है। दरअसल , वित्त मंत्री यहां आईआरएस (सीमाशुल्क एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क) के 69 वें बैच की पासिंग आउट परेड कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थीं। कार्यक्रम शुरू होने के साथ ही दर्शक दीर्घा में मौजूद कुछ बच्चे रोने लगे जबकि कुछ एक - दूसरे से बात करने में जुट गए। उनके परिवार वालों ने उन्हें शांत कराने की बरसक कोशिश की।

आयोजकों की भी बच्चों को शांत कराने की कोशिश नाकाम होती दिखी। हालांकि , जैसे ही वित्त मंत्री ने मंच संभाला उन्होंने परेशान माता - पिता से कहा कि बच्चों को इस तरह के कार्यक्रम में लाना सही कदम है। उन्होंने कहा, यहां जो भी होगा वह कहीं ने कही उनके दिमाग में रहेगा और इस अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा के रूप में काम करेगा ... इसलिए मैं नहीं चाहतीं कि अगर कोई बच्चा शोर कर रहा है तो उसके मां - बाप अपने आपको दोषी समझें। मैं सिर्फ उस दिन का इंतजार करूंगी जब ये बच्चे पास आउट परेड में शामिल होंगे। वित्त मंत्री की यह बात सुनकर दर्शकों ने तालियां बजाई। सीतारमण ने कहा कि यह अपने आप में प्रेरणा है कि कोई भी बच्चा चाहे वह कितना ही बड़ा क्यों नहीं है, ऐसे कार्यक्रम से उसे दूर नहीं रखा जाना चाहिए। सीतारमण ने इसके बाद बच्चों की रोने की आवाज से परेशान हुए बिना अपना पूरा भाषण दिया।

भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक मजबूत, सुधारों से निवेश को मिलेगा बढ़ावा: वित्त मंत्रालय

एजेंसी। नई दिल्ली

सरकार ने मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस के भारत की रेटिंग का परिदृश्य स्थिर से घटाकर नकारात्मक करने पर शुक्रवार को कड़ी प्रतिक्रिया जताई। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक मजबूत बने रहेंगे और सरकार की ओर से किए गए उपायों से निवेश में तेजी आएगी। मूडीज के रेटिंग परिदृश्य को स्थिर से नकारात्मक करने के बाद वित्त मंत्रालय ने बयान जारी करके कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत की आपेक्षिक स्थिति स्थिर बनी हुई है। वित्त मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के हालिया विश्व आर्थिक परिदृश्य का हवाला देते हुए कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2019 में 6.1 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है और यह 2020 में बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंच सकती है। इसमें कहा गया है कि भारत की संभावित वृद्धि दर स्थिर बनी हुई है। आईएमएफ और अन्य बहुपक्षीय संगठनों का भारत को लेकर दृष्टिकोण लगातार सकारात्मक बना हुआ है।मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने पूरी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए वित्तीय क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों में कई उपाय किए हैं। वित्त मंत्रालय ने कहा, वैश्विक सुस्ती से निपटने के लिए सरकार ने खुद आगे बढ़कर नीतिगत फैसले लिए हैं। इन उपायों से भारत को लेकर सकारात्मक रुख बढ़ेगा। साथ ही पूंजी प्रवाह को आकर्षित करने में मदद मिलेगी तथा निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा। बयान में कहा गया, मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहने और बॉन्ड प्रतिफल कम रहने से अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक मजबूत बने रहेंगे। भारत अल्प और मध्यम अवधि में वृद्धि की मजबूत संभावनाओं की पेशकश लगातार कर रहा है।

नकली उत्पादों से घरेलू अर्थव्यवस्था को हर साल लगता है एक हजार अरब रुपए का चूना

एजेंसी। नई दिल्ली

नकली उत्पादों के कारण घरेलू अर्थव्यवस्था को हर साल करीब एक हजार अरब रुपए यानी 14.70 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान होता है।

प्रमाणन संबंधी समाधान मुहैया कराने वाली स्वयंसेवी संस्था ऑथेंटिकेशन सॉल्यूशंस प्रोवाइडर एसोसिएशन (एएसपीए) ने उत्पादों की जालसाजी को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं में यह जानकारी दी है। दवा हो या दारू, मिठाइयां हों या पेय पदार्थ, कपड़े-जूते हों या इलेक्ट्रिक उपकरण, हर प्रकार के उत्पादों की जालसाजी हो रही है। इस तरह के नकली उत्पादों से न सिर्फ लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि सरकारी खजाने को भी चूना लगता है।

रिपोर्ट के अनुसार नकली उत्पादों से भारतीय अर्थव्यवस्था को सालाना एक हजार अरब रुपए तक का नुकसान होता है। एएसपीए ने एक बयान में कहा कि वर्ष 2019 में जनवरी से अक्टूबर के दौरान उत्पादों की नकल 15 प्रतिशत बढ़ी है। राज्यवार देखें तो उत्तरप्रदेश इस तरह की जालसाजी में सबसे ऊपर है। इसके बाद बिहार, राजस्थान, झारखंड, मध्यप्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पंजाब और गुजरात का स्थान है। एएसपीए के अनुसार, 2018 और 2019 में सबसे अधिक कारोबार नकली शराब का हुआ। इसके बाद खाद्य एवं पेय पदार्थ, दवा, एफएमसीजी, दस्तावेज, तंबाकू, वाहन, निर्माण सामग्री तथा रसायन के उत्पादों की सर्वाधिक नक्काली हुई।

नकली मुद्रा के 25 प्रतिशत मामले सिर्फ पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश से रहे। शराब के मामले में 65 प्रतिशत नक्काली उत्तरप्रदेश और झारखंड में हुई। खाद्य पदार्थों में मिलावट के 50 प्रतिशत से अधिक मामले उत्तरप्रदेश, राजस्थान और पंजाब में पाए गए। नकली दवाओं के 50 प्रतिशत मामले उत्तरप्रदेश और बिहार के रहे। एएसपीए के अध्यक्ष नकुल पश्रिचा ने कहा कि कुल वैश्विक व्यापार में नकली उत्पादों की 3.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि यह वैश्विक स्तर पर कंपनियों के साथ ही सरकारों के लिए भी चुनौती बन गया है।

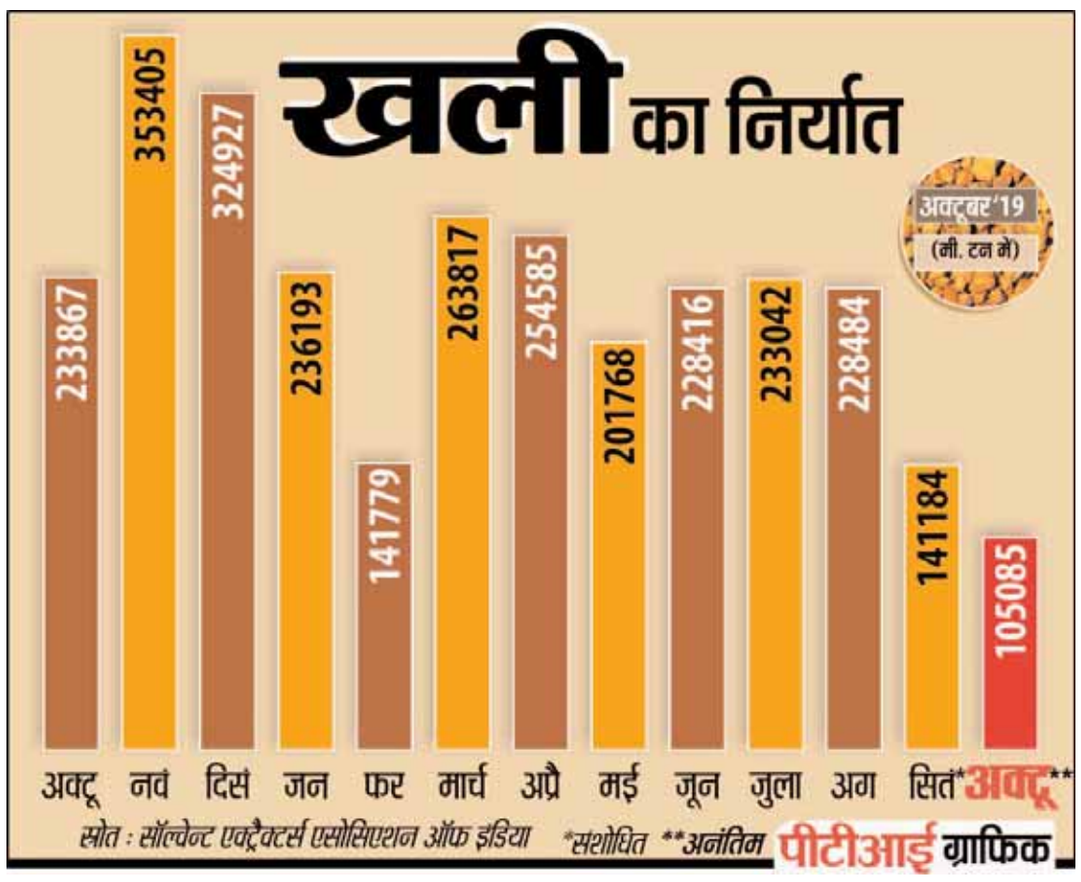

वित्त मंत्रालय के पूर्व अधिकारी का दावा : 2000 रुपए के नोट की हो रही जमाखोरी

एजेंसी। नई दिल्ली

नोटबंदी की तीसरी वर्षगांठ पर आर्थिक मामलों के पूर्व सचिव एस . सी . गर्ग ने कहा कि 2,000 रुपए के नोट को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि 500 और 1000 रुपए के पुराने नोट की जगह लाए गए 2,000 रुपए के नोट की जमाखोरी की जा रही है और इसे बंद कर देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन साल पहले आज ही के दिन 500 और 1000 रुपए के पुराने नोट को बंद करने की घोषणा की थी। इसका मकसद काले धन पर अंकुश लगाना , डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना और देश को लेस - कैश अर्थव्यवस्था बनाना था। गर्ग ने एक नोट में कहा, वित्तीय प्रणाली में अब भी काफी मात्रा में नकदी है। 2,000 रुपए के नोटों की जमाखोरी इसका सबूत है। पूरी दुनिया में डिजिटल भुगतान का विस्तार हो रहा है। भारत में भी ऐसा ही हो रहा है।

मूडीज ने दिया झटका: भारत का क्रेडिट रेटिंग परिदृश्य किया नकारात्मक, लेकिन सरकार सहमत नहीं

एजेंसी। नई दिल्ली

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने भारत को झटका देते हुए उसके क्रेडिट रेटिंग परिदृश्य को स्थिर से घटाकर नकारात्मक कर दिया। उसने कहा कि सरकार आर्थिक मोर्चे पर जारी सुस्ती को दूर करने में आंशिक रूप से नाकाम रही है। इसके चलते आर्थिक वृद्धि के नीचे बने रहने का जोखिम बढ़ गया है। मूडीज ने भारत के लिए दीर्घावधि में स्थानीय मुद्रा जारी करने की रेटिंग तथा विदेशी मुद्रा रेटिंग को बीएए 2 - रखा है। यह निवेश के लिहाज से दूसरा निचला ग्रेड स्कोर है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार , चालू वित्त वर्ष में सरकार का राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। यह सरकार के राजकोषीय घाटे के 3.3 प्रतिशत पर रखने के लक्ष्य से काफी नीचे है। सुस्त आर्थिक वृद्धि और कॉरपोरेट कर में अचानक की गई कटौती से राजस्व वृद्धि कमजोर रहने का अनुमान लगाया गया है। मूडीज ने बयान में कहा कि यह परिदृश्य आंशिक रूप से आर्थिक सुस्ती को दूर करने में सरकार और नीति की अक्षमता को दर्शाता है। इसके चलते कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। यह पहले से ही उच्च स्तर पर है। इसमें कहा गया कि नकारात्मक परिदृश्य इस ओर इशारा करता है कि निवट अवधि में परिदृश्य में सुधार होने की उम्मीद नहीं है। अगर राजकोषीय मोर्चे पर चीजें समय के साथ स्थिर और बेहतर होती जाएंगी, तो मूडीज रेटिंग के दृष्टिकोण को बदलकर स्थिर कर सकता है। वैश्विक व्यापार विवाद के बीच सरकारी खर्च में कमी और उपभोक्ता मांग प्रभावित होने से देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में गिरकर पांच प्रतिशत पर आ गई है। यह 2013 के बाद सबसे कम वृद्धि दर है। सरकार ने हालांकि, मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस के भारत की रेटिंग का परिदृश्य स्थिर से घटाकर नकारात्मक करने पर शुक्रवार को कड़ी प्रतिक्रिया जताई। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था के बुनियादी कारक मजबूत बने हुए हैं और सरकार की ओर से किए गए उपायों से निवेश में तेजी आएगी। रेटिंग एजेंसी ने कहा, मूडीज का रेटिंग परिदृश्य को स्थिर से बदलकर नकारात्मक करना इस जोखिम को दर्शाता है कि आर्थिक वृद्धि पहले की तुलना में कम रही सकती है। यह आंशिक रूप से लंबे समय से चली आ रही आर्थिक एवं संस्थागत आर्थिक कमजोरी को दूर करने में सरकार की प्रभावी नीति में कमी को दर्शाता है। इन कमजोरियों का मूडीज ने पहले ही अनुमान जताया था। इनकी वजह से देश का कर्ज धीरे - धीरे बढ़ेगा , जो कि पहले से ही उच्च स्तर पर है। उसने कहा कि सरकार को अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए उठाए गए कदमों से सुस्ती के प्रभाव को कम करने , ग्रामीण क्षेत्र के वित्तीय संकट , रोजगार सृजन में कमजोरी और एनबीएफसी क्षेत्र की दिक्कत को दूर करने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा , आगे के सुधारों की संभावनाएं कम हुई हैं , जो कि कारोबारी निवेश और वृद्धि को ऊंचे स्तर पर ले जाने में मदद कर सकती थी। दो अन्य अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों फिच रेटिंग्स एंड एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत का परिदृश्य स्थिर रखा हुआ है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में मूडीज के परिदृश्य घटाने का जवाब देते हुए कहा कि भारत की आर्थिक स्थिति स्थिर बनी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने पूरी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए वित्तीय क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों में कई उपाय किए हैं। वैश्विक सुस्ती से निपटने के लिए सरकार ने खुद आगे बढ़कर नीतिगत फैसले लिए हैं। इन उपायों से भारत को लेकर सकारात्मक रुख बढ़ेगा। साथ ही पूंजी प्रवाह को आकर्षित करने में मदद मिलेगी तथा निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

पाकिस्तान में विपक्ष ने इमरान को इस्तीफा देने के लिए 48 घंटे की समय सीमा दी

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में मौलाना फजलुर्हमान के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्तीफा देने के लिए 48 घंटे की समय सीमा दी और कहा है कि दो दिन बाद सरकार विरोधी व्यापक प्रदर्शन नया रूप लेगा।

दक्षिणपंथी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फज़्ल (जेयूआई-एफ) के नेता एक बड़े प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं जो बृहस्पतिवार को सातवें दिन भी जारी रहा। आजादी मार्च कहे जा रहे इस प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने खान पर 2018 के आम चुनावों में धांधली करने का आरोप लगाते हुए उनसे इस्तीफा मांगा है। हजारों समर्थकों को बृहस्पतिवार संबोधित करते हुए रहमान ने कहा कि सरकार के वार्ताकार प्रधानमंत्री का इस्तीफा लिए बिना बातचीत के लिए आगे नहीं आएं। जिओ टीवी ने उनके हवाले से कहा, हमारे पास आने की कोई जरूरत नहीं है। जब आप आएं, तो आपको सत्ता के गलियारों को पीछे छोड़ने के इरादे से आना चाहिए। उन्होंने खान को मुखातिब करते हुए कहा कि अब आप ऐसी जगह पहुंच गए हैं जहां से आगे जाने का कोई रास्ता नहीं है और अब आपको फैसला करना है कि आप वहीं बने रहना चाहते हैं या वहां हटेंगे और लोगों को उनके अधिकार वापस देंगे।

इस बीच, विपक्ष की रहबर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि वह सरकार पर दबाव बढ़ाएगी। जेयूआई-एफ के वरिष्ठ नेता अकरम खान दुर्रानी ने कहा कि आजादी मार्च दो दिन बाद नई दिशा लेगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता दृढ़ हैं। वे तीन महीने तक यहां रूक सकते हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता फरतुल्लाह बाबर ने कहा कि विपक्ष सरकार को दबाव में रख रही है। उन्होंने इसे पहला चरण बताया। इससे पहले दिन में समाचार पत्र द डॉन की खबर के अनुसार सरकार की वार्ताकारों की टीम के सदस्य पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष चौधरी परवेज इलाही ने प्रदर्शन खत्म कराने के लिए बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद में रहमान से उनके घर पर मुलाकात की।

इलाही ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि हम सरकार और विपक्ष के बीच वार्ता को लेकर जल्द ही देश को अच्छी खबर सुनाएंगे। समाचार पत्र ने इलाही के हवाले से कहा, हमें उम्मीद है (और) चीजें बेहतरी की ओर जाती दिखाई दे रही हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) समेत विपक्षी दलों ने भी इस सरकार विरोधी प्रदर्शन को समर्थन दिया है। रहमान ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गई, तो निश्चित रूप से अराजकता फैलेगी।

पाक सरकार ने आजादी मार्च के प्रदर्शनकारियों को वार्ता की मेज पर आने को कहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को धर्मगुरु और राजनीतिज्ञ मौलाना फजलुर रहमान के नेतृत्व में धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों से प्रदर्शन खत्म कर विवादों को सुलझाने के लिए वार्ता की मेज पर आने को कहा। हालांकि, आठ दिन से जमे प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा इस्तीफा दिए जाने तक धरना स्थल छोड़ने से इनकार कर चुके हैं। जमीयत उलेमा ए इस्लाम फज़्ल (जेयूआई-एफ) के नेता रहमान के नेतृत्व में प्रधानमंत्री इमरान खान को अपदस्थ करने के लिए इस्लामाबाद में आजादी मार्च के तहत प्रदर्शन हो रहा है। रहमान का आरोप है कि खान 2018 के आम चुनाव में धांधली करके सत्ता में आए। रहमान ने गुरुवार की रात को प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार के वार्ताकारों को तब तक वार्ता की मेज पर नहीं आना चाहिए जब तक कि इमरान खान इस्तीफा न दे दें। रक्षामंत्री परवेज खटक ने नेशलन असेंबली के सत्र के दौरान शुक्रवार को कहा कि विपक्षी पार्टियों को सभी मतभेदों को सुलझाने के लिए वार्ता की मेज पर आना चाहिए। डान अखबार ने सरकार की ओर से वार्ता समिति का नेतृत्व कर रहे खटक को यह कहते हुए उद्धृत किया, आप बैठे रहें, (प्रदर्शनकारियों को) लेकिन देश को नुकसान न पहुंचाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि रहमान, सरकार की वार्ता समिति से बात करने को समय की बर्बादी मानते हैं। खटक ने कहा, वे (विपक्ष) सुनने तक को तैयार नहीं है। मौलाना साहब कहते हैं कि यह जिरगा (संसद) समय की बर्बादी है। तब ठीक है, हम भी आपके साथ समय की बर्बाद करते हैं। हालांकि, विपक्षी सदस्यों ने धमकी दी कि जेयूआई-एफ का धरना जारी रहेगा। विपक्षी पार्टियों ने गुरुवार को बिना चर्चा सरकार की ओर से 11 अध्यादेशों को नेशनल असेंबली से पारित कराने के कदम का भी विरोध किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अध्यादेश के जरिए कानून पारित करना अच्छे लक्षण नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी सरकार अगर इसे जारी रखती है तो इससे लोकतंत्र बर्बाद हो जाएगा। सत्र के दौरान खटक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए आसिफ ने कहा, आपकी पार्टी ने यह बीज बोया। गौरतलब है कि जेयूआई-एफ नेता ने गुरुवार को प्रधानमंत्री इमरान खान को पद छोड़ने के लिए दो दिन की मोहलत दी थी और कहा था कि दो दिन के बाद सरकार विरोधी प्रदर्शन को नई दिशा दी जाएगी। रहमान ने बुधवार को चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो अराजकता तय है। वहीं, पाकिस्तानी सेना ने बुधवार को कहा कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे को लेकर बहुत व्यस्त है। मौजूदा गतिरोध की ओर इशारा करते हुए सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल आसिफ गफूर ने कहा कि सेना प्रदर्शन को खत्म करने के लिए मध्यस्थता नहीं करेगी।

ईरान में भूकंप में पांच मरे, 120 घायल

एजेंसी। तेहरान (ईरान)

पश्चिमोत्तर ईरान में 5.9 तीव्रता के भूकंप में कम से कम पांच लोग मारे गए और 120 अन्य घायल हो गए। आपात सेवा के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने बताया कि यह भूकंप ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में बृहस्पतिवार देर रात दो बजकर 20 मिनट पर आया और इसका केंद्र जमीन से दो किलोमीटर की गहराई में था। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता 5.8 थी और इसका केंद्र जमीन की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था। ईरान में अकसर भूकंप आता रहता है। यहां के बाम शहर में 2003 में आए 6.6 तीव्रता के भूकंप के कारण 26,000 लोगों की मौत हो गई थी।

पूर्वी अजरबैजान प्रांत के वरकेश गाँव में राजधानी तेहरान से लगभग 400 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में शुक्रवार को भूकंप से एक कार मलबे के नीचे दब गयी

आईएस अफगानिस्तान में अपना आधार बना रहा है: रूसी सुरक्षा प्रमुख

एजेंसी। मॉस्को

रूस की सुरक्षा सेवा के प्रमुख ने बृहस्पतिवार को कहा कि इस्लामिक स्टेट समूह अफगानिस्तान में अपना आधार बना रहा है और वह सोवियत संघ में शामिल रहे देशों को मध्य एशिया के आतंकवादियों के जरिए निशाना बना सकता है। सरकारी समाचार एजेंसी तास ने खबर दी है कि रूसी संघीय सुरक्षा सेवा के प्रमुख एलेक्जेंडर बोर्तनिकोव ने ताशकंद में क्षेत्रीय सुरक्षा मंच की बैठक में कहा, हम अफगानिस्तान में आईएस की गतिविधियों को बढ़ते देख रहे हैं। बोर्तनिकोव ने यह भी कहा कि आईएस अफगानिस्तान मेंजमात अंसारूल्लाह और ईस्ट तुर्केस्तान इस्लामिक मूवमेंट के साथ मिलकर काम कर रहा है।

हांगकांग में छात्र की मौत से फिर तनाव बढ़ा

एजेंसी। हांगकांग

हांगकांग में चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान पिछले हफ्ते एक बहुमंजिला कार पार्किंग से नीचे गिरे छात्र की शुक्रवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटनाक्रम के बाद, बीते पांच महीनों से चल रहे लोकतंत्र आंदोलन के समर्थकों के बीच तनाव और बढ़ गया है एवं हिंसक झड़पों की आशंका बढ़ गई है।

अस्पताल ने शुक्रवार सुबह कंप्यूटर विज्ञान विषय में स्नातक के 22 वर्षीय छात्र एलेक्स चाउ की मौत की पुष्टि की। चाउ को सोमवार तड़के बेहोशी की हालत में लाया गया था। वह रविवार-सोमवार की दरमियानी रात मध्य श्रेणी जिले में पुलिस कर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प के दौरान कार पार्किंग की इमारत से गिर गया था। हालांकि, उसके गिरने की वजह स्पष्ट नहीं है। छात्र की मौत से प्रदर्शनकारियों में उबाल है जो बीजिंग से हांगकांग पर पकड़ कमजोर करने और अधिक लोकतांत्रिक अधिकार दिए जाने की मांग कर रहे हैं। लोकसत्रं समर्थक अभियान के प्रमुख प्रचारक जोशुआ वोंग ने ट्वीट किया, आज हम हांगकांग के स्वतंत्रता सेनानी की मौत पर शोक मना रहे हैं।

● हांगकांग में चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान पिछले हफ्ते एक बहुमंजिला कार पार्किंग से नीचे गिरे छात्र की शुक्रवार कको अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई

अज्ञात प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे ऑनलाइन मंच पर लिखा गया, हम किसी को पीछे नहीं छोड़ेंगे जिसकी शुरुआत हमने एक साथ की थी। हम इसे मिलकर पूरा करेंगे। गत महीनों हांगकांग के समाज को जो नुकसान हुआ उसकी कीमत सरकार को चुकानी होगी। इसके साथ ही चाउ की मौत पर शोक मनाने के लिए शुक्रवार रात को प्रदर्शन करने का आह्वान किया गया। इस बीच, पुलिस ने स्वीकार किया कि उसने कार पार्किंग के पास भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोल छोड़े थे जहां पर रविवार रात को चाउ गिरा था। हालांकि, उन्होंने चाउ के साथ कुछ गलत करने से इनकार किया।

कार्यकर्ताओं ने जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल की जलवायु राजनीति के खिलाफ बर्लिन, जर्मनी में शुक्रवार को 'आपका डंपिंग मूल्य हमारी जलवायु को नहीं बचाता है' लिखकर प्रर्दशन किया

जर्मनी में खदान में हुए विस्फोट में दो व्यक्तियों के घायल होने की आशंका

बर्लिन। पूर्वी जर्मनी स्थित एक खदान में शुक्रवार को हुए एक विस्फोट में दो व्यक्तियों के घायल होने की आशंका है। वहीं 35 अन्य के नीचे फंसे होने की संभावना जताई गई है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। विस्फोट शुक्रवार सुबह हाले के पास ट्यूशेनथल इकाई में हुआ। सैक्सोनी-अन्हाल्ट में सरकारी खनन प्राधिकरण ने संवाद समिति डीपीए से कहा कि करीब 35 व्यक्ति जमीन से करीब 700 मीटर (2300 फुट) नीचे एक सुरक्षित क्षेत्र में हैं और उन्हें आक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। अधिकारियों की इन लोगों को बाद में एक शाफ्ट के जरिए ऊपर लाने की योजना है। यह पहले एक पोटाश की खदान थी, लेकिन अब यहां खनिज अपशिष्ट भंडार किया जाता है। अभी फिलहाल यह पता नहीं चला है कि विस्फोट किस कारण से हुआ।

ब्रिटेन के पैनल ने कश्मीर में हालात पर की चर्चा भारत-पाकिस्तान के बीच वार्ता की अपील की

एजेंसी। लंदन

ब्रिटेन में रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने कहा कि कश्मीर में तनाव कम करने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय भूमिका निभा सकता है और उत्तरी आयरलैंड शांति प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाने वाले गुड फ्राइडे समझौते की ही तरह भारत एवं पाकिस्तान के बीच वार्ता किसी समाधान पर पहुंचने में मदद कर सकती है। संयुक्त राष्ट्र में ब्रिटेन के पूर्व प्रतिनिधि और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्रियों डेविड कैमरून एवं टेरीजा मे के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकर रह चुके सर मार्क लियाल ग्रांट ने पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और पूर्व पाकिस्तानी राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के बीच 2001 में वार्ता के दौरान समाधान तलाशने का मौका गंवा दिए जाने पर खेद जताया। उन्होंने कहा कि उत्तरी आयरलैंड गुड फ्राइडे समझौते की ही तरह एक शांतिपूर्ण समाधान तलाशा जाना चाहिए जिसके तहत स्थानीय लोगों को कश्मीर के एक हिस्से से दूसरे हिस्से जाने की आजादी हो।

● कश्मीर में तनाव कम करने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय भूमिका निभा सकता है

रणनीतिक सलाहकार समूह सीटीडी एड्वाइजर्स द्वारा कश्मीर संकट का ब्रिटेन को नुकसान: क्या समाधान है? शीर्षक के तहत बृहस्पतिवार को आयोजित एक पैनल चर्चा में भारत, पाकिस्तान और ब्रिटेन के विशेषज्ञों ने पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा हटाने के भारत के फैसले की पृष्ठभूमि में चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की पूर्व प्रतिनिधि मलीहा लोधी ने कहा, कोई भी क्षेत्र में और तनाव बढ़ते नहीं देखना चाहता। हम अधिक बड़े संकट के कगार पर हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को दमकल की तरह काम करना बंद करना चाहिए तथा शांतिपूर्ण समाधान तलाशने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने को तैयार है लेकिन वार्ता के अवरोधक के रूप में आईएसआई समर्थित सीमा पार आतंकवाद का बार-बार जिक्र किया गया।ब्रिटेन के पूर्व विदेश मंत्री जैक स्ट्रॉ ने कहा, (अनुच्छेद 370 निरस्त करके) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो किया है, वह बहुत बड़ा और निरर्थक कदम है जिसके पीछे कोई रणनीति नजर नहीं आती लेकिन आईएसआई की भूमिका और आतंकवाद को बढ़ावा देने के कारण इस मामले पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की स्थिति कम मजबूत है।

जानी मानी भारतीय पत्रकार निधि राजदान ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तान 1948 में कश्मीर को हथियाने में नाकामयाब रहा और उसके बाद से वह क्षेत्र में कई वर्षों से आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है तथा सीमा पार आतंकवाद के कारण क्षेत्र में बहुत खून बहा है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवादियों को बढ़ावा दिया जाता रहा है और यह बात उसके प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस साल जुलाई में अमेरिका की अपनी यात्रा में स्वयं स्वीकार की थी कि पाकिस्तान में 40 विभिन्न आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। पाकिस्तान से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे आतंकवादी समूहों को लेकर भारत में गंभीर चिंताएं हैं। राजदान ने अगस्त में अनुच्छेद 370 रद्द किए जाने के बाद से क्षेत्र (कश्मीर में) संचार पर लगाए गए प्रतिबंधों की आलोचना की और उम्मीद जताई कि भारत लोकतंत्र के रूप में अपने मूल्यों पर खरा उतरेगा। उन्होंने कहा, भारत सरकार का कहना है कि लोगों की भलाई और क्षेत्र के विकास के लिए विशेष दर्जा समाप्त किया गया। विडम्बना यह है कि जिन लोगों के नाम पर यह किया गया, उनसे विचार विमर्श भी नहीं किया गया और दशकों में भारतीय झंडा बुलंद करने वाले नेताओं को हिरासत में रखा गया।

भारतीय समुदाय ने सीनेटरों से की ग्रीन कार्ड को लेकर देशों के लिए निर्धारित सीमा हटाने की अपील

एजेंसी। वाशिंगटन

भारतीय समुदाय के एक शीर्ष थिंक टैंक ने अमेरिकी सीनेट से वह लंबित विधेयक पारित करने की अपील की है जिसमें ग्रीन कार्ड या कानूनी स्थाई निवास दस्तावेज जारी करने को लेकर देशों के लिए निर्धारित सीमा हटाने की बात की गई है। थिंक टैंक का कहना है कि ऐसा नहीं किए जाने के कारण अमेरिका से प्रतिभाशाली लोग बाहर जा रहे हैं और इसका अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने अमेरिकी सीनेटरों को सौंपे गए एक नीति पत्र में कहा कि देश के आधार पर संख्या निर्धारित होने के कारण स्थाई निवास के आवेदनों को आगे बढ़ाने में अत्यधिक देरी होती है जिससे अमेरिका को राजस्व का नुकसान होता है और वह बाजार में नेतृत्व और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से पीछे रह जाता है। एफआईआईडीएस ने कहा कि काम के आधार पर आव्रजन अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उचित प्रतिभा को आकर्षित करने का अच्छा तरीका है लेकिन स्थाई निवास की प्रक्रिया में देश के आधार पर सीमा संबंधी वार्षिक नियमन इसे रोक रहा है।

एफआईआईडीएस ने सीनेटरों से अपील की कि वे कार्य वीजा पर दक्ष आव्रजकों के लिए देश के आधार पर सीमा हटाए, कुशलता के आधार पर आव्रजन को परिवार के आधार पर आव्रजन से अलग देखें और देश के आधार पर सीमा की कुल गणना में प्राथमिक वीजा धारकों के आश्रितों की गिनती को समाप्त करें। इसमें कहा गया है कि कुशल विशेषज्ञ आव्रजकों को देश में रहने और उसकी अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित कर कानून प्रावधानों में योग्यता आधारित दृष्टिकोण अपनाए जाने की आवश्यकता है। थिंक टैंक ने कहा कि ग्रीन कार्ड जारी करने में देरी होने के कारण प्रतिभाशाली लोग देश से बाहर जा रहे हैं। उदाहरण के लिए अमेरिका में कई भारतीय आव्रजक उद्यमी, भारत में ही सफल स्टार्टअप शुरू करने के लिए अपने देश लौट गए।

इज़राइल में अवैध रूप से रहने के मामले में भारतीय दंपति को बच्चों समेत गिरफ्तार किया गया

एजेंसी। यरुशलम

इज़राइल आव्रजन प्राधिकरण ने देश में अवैध रूप से रहने के आरोप में एक भारतीय दंपत्ति और उनके बच्चों को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया।

खबरों में बताया गया है कि उनकी गिरफ्तारी उनके प्रस्तावित निर्वासन से ठीक पहले हुई है। देश के पोपुलेशन एंड इमीग्रेशन अथॉरिटी के अधिकारी टीना और मिमिन लोपेज के घर में घुसे और उन्हें उनकी सात साल की बेटी और एक साल के शिशु के साथ गिरफ्तार कर लिया।

परिवार को मध्य इज़राइल में स्थित हिरासत केंद्र ले जाया गया। भारतीय दूतावास के सूत्रों ने बताया कि परिवार को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया और फिर अदालत में पेश किया गया। दंपति कर्नाटक के रहने वाले हैं और वे इज़राइल में बिना वीजा के लंबे अरसे रह रहे थे। उनके भारतीय पासपोर्ट की समय सीमा भी खत्म हो गई है।

अगले हफ्ते हिद-प्रशांत क्षेत्र के चार देशों का दौरा करेंगे अमेरिकी रक्षा मंत्री

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क एस्पर अगले सप्ताह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दक्षिण कोरिया, थाईलैंड, फिलीपींस तथा वियतनाम का दौरा करेंगे। इस क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख के बीच पेंटागन ने इसकी पहचान प्राथमिकता वाले क्षेत्र के तौर पर की है। पेंटागन के प्रेस सचिव जोनाथन हॉफमैन ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा, अगले बुधवार (13 नवंबर) को मंत्री एस्पर हमारी प्राथमिकता वाले क्षेत्र, हिंद-प्रशांत देशों के दौरे पर रवाना होंगे।

उन्होंने कहा कि एस्पर सियोल, बैंकॉक, मनीला और हनोई की यात्रा करेंगे जहां वह आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे और क्षेत्र में उन सहयोगियों एवं साझेदारों से मुलाकात करेंगे जो मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अमेरिका के नजरिए पर समान दृष्टिकोण रखते हैं। हॉफमैन ने कहा, हम दक्षिण चीन सागर के सैन्ईकरण और चीन की आक्रामक व्यावसायिक एवं आर्थिक गतिविधियों जैसी सामान्य चुनौतियों पर चर्चा करेंगे।

चीन संसाधन संपन्न दक्षिण चीन सागर में सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करता रहा है। बीजिंग इस विवादित क्षेत्र के अधिकतर हिस्से पर दावा करता है और उसने संयुक्त राष्ट्र के समर्थन वाले अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण की इस व्यवस्था को खारिज कर दिया था कि दक्षिण चीन सागर में चीन का दावा बिना कानूनी आधार के है। हालांकि वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया, ब्रूनेई और ताईवान के इस जलक्षेत्र पर चीन के विपरीत विचार हैं।

दक्षिण चीन सागर में खनिज, तेल और अन्य प्राकृतिक संसाधनों का विपुल भंडार है। यह वैश्विक व्यापार के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। पेंटागन के प्रेस सचिव ने कहा कि यह दौरा मंत्रालय की उन चिंताओं को दर्शाता है जो क्षेत्र में कानून आधारित अंतरराष्ट्रीय सीमा को कमतर करने के चीन के प्रयासों पर केंद्रित हैं।

दक्षिण कोरिया में, एस्पर 51वीं अमेरिकी-दक्षिण कोरिया सुरक्षा परामर्श बैठक में शामिल होंगे जहां वह देश के रक्षा मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद एस्पर थाईलैंड जाएंगे जहां वह आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। वहीं फिलीपींस और वियतनाम में भी वह अपने समकक्षों एवं अन्य प्रमुख अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और क्षेत्रीय रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करेंगे।

इराक का प्रमुख बंदरगाह फिर हुआ बंद, बगदाद में छह प्रदर्शनकारियों की मौत

बगदाद। इराक में मध्य बगदाद की तरफ मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों ने बृहस्पतिवार को गोलियां चला दीं जिसमें छह प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि ए प्रदर्शनकारी रास्ते में लगे अवरोधकों को हटाने का प्रयास कर रहे थे। दूसरी तरफ देश के दक्षिणी हिस्से में प्रदर्शनकारियों ने इराक के मुख्य बंदरगाह को बंद करा दिया।

ब्रिटेन में मतदान से पहले सोशल मीडिया कंपनियां दुष्प्रचार से मुकाबले को तैयार

एजेंसी। लंदन

फेसबुक ब्रिटेन में चुनाव के दौरान अफवाहों पर त्वरित कार्वाई के लिए एक वार-रूम खोल रही है, ट्विटर राजनीतिक विज्ञापनों पर रोक लगा रहा है, वहीं गूगल ने यूट्यूब पर फर्जी वीडियो पर कार्वाई की योजना बनाई है। इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का कहना है कि वे यहां अगले महीने होने वाले आम चुनाव से पहले दुष्प्रचार के खिलाफ सघन अभियान चला रहे हैं।

लेकिन डिजिटल विशेषज्ञों के अनुसार ब्रिटिश मतदाता अब भी इस तरह के भ्रामक विज्ञापनों का शिकार हो रहे हैं जिनकी तीन साल पहले यूरोपीय संघ से अलग होने के लिए हुए मतदान में बड़ी भूमिका रही। ऑनलाइन दुष्प्रचार और डिजिटल विज्ञापन नियमन को लेकर सरकार की ओर से कोई कार्वाई नहीं किए जाने के बाद इंटरनेट कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है। 2016 में ब्रेक्जिट पर हुए जनमत संग्रह तथा अमेरिका में 2016 में ही हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले गलत जानकारियों के प्रसार को लेकर इन कंपनियों की खासी आलोचना हो चुकी है।

सही टाइमिंग से लगते हैं गगनचुंबी छक्के : रोहित

● डोले-शोले की जरूरत नहीं

एजेंसी। राजकोट

भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गगनचुंबी छक्के हिट करने की अपनी तकनीक के बारे में बात करते हुए कहा कि इसके लिए ताकत की नहीं बल्कि सही टाइमिंग की जरूरत होती है। भारत की गुरूवार को बांग्लादेश पर यहां आठ विकेट की जीत के नायक रहे रोहित ने 43 गेंद में 85 रन बनाए। कार्यवाहक कप्तान ने बीसीसीआई की अधिकारिक वेबसाइट पर युजवेंद्र चहल द्वारा इंटरव्यू वाले कार्यक्रम चहल टीवी पर यह बात कही। कार्यवाहक कप्तान ने चहल से कहा, आपको छक्के जड़ने के लिए डोले-शोले की जरूरत नहीं है, तुम (चहल) भी लगा सकते हो। उन्होंने कहा, वैसे छक्के मारने के लिए पॉवर ही नहीं चाहिए, बल्कि टाइमिंग की भी जरूरत होती है, गेंद बल्ले के बीच में आनी चाहिए, आपकी पोजीशन सही होनी चाहिए। सिर सीधा होना चाहिए। अगर आप इन चीजों को ध्यान रखोगे तो छक्के लगेंगे। रोहित की पारी छह छक्के जड़े थे। इनमें 10वें ओवर में लगाए गए लगातार तीन छक्के भी शामिल हैं। यह पूछने पर कि क्या वह लगातार छह छक्के जड़ने की कोशिश में थे तो रोहित ने कहा, कोशिश तो यही थी, मुझे छह छक्के लगाने थे। लेकिन चौथे से चूकने के बाद मैंने सोचा कि अब एक रन ही लूंगा। मैं मूव किए बिना हिट करने की कोशिश कर रहा था। रोहित ने पारी के बारे में बात करते हुए कहा, किसी का लंबी पारी खेलना अहम था क्योंकि जब एक बल्लेबाज लंबी पारी खेलता है तो वह टीम को जीत तक पहुंचा सकता है। मैं खुद के प्रदर्शन से खुश हूं। लेकिन इससे ज्यादा टीम के लिए खुश हूं। उन्होंने कहा, हम दबाव में थे क्योंकि हम पहला मैच गंवा चुके थे लेकिन हमने सारी जरूरी चीजें कीं। निश्चित रूप से हम इससे बेहतर भी कर सकते हैं। निर्णायक तीसरा मैच रविवार को नागपुर में खेला जाएगा जिसके बाद दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी।

हार के लिए बल्लेबाज दोषी : महमुदुल्लाह

राजकोट। बांग्लादेश के कप्तान महमुदुल्लाह ने भारत के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच मे हार के लिए मध्यक्रम के बल्लेबाजो को दोष देते हुए कहा कि उनके बल्लेबाज लय बरकरार रखने में विफल रहे। भारत की स्पिन जोड़ी युजवेंद्र चहल और वाशिंगटन सुंदर ने बीच के ओवरो मे रन गति पर अंकुश लगाकर बांग्लादेश को अच्छी शुरुआत का फायदा नही उठाने दिया और उसकी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 153 रन ही बना पाई। महमुदुल्लाह ने मैच के बाद पत्रकारो से कहा, मुझे नही लगता कि हमे बहुत बदलाव की जरूरत है लेकिन कुछ विभाग है, विशेषकर बल्लेबाजी मे, जिनमे सुधार की जरूरत है। हम लय बरकरार नही रखे पाए। हमे 170 रन का स्कोर बनाना चाहिए था। हमने 12 ओवर के बाद 102-103 रन बनाए थे इसलिए हमे 170-180 रन तक पहुंचना चाहिए था। हमने बीच के ओवरो मे विकेट गंवाने का खामियाजा भुगता और इस पर हमे गौर करने की जरूरत है। सलामी बल्लेबाजो ने हमे बहुत अच्छी शुरुआत दिलाई थी और इस विकेट पर 180 रन का स्कोर बन सकता था। विकेट बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा था। बांग्लादेश के कप्तान ने कहा, हमे खेल की लय को समझने की जरूरत थी। हमे एक निश्चित समय मे मिलने वाली चुनौती को समझना चाहिए था लेकिन हम ऐसा नही कर पाए और बड़ा स्कोर नही बना सके। महमुदुल्लाह ने हार के लिए बल्लेबाजो को दोषी ठहराया जो बल्लेबाजी के लिए अनुकूल विकेट पर बड़ा स्कोर नही बना पाए। उन्होने कहा, मेरा मानना है कि अगर टी20 मे आप 40 से अधिक गेंदे खाली छोड़ते हो तो आपकी जीत की संभावना कम हो जाती है। हमने 38 गेंदो पर रन नही बनाए। इसमे सुधार करना होगा। हमारे बल्लेबाजो को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। हमारा लक्ष्य बड़ा स्कोर बनाना था लेकिन हम ऐसा नही कर पाए। यह हमारे बल्लेबाजो की नाकामी थी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 43 गेंदो पर 85 रन बनाकर मैच को एकतरफा कर दिया था। इससे भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैचो की श्रृंखला।-। से बराबर कराई। महमुदुल्लाह ने कहा, जब रोहित अपनी लय मे होते है तो उन्हे रोकना मुश्किल होता है लेकिन अगर हमने 175 से अधिक का स्कोर बनाया होता तो हमारी जीत की संभावना रहती।

संगकारा ने पंत को सलाह दी

● बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग दोनों में सहज बनो

एजेंसी। नई दिल्ली

श्रीलंका के महान क्रिकेटर कुमार संगकारा ने ऋषभ पंत को लगातार असफलताओं के बाद खोए आत्मविश्वास को हासिल करने के लिए बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग दोनों विभाग में सहज बने रहने की सलाह दी। आलोचनाओं का सामना कर रहे पंत ने इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया में शतक जड़कर अपने टेस्ट कैरियर की शानदार शुरूआत की लेकिन पिछले कछ समय से वह भारतीय टीम में अपना स्थान बरकरार रखने के लिए जूझ रहे हैं और ऐसा बल्लेबाजी के अलावा स्टंप के पीछे उनका खराब प्रदर्शन के कारण हो रहा है। संगकारा (42 वर्ष) ने कहा, उसके (पंत) लिए चीजें सहज बनाए रखना अहम है और उसे अपनी कमजोरियों को समझना होगा। एक बार वह इन चीजों पर काम करने में सफल रहेगा तो उसे रणनीतियों और योजना की जरूरत होगी क्योंकि इस समय उसे दबाव में आने की नहीं बल्कि चीजें सरल रखने की जरूरत हैं उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव शो में कहा, साथ यह भी अहम है कि कोई उससे उसकी बललेबाजी के बारे में बात करे और उससे दबाव कम करे। उसे अपने खेल में स्वच्छंद होकर खेलने दें। संगकारा को लगता है कि पंत को स्टंप के पीछे बिलकुल सटीक और सतर्क रहना होगा क्योंकि यह युवा खिलाड़ी बांग्लादेश के खिलाफ चल रही मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी जूझ रहा है। पूर्व श्रीलंकाई कप्तान ने कहा, विकेटकीपर के तौर पर, आपको स्टंप के पीछे सटीक और सतर्क रहना होगा जिससे उसे आत्मविश्वास मिलेगा और वह अपने कप्तान की रिव्यू के फैसले लेने में मदद करने बेहतर स्थिति में होगा।

शुद्धिपत्र
ICICI Bank
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
पंजी. कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर, चकली सर्किल, ओल्ड पाद्रा रोड, वडोदरा–390 007
कार्पोरेट कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक टावर्स, बान्द्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पू), मुंबई–400051
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक, द्वितीय तल, वीडियोकॉन टावर, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली–110055
ऋण खाता संख्या एलबीएफडीबी00002378934, के साथ आवेदक अर्चना गुप्ता के संबंध में आस्ति की बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना – निविदा–सह–नीलामी दिनांकित 08 नवम्बर, 2019 जारी की गई थी। उक्त सूचना में अन्य विषयवस्तु अपरिवर्तित है। कृपया नीलामी की तिथि 29 नवम्बर, 2019 के स्थान पर 30 नवम्बर, 2019 के रूप में पढ़ें। शेष नियम एवं शर्तें पूर्ववत हैं।
दिनांकित : 08–11–2019 हस्ता./–
स्थान : दिल्ली/एनसीआर प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

प्रेसीडेंट कप में खेलेंगे अमेरिकी कप्तान वुड्स

लास एंजिलिस। टाइगर वुड्स अगले महीने अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ के रॉयल मेलबर्न में होने वाले प्रेसीडेंट कप गोल्फ टूर्नामेंट में अमेरिकी टीम की अगुवाई करेंगे। अप्रैल में मास्टर्स में अपना 15वां मेजर खिताब और अक्टूबर में जापान में जोजो चैंपियनशिप जीतने वाले वुड्स ने 12 सदस्ईय टीम के चार कप्तानों में खुद को शामिल किया है। उनके अलावा यूएस ओपन चैंपियन गैरी वुडलैंड, पूर्व मास्टर्स चैंपियन पैट्रिक रीड ओर टोनी फिनाउ भी इनमें शामिल हैं। वुड्स 1994 के बाद प्रेसीडेंट कप में खिलाड़ी कप्तान बनने वाले पहले गोल्फर हैं। उनसे पहले अमेरिका के हेल इर्विन 1994 में खिलाड़ी कप्तान बने थे।

इंग्लैंड ने टेस्ट श्रृंखला के लिए बेयरस्टॉ को टीम में शामिल किया

वेलिंगटन। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इस महीने के आखिर में होने वाले दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए जॉनी बेयरस्टॉ को चोटिल जो डेनली के कवर के तौर पर टीम में शामिल किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज बेयरस्टॉ ने अब तक 69 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्हें मूल टीम में नहीं चुना गया था, हालांकि वह टी20 टीम का हिस्सा हैं और इसलिए अभी न्यूजीलैंड में हैं। इंग्लैंड टीम के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह 30 वर्षीय खिलाड़ी रविवार को आकलैंड में होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद भी टीम के साथ न्यूजीलैंड में रहेगा। डेनली दो सप्ताह पहले दाएं टखने में चोट के बाद नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने हालांकि गुरुवार को नेट्स पर अभ्यास किया और प्रवक्ता ने कहा कि टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह अगले सप्ताह न्यूजीलैंड एकादश के खिलाफ होने वाले अभ्यास मैच में खेलने के लिए फिट हो जाएंगे। पहला टेस्ट मैच टारूंगा में 21 नवंबर से शुरू होगा। इंग्लैंड की टेस्ट टीम इस प्रकार है : जो रूट (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टॉ, स्टुअर्ट ब्रॉड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर, जॉक क्रॉले, सैम कुरेन, जो डेनली, जैक लीच, साकिब महमूद, मैथ्यू पार्किंसन, ओली पोप, डोमिनिक सिबली, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स।

मोहन बागान के पूर्व सचिव मित्रा का निधन

कोलकाता। मोहन बागान के दो दशक से भी अधिक समय तक महासचिव रहे अंजन मित्रा का शुक्रवार को यहां निधन हो गया। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। मित्रा 72 साल के थे। उनके परिवार में पत्नी सुजाता मित्रा और पुत्री सोहिनी मित्रा चौबे है। मित्रा 2014 में बाइपास सर्जरी के बाद से ही कई परेशानियों से जूझ रहे थे। अस्पताल के सूत्रों ने कहा, उन्होंने तड़के तीन बजकर 10 मिनट पर अंतिम सांस ली। मित्रा मई 1995 में बागान के महासचिव बने थे और अक्टूबर 2018 तक इस पद पर रहे।

निशानेबाज चिंकी ने भारत को 11वां ओलंपिक कोटा दिलवाया

● 14वीं एशियाई चैंपियनशिप में पदक नहीं जीत सकीं

एजेंसी। दोहा

चिंकी यादव ने कैरियर के सर्वश्रेष्ठ क्वालीफिकेशन स्कोर 588 अंक से निशानेबाजी में भारत को 11वां ओलंपिक कोटा दिलाया लेकिन वह शुक्रवार को यहां 14वीं एशियाई चैंपियनशिप में पदक नहीं जीत सकीं। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की रजत और जूनियर विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदकधारी निशानेबाज हालांकि फाइनल में क्वालीफिकेशन जैसा प्रदर्शन नहीं दोहरा सकी और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा फाइनल में 116 अंक के स्कोर से छठा स्थान ही हासिल कर पाईं। मध्यप्रदेश सरकार के भोपाल में खेल विभाग में इलेक्ट्रीशियन की बेटी चिंकी ने क्वालीफिकेशन में 588 अंक बनाए जिसमें एक परफेक्ट 100 भी शामिल है। वह थाईलैंड की नेपहासवान यांगपाइबून (590) के बाद दूसरे स्थान पर रही। इस 21 वर्षीय निशानेबाज ने स्पर्धा के बाद कहा, मैं बयां नहीं कर सकती कि मैं कितनी खुश हूं। यह मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। मैं इसका श्रेय अपने कोचों, विशेषकर जसपाल सर को दूंगी और साथ ही उन्हें जिन्होंने मेरा पूरा सहयोग किया जिसमें भोपाल अकादमी और एनआरएआई शामिल हैं। फाइनल के लिए क्वालीफाई करने से ही चिंकी ने देश के लिए ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया क्योंकि आठ फाइनलिस्ट में से चार ने पहले ही पूर्व प्रतियोगिताओं से कोटे हासिल कर लिए थे। मौजूदा टूर्नामेंट में चार कोटे दांव पर लगे थे। भारत के लिए यह 25 मीटर पिस्टल में दूसरा ओलंपिक कोटा है। इससे पहले राही सरनोबत ने इस साल के शुरू में म्यूनिख में विश्व कप में पहला कोटा हासिल किया था। इस स्पर्धा में भाग ले रही अन्य भारतीय निशानेबाजों में अनुराज सिंह (575) और नीरज कौर (572) क्रमश: 21वें और 27वें स्थान पर रही। भारत 10 मीटर राइफल (पुरूष और महिला), 50 मीटर राइफल थ्री पाजीशन (पुरूष), 10 मीटर एयर पिस्टल (पुरूष और महिला) और 25 मीटर एयर पिस्टल (महिला) स्पर्धाओं में ओलंपिक कोटा हासिल कर चुका है। पुरूषों की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में संजीव राजपूत, शुभंकर प्रमाणिक और तरूण यादव ने 1865.1 के संयुक्त स्कोर से रजत पदक अपने नाम किया। पुरूषों की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में उदयवीर सिद्धू ने 577 अंक से व्यक्तिगत रजत पदक हासिल किया जबकि उदयवीर, विजयवीर सिद्धू और गुरप्रीत सिंह ने 1710 अंक से टीम को स्वर्ण पदक दिलाया। भारत ने जूनियर और युवा वर्गों में दबदबा जारी रखते हुए 11 और पदक हासिल किए जिसमें छह और स्वर्ण पदक शामिल हैं। देश के अभी तक टूर्नामेंट में 35 पदक हो गए हैं।

कर्नाटक ने उत्तराखंड को हराकर रिकार्ड 15वीं टी20 जीत हासिल की

विशाखापत्तनम। कर्नाटक ने शुक्रवार को यहां सैयद मुश्ताक अली ट्राफी के ग्रुप ए मैच में उत्तराखंड को नौ विकेट से हराकर लगातार 15 वां टी20 मैच जीता और भारतीय रिकार्ड बनाया। सलामी बल्लेबाज रोहन कदम और देवदत्त पडीक्क्ल ने नाबाद अर्धशतकों की मदद से कर्नाटक ने 133 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की।

सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड
सीआईएन : एल74899डीएल1994पीएलसी061995
पंजीकृत कार्यालय : एनएस–92, खसरा नंबर 33/21, राणाजी एन्क्लेव, नजफगढ़, निकट अर्जुन पार्क बस स्टैंड, नई दिल्ली–110043,
ई–मेल : superiorfinlease@gmail.com
वेबसाइट : http:www.superiorfinlease.com
फोन नंबर : +91–9953798335
सूचना
एतद्द्वारा भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 29 एवं विनियम 33 के साथ पठित विनियम 47 के अनुसरण में सूचना दी जाती है कि अपरिहार्य परिस्थिति के कारण, कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक, जो शुक्रवार, 08 नवम्बर, 2019 को आयोजित की जानी निर्धारित थी अब बृहस्पतिवार, 14 नवम्बर, 2019 को अप. 2.00 बजे कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जानी पुनर्निर्धारित की गई है, जिसमें, अन्य के साथ, 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही और अर्द्ध वर्ष हेतु कम्पनी के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम विचारित किए जाएंगे।
अतिरिक्त विवरण कम्पनी की वेबसाइट नामतः www.superiorfinlease.com तथा बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट नामतः http://www.bseindia.com और मेट्रोपोलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट https://www.msei.in/ पर भी उपलब्ध होगा, जहां कम्पनी के शेयर सूचीबद्ध हैं।
वास्ते सुपीरियर फिनलीज लिमिटेड
हस्ता./–
(रजनीश कुमार)
तिथि : 08 नवम्बर, 2019 निदेशक
स्थान : नई दिल्ली डीआईएन : 02463693

ई–निविदा प्रेस सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यकारी अभियंता, सिविल मंडल–4, सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, एल एम बंध, कार्यालय परिसर, शास्त्री नगर, दिल्ली 31 कार्य के लिए सिंचाई एवं बाढ नियंत्रण विभाग से पंजीकृत अनुमोदित एवं पात्र ठेकेदारों से आनलाईन प्रतिशत दर दिनांक 11.11.2019 अपराह्न 3:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं।
एच.ओ. ए.: एमएलएएलएडी फंडस् अंडर डिपार्टमेन्ट ओफ अर्बन डिवलमेन्ट
1 एन आई टी न0 43/रि ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183264_1) कार्य का नामः गॉधी नगर विधान सभा क्षेत्र (एसी–61) में चॉद मौहल्ला में क्षतिग्रस्त गलियों का सुधार कार्य। अनुमानित लागत 34,21,299/– धरोहर राशि रू 368,426/– समापन की अवधि 45 दिन।
एच.ओ. ए.: एमएलएएलएडी फंडस् अंडर डिपार्टमेन्ट ओफ अर्बन डिवलमेन्ट
2 एन आई टी न0 47/रि ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183267_1) कार्य का नामः गॉधी नगर विधान सभा क्षेत्र एसी–61 में कान्ती नगर एक्सटैशन में क्षतिग्रस्त गलियों का सुधार कार्य। अनुमानित लागत 21,75,979/– धरोहर राशि रू 43,520/– समापन की अवधि 45 दिन।
एच.ओ. ए.: एमएलएएलएडी फंडस् अंडर डिपार्टमेन्ट ओफ अर्बन डिवलमेन्ट
3 एन आई टी न0 49/रि ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183268_1) कार्य का नामः गॉधी नगर विधान सभा क्षेत्र (एसी–61) में रघुबार पुर न01 में क्षतिग्रस्त गलियों का सुधार कार्य। अनुमानित लागत 18,80,895/– धरोहर राशि रू 37,618/– समापन की अवधि 45 दिन।
एच.ओ. ए.: एमएलएएलएडी फंडस् अंडर डिपार्टमेन्ट ओफ अर्बन डिवलमेन्ट
4 एन आई टी न0 50/रि ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183296_1) कार्य का नामः गॉधी नगर विधान सभा क्षेत्र (एसी–61) में वैस्ट आजाद नगर में क्षतिग्रस्त गलियों का सुधार कार्य। अनुमानित लागत 39,49,428/– धरोहर राशि रू 78,989/– समापन की अवधि 75 दिन।
एच.ओ.ए.: डिवलमेंट ओफ अन–आथोराइज्ड कालोनी
5 एन आई टी न0 155/ई ई/सी डी–4/आई एफ सी/2019–20 (आई डी न0 2019_आई एफ सी_183318_1) कार्य का नामः गोकुल पुरी विधान सभा क्षेत्र. (एसी–68) ए और बी ब्लाक डा अम्बेडकर कालोनी जौहरीपुर एक्सटैशन अन–आथोराइज्ड कालोनी (रजि न0 810/895) (बैंलैस वर्क) वाली गली व समीप का नाला व ड्रैन को ऊँचा उठाने गलियों के सुधार का कार्य, सम्मिलित 5 साल की मरम्मत का कार्य। अनुमानित लागत 24,73,937/– धरोहर राशि रू 49,479/– समापन की अवधि 90 दिन।
नोट 1) ठेकेदारों की सूचीबद्धता निविदा खुलने की अन्तिम तिथि को वैध होनी चाहिए अगर निविदा खोलने की तिथि आगे बढाई जाती है तो उसी वैधता तारीख निविदा खुलने वाले दिन तक समझी जायेगी।
2) निम्नलिखित की प्रतियाँ भी ई निविदा पर डालना अनिवार्य है।
1 जीएसटी पंजीकरण की छाया प्रति अप टू डैटूफाईल रिटैन प्रुफ।
2 सूचीबद्धता पंजीकरण उपयुक्त वर्ग है।
3 धरोहर राशि की छाया प्रति
4 ईएसआईसी/ईपीएफओ पंजीकरण की छाया प्रति।
5 पेन न0 /स्थायी खाता संख्या की छाया प्रति।
6 वैध फोन न0, वटसप न0 /ई मेल आई डी।
3) धरोहर राशि डीडी/एफडीआर के रूप में जो कि देय होगी ई ई, सी डी–4 के संदर्भ में निविदा खोलने के 3.00 बजे तक भौतिक रूप में कार्यालय ई ई, सी डी–4 जमा की जायेगी। यदि धरोहर राशि भोतिक रूप से जमा नहीं की गयी तो निविदा रद्द समझी जायेगी। उपरोक्त उल्लेखित कार्य का विवरण वेबसाईट http://govtprocurement.delhi.gov.in से देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।
4) निविदा दस्ती जमा नहीं की जाएगी। केवल वेबसाईट ई प्रोक्योरमेन्ट पर अपलोड की हुई मान्य है।
हस्ता/–
कार्यकारी अभियंता, सी डी–4
DIP/Shabdarth/0967/19-20

पंत को समय देने की जरूरत, वह अच्छा प्रदर्शन करेगा : गांगुली

कोलकाता। विकेट के पीछे और बल्ले से संघर्ष कर रहे ऋषभ पंत का बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने समर्थन करते हुए कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज शानदार खिलाड़ी है और समय के साथ उनके खेल मे निखार आएगा। पंत बांग्लादेश के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला मे खराब फार्म से गुजर रहे है। गांगुली से जब पूछा गया कि क्या उन्हे विकेट के पीछे महेन्द्र सिंह धोनी की कमी खल रही है तो उन्होने कहा, वह (पंत) शानदार खिलाड़ी है। उसे थोड़ा समय देने की जरूरत है, वह अच्छा करेगा। , वह धीरे-धीरे परिपक्व होगा, आपको उसे समय देना होगा। भारतीय टीम ने कल (गुरुवार को) शानदार खेल दिखाया। बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मे 26 गेंद मे 27 रन बनाने वाले पंत की खराब विकेटकीपिंग और गलत डीआरएस का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा था और बांग्लादेश की टीम पहली बार टी20 मे भारत को हराने मे सफल रही। दूसरे टी20 मे उन्होने आसान स्टंपिग की लेकिन विकेट के आगे गेंद पकड़ने के कारण यह नाबोल हो गई। उन्होने हालांकि इसके बाद शानदार रन आउट और स्टंपिग करके खुद से दबाव कुछ कम किया। गांगुली ने इस मौके पर कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ ईडन गार्डन मे 22 से 26 नवंबर तक होने वाले दिनारात्रि क्रिकेट मैच के पहले दिन बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना घंटी बजाकर मैच शुरू होने की घोषणा करेगी। इस मौके पर बंगाल क्रिकेट संघ उन सभी क्रिकेटरो को सम्मानित करेगा जो भारत और बांग्लादेश के बीच 2000 मे खेले गए पहले टेस्ट मैच की टीम मे शामिल थे। गांगुली ने इस मुकाबले मे पहली बार टेस्ट टीम की अगुवाई की थी। सब ने पुष्टि कर दी है। हम दोपहर मे सबका स्वागत करेंगे। इस टेस्ट मैच के दौरान अभिनव बिंद्रा, एमसी मेरीकोम और पीवी सिंधू जैसे दिग्गज ओलंपिक पदक विजेताओ के साथ महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को आमंत्रण कर उन्हे सम्मानित करने की योजना है।

रांची में बैडमिंटन के मैच का आनंद लेते धोनी

मुंबई ने मिजोरम को 10 विकेट से हराया

मुंबई। मुंबई ने शुक्रवार को यहां अपने लीग मुकाबले मे मिजोरम को 10 विकेट से शिकस्त देकर सैयद मुश्ताक अली ट्रापी टी20 टूर्नामेंट अभियान की शुरूआत जीत से की। इस साल यह राष्ट्रीय टी20 चैम्पियनशिप इंडियन प्रीमियर लीग नीलामी से पहले हो रही है। वानखेड़े स्टेडियम मे पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला करने के बाद मुंबई ने कामचलाऊ आफ स्पिनर सिद्धेश लाड के पांच विकेट से मिजोरम को महज 77 रन पर समेट दिया और फिर इस लक्ष्य को सिर्फ 8.1 ओवर मे हासिल कर लिया जिसमे सलामी बल्लेबाज जय बिष्टा ने 24 गेंद मे नाबाद 50 रन (पांच चौके और तीन छक्के) और उनके साथी आदित्य तारे ने नाबाद 22 रन बनाए।

कार्यालय ग्राम पंचायत सालेपुर कोटला विकास खण्ड–हापुड, जनपद हापुड
पत्रांक/मीमो0/निविदा प्रकाशन/ग्रा0पअ0/2019–20 दिनांकः– 08.11.2019
अल्पकालीन निविदा
ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/चौहदंवा वित्त योजना के अन्तर्गत निम्नांकित कार्यो के लिये पंजीकृत ठेकेदारों से सील बन्द निविदायें दिनांक 15/11/19 को सांय के 2.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 16–11–19 तक कार्यालय समय में सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। निविदा अधिकृत अधिकारियों द्वारा इच्छुक ठेकेदारों की उपस्थिति में दिनांक 16–11–19 की सांय 3.00 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं.	कार्य का नाम	कार्य का स्थल	कार्य की माप	अनु0 लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य पूर्ण होने की अवधि
1.	सी0सी0	मेहराणुददीन की चक्की से इरशाद तक	–	192786	3855	200	एक माह
2.	"	अब्बास से फरमान S/O तारिफ तक	–	225736	4514	300	"
3.	"	फरमान S/O तारिफ से इमरान की दुकान	–	201424	4028	300	"
4.	"	इरफान की दुकान से हनीफ S/O वकील	–	248894	4977	300	"
5.	"	हनीफ S/O वकील से हॉजीनूर तक	–	489865	9797	500	"
6.	"	नूर मौ0 से आस मौ0 तक	–	481572	9631	500	"
7.	"	नजरू से आस मौहम्मद तक	–	283200	5664	300	"
8	"	मु0 जी इदरीश से मैन रास्ते तक	–	211725	4300	300	"
9	"	समीर से मैन रास्ते तक	–	224845	4600	300	"
10	"	हसरत से मैन रास्ते तक	–	120115	2450	200	"
11	"	फरमान से मैन रास्ते तक	–	128355	2500	200	"
12	मिट्टी भराव	तालाब से वाकत के खेत तक	–	90000	1800	100	"

नियम व शर्तेः–
1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0/पास बुक के रूप मे दी जा सकती है सम्बन्धित ग्राम पंचायत के नाम से बन्धन हो अथवा नकद जमा की जा सकती हैं।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सम्बन्धित ग्राम पंचायत को होगा।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त हापुड़ के यहा होना चाहिए तथा ठेकेदार को प्रत्येक कार्य का पंजीकरण उप श्रमायुक्त कार्यालय हापुड़ में कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100रू क नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाने।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतिया की जायेगी।
8. अन्य नियम व शर्तें लागू रहेंगी।

प्रधान ग्रापंअ0/ग्राविआ0(सचिव)
ग्राम पंचायत सालेपुर कोटला ग्राम पंचायत सालेपुर कोटला

अंडर–19 चैलेंजर ट्राफी की टीमें घोषित

नई दिल्ली। आल इंडिया जूनियर चयन समिति ने 11 नवंबर से हैदराबाद मे खेली जाने वाली आगामी अंडर-19 चैलेंजर ट्राफी के लिए शुक्रवार को यहां इंडिया ए, इंडिया बी और इंडिया सी की टीमे घोषित की। टूर्नामेंट मे नेपाल ए की टीम भी खेलेगी जो चौथी टीम होगी। अखिल भारतीय जूनियर चयन समिति ने एमर्जिंग एशिया कप के लिए भारतीय टीम मे शिवम मावी और आदित्य ठाकरे को क्रमशः चोटिल अर्शदीप सिंह और कमलेश नागरकोटी की जगह शामिल किया। बीसीसीआई की चिकित्सईय टीम ने सूचित किया कि नागरकोटी अस्वस्थ है और टूर्नामेंट मे शिरकत नही कर पाएंगे जबकि अर्शदीप को ट्रेनिंग के दौरान मांसपेशियो मे खिंचाव आ गया था। इंडिया ए के कोच पारस म्हाम्ब्रे, इंडिया बी के कोच अभय शर्मा और इंडिया सी के कोच ऋषिकेश कानिटकर है।

ऋद्धिमा ने सत्र का चौथा खिताब जीता

नोएडा। ऋद्धिमा दिलवारी ने आखिरी दौर मे एक ओवर 73 के कार्ड के साथ हीरो वुमेन प्रो गोल्फ टूर के 14वे दौर मे शुक्रवार को यहां छह शाट की बढ़त के साथ खिताब अपने नाम किया। ऋद्धिमा का कुल स्कोर तीन अंडर 213 रहा जिससे उन्होने सत्र का चौथा खिताब अपने नाम किया। त्वेसा मलिक (70) और अमनदीप द्राल (73) संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रही। दीक्षा डागर (73) और गौरिका विश्नोई (75) क्रमशः चौथे और पांचवे स्थान पर रही।

संधू और चौरसिया संयुक्त तीसरे स्थान पर, कपूर ने कोर्स रिकार्ड बनाया

चाचोएंगसाओ (थाईलैंड)। भारतीय गोल्फर अजीतेश संधू और एसएसपी चौरसिया ने शुक्रवार को थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर मे चार अंडर 67 का समान कार्ड खेला जिससे दोनो संयुक्त तीसरे स्थान पर चल रहे है। वे शीर्ष पर चल रहे थाईलैंड के पेशेवर पूम पटारोपोग (65) और थाईलैंड के एमेच्योर नाटाफट हर्नाचोकचाईसकुल (70) से महज एक शाट पीछे है जो आठ अंडर 134 के साथ शीर्ष पर चल रहे है। लीडरबोर्ड पर संधू और चौरसिया हालांकि सर्वश्रेष्ठ भारतीय है लेकिन शानदार प्रदर्शन शिव कपूर ने दिखाया जिन्होने पहले दौर मे 74 के निराशाजनक कार्ड के बाद सत्र का सर्वश्रेष्ठ दौर खेला। उन्होने आठ अंडर 63 का कार्ड खेला जिससे वह पांच अंडर 137 के कुल स्कोर से संयुक्त 10वे स्थान पर चल रहे है। उनका 63 का कार्ड पार 71 पर नया कोर्स रिकार्ड है। कट मे प्रवेश करने वाले अन्य भारतीयो मे एस चिक्कारंगप्पा, विराज मदप्पा, ज्योति रंधावा, खालिन जोशी और आदिल बेदी रहे। वही जीव मिल्खा सिंह, राशिद खान, हिम्मत राय, अभिजीत चढ्ढा और अमन राज कट से चूक गए।

पुणे हाफ मैराथन 22 दिसंबर को

पुणे। बजाज अलायंज पुणे हाफ मैराथन का दूसरा चरण 22 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। आयोजको ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। हाफ मैराथन (21.1 किमी) के अलावा इसमे तीन अन्य दौड़ - 10 किमी, पांच किमी और तीन किमी भी आयोजित होगी। प्रदीप सिंह और एस मनीषा ने पहले चरण मे क्रमशः पुरूष और महिला वर्ग मे जीत हासिल की थी।

सीजीएफ प्रमुख खेलों के विरोध की धमकी पर आईओए अधिकारियों से मिलेंगे

नई दिल्ली। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलो (2022) से निशानेबाजी को बाहर किए जाने के विरोध मे भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के बहिष्कार की धमकी पर चर्चा के लिए राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) के अध्यक्ष लुइस मार्टिन 13 नवंबर को यहां आ रहे है।

भारत पुरूष हाकी विश्व कप की मेजबानी करेगा

● लगातार दूसरी बार मिला मौका

● भारत में 13 से 29 जनवरी 2023 में खेले जाएंगे मैच

एजेंसी। लुसाने

अंतरराष्ट्रीय हाकी महासंघ (एफआईएच) ने शुक्रवार को यहां भारत को 2023 पुरूष हाकी विश्व कप की मेजबानी के लिए चुना जिससे देश लगातार दूसरी बार इस प्रतियोगिता का आयोजन करेगा। एफआईएच के अनुसार पुरूष हाकी विश्व कप भारत में 13 से 29 जनवरी तक खेला जाएगा। एफआईएच की साल की अंतिम बैठक शुक्रवार को हुई और इसके कार्यकारी बोर्ड ने यह फैसला किया। इसी बैठक में फैसला किया गया कि स्पेन और नीदरलैंड एक से 22 जुलाई तक आयोजित होने वाले 2022 महिला विश्व कप के सह मेजबान होंगे। पुरूष और महिला दोनों विश्व कप के स्थलों की घोषणा बाद में मेजबान देशों द्वारा की जाएगी। भारत इस तरह चार पुरूष हाकी विश्व कप का आयोजन करने वाला पहला देश बन गया। वह इससे पहले 1982 में मुंबई में, 2010 में नई दिल्ली और 2018 में भुवनेश्वर में इस टूर्नामेंट का आयोजन कर चुका है। नीदरलैंड ने तीन पुरूष हाकी विश्व कप की मेजबानी की है। भारत 2023 में स्वतंत्रता के 75 साल पूरे करेगा इसलिए हाकी इंडिया इस मौके पर देश में इस खेल के विकास को दर्शाने के लिए विश्व कप की मेजबानी करना चाहता था। पुरूष विश्व कप के अगले चरण की मेजबानी के लिए भारत सहित तीन देशों (बेल्जियम और मलेशिया अन्य दो देश) ने दावेदारी पेश की थी। महिला विश्व कप के लिए पांच देशों – जर्मनी, स्पेन, नीदरलैंड, मलेशिया और न्यूजीलैंड – ने बोली लगाई थी। 2023 विश्व कप का प्रारूप पिछले चरण की तरह ही होगा। एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेल ने कहा कि खेल के विकास के अलावा टूर्नामेंट से मिलने वाले फायदे को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया। उन्होंने कहा, एफआईएच को इन प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए शानदार बोली प्राप्त हुई। फैसला करना मुश्किल था। एफआईएच का मुख्य लक्ष्य खेल का दुनिया भर में विकास करना है जिसके लिए निश्चित रूपसे निवेश की जरूरत है इसलिए प्रत्एक बोली में मिलने वाले लाभ ने फैसला करने में अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के अलावा भारत ने हाल में कुछ बड़े हाकी टूर्नामेंट का आयोजन किया है जिसमें 2014 में एफआईएच चैम्पियंस ट्राफी, 2016 में जूनियर पुरूष विश्व कप, 2017 में एफआईएच हाकी विश्व लीग फाइनल, 2019 में एफआईएच पुरूष सीरीज फाइनल्स शामिल हैं और हाल में एफआईएच हाकी ओलंपिक क्वालीफायर का समापन हुआ है।

सात्विक-चिराग चीन ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी। फुझोउ (चीन)

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां चीन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश करके इस बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 प्रतियोगिता में भारतीय उम्मीदें बरकरार रखी।

भारत की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में ली जुन हुई और लियु यु चेन की स्थानीय जोड़ी को 43 मिनट में 21–19, 21–15 से हराया। सात्विक और चिराग शनिवार को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व की नंबर एक इंडोनेशियाई जोड़ी मार्कस फर्नाल्डी गिडियोन और केविन संजय सुकामुल्जो से भिड़ेंगे। विश्व में नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी पिछले महीने फ्रेंच ओपन के फाइनल में इंडोनेशियाई जोड़ी से हार गई थी। क्वार्टर फाइनल में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन आखिर में सात्विक और चिराग तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी को हराने में सफल रहे। पहले गेम में आखिर तक दोनों जोड़ियां बराबरी पर आगे बढ़ी जबकि दूसरे गेम में भी एक समय स्कोर 15–15 से बराबरी पर था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आशू खान उर्फ आशीफ खान पुत्र श्री जफरूदीन पता सी–2, बालाजी आपर्टमेंट, बुरारी, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 336/11 धारा 420 भा.द.स. के तहत** थाना बुरारी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **आशू खान उर्फ आशीफ खान** नहीं मिल रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **आशू खान उर्फ आशीफ खान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 336/11 धारा 420 भा.द.स. के तहत थाना बुरारी, दिल्ली के उक्त आशू खान उर्फ आशीफ खान** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **03.12.2019** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री हरजीत सिंह जसपाल
मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट सेन्ट्रल
कमरा नं. 286
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/594/N/19

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक मृतक महिला जिसका **नाम** : नामालूम, **पिता** : नामालूम, **पताः** नामालूम, **उम्र** : 60–65 साल, **कद** : 5 फुट 3 इंच, **रंग** : गेहुँआ, **लिंग** : स्त्री, **पहचान चिन्ह** : दाहिने हाथ के अंगूठे पर एक 'साथिया' का टैटू निशान **शरीरः** मध्यम **बालः** सामान्य काले **पहनावा** : सफेद शर्ट और पीली सलवार पहनी है जो दिनांक 06.11.2019 को आनंद विहार रेलवे स्टेशन, दिल्ली प्लेटफार्म नंबर 6,7 के वाटर कूलर के पास मृत मिली। इस संदर्भ में **डी. डी. नं. 3ए, दिनांक 06.11.2019** थाना आनंद विहार रेलवे स्टेशन, दिल्ली में दर्ज है। पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अब तक इस मृतक महिला के बारे में कोई जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस मृतक महिला के बारे कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

थानाध्यक्ष
थाना : आनंद विहार रेलवे स्टेशन, दिल्ली

DP/4178/RLY/19 फोनः Ph. : 011-22145602, 8750871314

बादशाहत कायम रखने उतरेंगे जोकोविच और नडाल

● एटीपी फाइनल्स से वर्ष के अंत में होंगे कोर्ट पर

एजेंसी। लंदन

नोवाक जोकोविच एटीपी फाइनल्स में रोजर फेडरर के रिकार्ड छह खिताब की बराबरी करके और राफेल नडाल को नंबर एक रैंकिंग से हटाकर इस सत्र का शानदार अंत कर सकते हैं। जर्मनी के अलेक्सांद्र जेवरेव ने पिछले साल एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में जोकोविच को हरा दिया था लेकिन यह सर्बियाई टेनिस दिग्गज इस साल खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। जोकोविच और नडाल ने मिलकर इस साल के चारों ग्रैंडस्लैम जीते और अगली पीढ़ी को अपनी बादशाहत नहीं जमाने दी। नडाल ने अब तक एटीपी फाइनल्स का खिताब नहीं जीता है लेकिन उन्होंने अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी को इस सप्ताह नंबर एक रैंकिंग से हटा दिया था और वह उम्मीद कर रहे हैं कि साल के आखिर में भी वह शीर्ष पर काबिज रहेंगे। टूर्नामेंट से पहले हालांकि चोट उनके लिए परेशानी का सबब बनी है। फेडरर, नडाल और जोकोविच को शीर्ष वरीयता दी गई है और वे 2007 के बाद पहली बार एक साथ एटीपी फाइनल्स में खेलेंगे। बारह साल बाद भी पुरुष टेनिस के शीर्ष खिलाड़ियों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है हालांकि उन्हें रूस के डेनिल मेदवेदेव से सतर्क रहना होगा जिन्होंने अगस्त के बाद दो मास्टर्स खिताब जीते हैं और नडाल को यूएस ओपन फाइनल में पांच सेट तक संघर्ष करवाया था। एटीपी फाइनल्स में शीर्ष आठ खिलाड़ी भाग लेते हैं। इन चारों के अलावा इस बार आस्ट्रिया के डोमिनिक थीम, यूनान के स्टेफेनोस सिटिसिपास, जर्मनी के जेवरेव और इटली के मैटियो बेरेटिनी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। नडाल पांचवीं बार साल के आखिर में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने की कोशिश करेंगे। वह अभी जोकोविच से 640 अंक आगे हैं। उनकी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है लेकिन वह टूर्नामेंट में खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आस्ट्रेलिया ने श्रृंखला अपने नाम की

● पाकिस्तान को 10 विकेट से रौंदा

एजेंसी। पर्थ

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद आरोन फिंच (52) और डेविड वार्नर (48) की नाबाद आतिशी पारियों से आस्ट्रेलिया ने श्रृंखला के तीसरे और आखिरी टी20 मैच में पाकिस्तान को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की।

श्रृंखला का पहला मुकाबला बरिश से धुल गया था जबकि आस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच को सात विकेट से जीता था। पाकिस्तान को निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन पर रोकने के बाद आस्ट्रेलिया के सालामी बल्लेबाजों की जोड़ी ने महज 11.5 ओवर में 109 रनाकर मैच अपने नाम किया। अगले साल घरेलू सरजमीं पर होने वाले विश्व कप की तैयारी में लगी आस्ट्रेलियाई टीम की इस प्रारूप में यह लगातार आठवीं जीत है। कप्तान फिंच ने 36 गेंद की नाबाद पारी में चार चौके और तीन छक्के लगाए जबकि वार्नर ने 35 गेंद की नाबाद पारी में दो छक्के और चार चौके लगाए। टास गंवा कर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तान की टीम इफ्तिखार अहमद की 45 रन की पारी के बावजूद आठ विकेट पर 106 रन ही बना सकी। आस्ट्रेलिया की धारदार गेंदबाजी के आगे पाकिस्तान की टीम पूरी तरह बेबस नजर आई और इफ्तिखार के अलावा सिर्फ कप्तान बाबर आजम (14) ही दहाई के आंकड़े में पहुंच सके। इफ्तिखार ने 37 गेंद की पारी में छह चौके लगाए। वह दांए हाथ के तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन का शिकार बने। रिचर्डसन आस्ट्रेलिया के सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने चार ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट लिए। मैन आफ द मैच सीन एबोट ने चार ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए। मिशेल स्टार्क ने भी दो बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा जबकि एशटन एगर को एक सफलता मिली।

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड

Chola Enter a better life

पंजीकृत कार्यालय : प्रथम तल, 'डेयर हाउस' नंबर 2, एन.एस.सी. बोस रोड, चेन्नई–600 001
शाखा कार्यालय : प्लॉट नंबर 6, द्वितीय तल, मेट्रो पिलर नंबर 81 के सामने, पूसा रोड, करौल बाग, नई दिल्ली–110005

कब्जा सूचना (नियम 8(1) के तहत)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, इसमें आगे अधिनियम कहा गया है, के अधीन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली 2002 के नियम 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(12) के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए मांग सूचना(एं) कालम (**सी**) में वर्णित तिथियों को जारी की थीं, जिसमें कर्जदारों, जिनके नाम कालम (**बी**) में निदर्शित किए गए हैं, से कालम (**डी**) में निदर्शित बकाया राशि का भुगतान उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की मांग की गई थी। कर्जदार उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतद्द्वारा कर्जदार(रों)/गारंटर(रों) और जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बैंक में बंधक रखी कालम (**ई**) में वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा कोर्ट रिसीवर के माध्यम से कालम (**एफ**) में निदर्शित तिथियों को प्राप्त कर लिया है। कर्जदार को विशेष रूप से तथा जनसाधारण को कालम (**ई**) में वर्णित संपत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने हेतु सावधान किया जाता है और संपत्तियों के संबंध में कोई भी संव्यवहार चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फायनैंस कम्पनी लिमिटेड की कालम (**डी**) में निदर्शित बकाया राशि और उस पर ब्याज के प्रभाराधीन होगा।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम एवं पता तथा ऋण खाता संख्या	मांग सूचना की तिथि	बकाया राशि	कब्जे में ली गई सम्पत्ति का विवरण	भौतिक कब्जा लेने की तिथि
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)
1.	(हमारी दिल्ली शाखा का ऋण खाता क्रमांक **X0HEDHE00000797542**) रनित सिंघल (कर्जदार), विष्णु भगवान सिंघल, वीणा सिंघल (सह–कर्जदार) सभी का पत्रव्यवहार हेतु पता : मकान नंबर ई–20/48, पाकेट ई–20, ब्लॉक–ई, सेक्टर–3, रोहिणी रेजिडेंशियल स्कीम, रोहिणी, नई दिल्ली– 110085 **अन्य पता** : प्लॉट नंबर 47, ब्लॉक– ई–20,सेक्टर–3, रोहिणी रेजिडेंशियल स्कीम, रोहिणी, नई दिल्ली– 110085	**25-06-2018**	रू. 1,70,48,665.63 (रूपए एक करोड़ सत्तर लाख अड़तालीस हजार छह सौ पैंसठ तथा पैसे तिरेसठ मात्र)	सम्पत्ति परिमाप 31.69 वर्ग मीटर, प्लॉट नंबर 47, पाकेट नंबर 20, ब्लॉक– ई, सेक्टर–3, रोहिणी रेजिडेंशियल स्कीम, रोहिणी, नई दिल्ली– 110085 सम्पत्ति परिमाप 32.03 वर्ग मीटर, प्लॉट नंबर 48, पाकेट नंबर 20, ब्लॉक– ई, सेक्टर–3, रोहिणी रेजिडेंशियल स्कीम, रोहिणी, नई दिल्ली– 110085	**08-11-2019**

स्थान : दिल्ली + एनसीआर तिथि : 09–11–2019 हस्ता./– (प्राधिकृत अधिकारी) वास्ते मैसर्स चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐण्ड फाइनैंस कम्पनी लिमिटेड

मलान, मोर्गन की धमाकेदार पारियों से इंग्लैंड की बड़ी जीत

● न्यूजीलैंड को 76 रन से हराया

एजेंसी। नेपियर (न्यूजीलैंड)

डेविड मलान के तूफानी शतक और कप्तान इयोन मोर्गन के साथ उनकी रिकार्ड साझेदारी से इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 76 रन से करारी शिकस्त दी।

मलान ने 51 गेंदों पर नाबाद 103 रन बनाए जबकि मोर्गन ने अंतिम ओवर में लंबा शाट लगाने के प्रयास में आउट होने से पहले 91 रन की पारी खेली। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 182 रन जोड़े जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में इस विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। इंग्लैंड ने इन दोनों की पारियों की बदौलत तीन विकेट पर 241 रन बनाए जो उसका क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सर्वोच्च स्कोर है। न्यूजीलैंड ने बड़े लक्ष्य के सामने तेजी से रन बनाने के प्रयास में शुरू से लगातार विकेट गंवाए ओर उसकी टीम 16.5 ओवर में 165 रन पर आउट हो गई। इस तरह से इंग्लैंड ने पांच मैचों की श्रृंखला 2–2 से बराबर कर दी है। आकलैंड में रविवार को होने वाला अंतिम मैच अब निर्णायक बन गया है। मलान ने अपने शतक के लिए 48 गेंदें खेली और अलेक्स हेल्स के 60 गेंद के पिछले रिकार्ड को आसानी से पीछे छोड़ा। उनकी पारी में छह छक्के और नौ चौके शामिल हैं जबकि मोर्गन ने 41 गेंदों का सामना करके सात छक्के और इतने ही चौके लगाए। मलान ने ईश सोढ़ी के एक ओवर में तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 28 रन बटोरे। उन्होंने ट्रेंट बोल्ट पर स्क्वायर लेग क्षेत्र में चौका जड़कर अपना पहला शतक पूरा किया। इंग्लैंड ने टास गंवाने के बाद जॉनी बेयरस्टॉ (आठ) और टॉम बैंटन (31) के विकेट जल्दी गंवा दिए थे। इन दोनों को मिशेल सैंटनर (32 रन देकर दो) ने आउट किया। न्यूजीलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तेज शुरुआत की तथा पांचवें ओवर तक स्कोर 54 रन पर पहुंचा दिया। मार्टिन गुप्टिल ने 27 और कोलिन मुनरो ने 30 रन बनाए। इसके बाद निरंतर विकेट गिरते रहे तथा केवल कप्तान टिम साउथी (39) ही कुछ रन जुटा पाए। इंग्लैंड की तरफ से मैट पर्किन्सन ने 47 रन देकर चार और क्रिस जोर्डन ने 24 रन देकर दो विकेट लिए।

कार्यालय ग्राम पंचायत अकडौली विकास खण्ड–हापुड,

पत्रांक/मीमो/निविदा प्रकाशन/ग्रा0पअ0/2019–20 दिनांकः– 08.11.2019

–: अल्पकालीन निविदा :–

ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त/चौहदंवा वित्त योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यो के लिये पंजीकृत ठेकेदारों से सील बन्द निविदायें दिनांक 14/11/19 को सॉय 2.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र दिनांक 14/11/19 तक कार्यालय समय में सम्बन्धित ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते है। निविदा अधिकृत अधिकारियों द्वारा इच्छुक ठेकेदारों की उपस्थिति में दिनांक 15/11/19 की सॉय 3.00 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं.	कार्य का नाम	कार्य का स्थल	कार्य की माप	अनु0 लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य पूर्ण होने की अवधि
1.	सी0सी0 रोड़	राजेन्द्र से जालिम के मकान तक	57मी0	337700	6754	350	2 माह
2.	सी0सी0 रोड़	संदीप के मकान से राजेन्द्र तक	22मी0	107785	2156	150	2 माह
3.	सी0सी0 रोड़	सार्वजनिक शोचायल से संदीप के माकन तक	38मी0	174156	3483	200	2 माह
4.	सी0सी0 रोड़	ट्रांसफार्मर से राजेन्द्र के मकान तक	43मी0	248681	4974	250	2 माह
5.	सी0सी0 रोड़	राजीव से ट्रांसफार्मर तक	48मी0	249654	4994	250	2 माह
6.	यू0 टाइप नाली	सुखवीर के मकान से ओमकार के खेत तक	159मी0	199900	3998	200	2 माह
7.	सी0सी0 रोड़	नर्सरी वाले रास्ते से नेपाल के प्लॉट तक	45मी0	249348	4987	250	2 माह
8.	इन्टरलॉकिग टाइल्स	उवारपुर वाले रास्ते पर नाले की पुलिया तक	18मी0	193693	3874	200	2 माह
9.	यू0 टाइप नाली	अनुज के मकान से जालिम के मकान तक	150मी0	175042	3500	200	2 माह
10	वाटर हारवेस्टिंग	प्राथमिक विद्यालय में वाटर वेस्टिंग निर्माण।	–	132000	2640	150	2 माह
11.	इन्टरलॉक टाइल्स	सुदेश के मकान से विटटू के मकान तक	25मी0	199128	3983	200	2 माह
12.	इन्टरलॉक टाइल्स	मनोज के मकान से तेजवीर के मकान तक	28मी0	221629	4433	250	2 माह
13.	इन्टरलॉक टाइल्स	चमन के घर से महेन्द्रपाल के मकान तक	30मी0	236745	4735	250	2 माह

नियम व शर्तेः–

1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय एन0एस0सी0/एफ0डी0आर0/पास बुक के रूप मे दी जा सकती है जो ग्राम पंचायत के नाम बन्धन होगी अथवा नकद जमा की जा सकती हैं।
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सम्बन्धित ग्राम पंचायत को होगा।
4. निविदा केवल सरकारी विभाग मे पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त हापुड़ के यहा होना चाहिए तथा ठेकेदार को प्रत्येक कार्य का पंजीकरण उप श्रमायुक्त कार्यालय हापुड़ में कराना अनिवार्य होगा।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100/– का नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाने।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतिया की जायेगी।
8. अन्य नियम व शर्ते लागू रहेंगी।

प्रधान
ग्राम पंचायत अकडौली

सचिव
ग्राम पंचायत अकडौली

छत्रसाल के साथ वेब सीरीज में आगाज से खुश हैं आशुतोष राणा

भोपाल। मशहूर बालीवुड अभिनेता आशुतोष राणा ने शुक्रवार को कहा कि वह आने वाली वेब सीरीज छत्रसाल के साथ इंटरनेट स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के लिए पहली बार काम रहे हैं और उन्हें इस बात की खुशी है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनका आगाज मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड से जुड़ी एक ऐतिहासिक शख्सियत पर आधारित श्रृंखला से हो रहा है। राणा ने यहां टैगोर अंतरराष्ट्रीय साहित्य एवं कला महोत्सव विश्व रंग के अवसर पर संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। राणा ने कहा कि उनकी पहली वेब सीरीज छत्रसाल जल्द ही आने वाली है। उल्लेखनीय है कि आशुतोष राणा इस वेब सीरीज में मुगल बादशाह औरंगजेब के किरदार में दिखाई देंगे। राणा ने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि मध्य प्रदेश की राजधानी में विश्व रंग के माध्यम से साहित्य एवं कला पर केन्द्रित इतना बड़ा आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश भारत का सांस्कृतिक क्षेत्र और भोपाल देश की सांस्कृतिक राजधानी है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में कला और संस्कृति के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। अभिनेता ने कहा कि आगामी मकर संक्रांति पर उनकी दूसरी पुस्तक राम राज्य आ रही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम भारतीयों के चित्र, चरित्र और चिंतन में बसे हैं। राणा की व्यंग्य रचनाओं पर आधारित मौन मुस्कान की मार पुस्तक पहले ही आ चुकी है।

आईएफएफआई में प्रदर्शित होंगी ऋत्विक घटक और उदय शंकर की फिल्में

नई दिल्ली। ऋत्विक घटक द्वारा निर्देशित कालजई फिल्म ए रिवर कॉल्ड तिताश और प्रख्यात नर्तक उदय शंकर की फिल्म कल्पना 50वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के संरक्षित फिल्मों वाले इंडियन क्लासिक्स सत्र में दिखाई जाएगी। घटक की वर्ष 1973 में आई फिल्म तिताश एक्टि नोदीर नाम (ए रिवर कॉल्ड तिताश) 23 नवंबर को दिखाई जाएगी और शंकर की 1948 में आई संगीतमय फिल्म कल्पना 24 नवंबर को प्रदर्शित की जाएगी। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन फिल्मों को अमेरिकी फिल्मकार मार्टिन स्कॉर्सीज द्वारा स्थापित फिल्म फाउंडेशन द्वारा संरक्षित किया गया था। नौ दिवसीय फिल्म महोत्सव के इस स्वर्ण जयंती संस्करण में महिला निर्देशकों की 50 फिल्में भी प्रदर्शित की जाएँगी। आईएफएफआई 20 से 28 नवंबर के बीच गोवा में आयोजित किया जाएगा।

शकुंतला देवी पर बन रही फिल्म में अमित साध का नाम भी जुड़ा

मुंबई। फिल्म शकुंतला देवी- ए ह्यूमन कंप्यूटर के अभिनेताओं में विद्या बालन के साथ अमित साध का नाम भी जुड़ गया है। यह फिल्म तेजी से गणित के समीकरण हल करने के लिए जानी जाने वाली शकुंतला देवी के जीवन पर आधारित है। निर्माताओं के अनुसार साध फिल्म में शकुंतला के दामाद का रोल करेंगे। अनु मेनन के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा शकुंतला की बेटी का रोल अदा करेंगी। साध ने एक बयान में कहा, जब मैंने पटकथा को पढ़ा तब मैंने अविश्वसनीय शकुंतला देवी के जीवन के बारे में जाना। मैं विद्या बालन और सान्या मल्होत्रा जैसी ऊर्जावान अभिनेत्रियों के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूँ। मैं अजय के चरित्र को बड़े पर्दे पर सजीव करने की कोशिश क-रूँगा। उन्होंने कहा, मैं अनु के साथ पिछले कुछ हफ्तों से काम कर रहा हूँ। मैं उनकी कला और स्पष्टता का प्रशंसक हूँ। निर्देशन के उनके तरीके के कारण प्रतिदिन मेरे प्रदर्शन में सुधार हुआ है। उन्होंने मुझे अजय के चरित्र और पूरी कहानी को समझने में सहायता की। मेनन ने कहा कि साध के साथ काम करने में उन्हें प्रसन्नता हुई।

'मुझे भोजन, निद्रा और पानी भी शंकरमय लगने लगा था'

अभिनेता **सूरज पंचोली** और निर्देशक **इरफान कमल** ने अपनी अगली फिल्म 'सेटेलाइट शंकर' के माध्यम से देश को एकजुट करने का ही प्रयास किया है। अधिक जानकारी देती पायनियर संवाददाता **साक्षी शर्मा** की ये रिपोर्ट-

मैं लाउंज में अभिनेता सूरज पंचोली की प्रतीक्षा कर रही थी। इतने में निर्देशक इरफान कमल का कमरे में प्रवेश हुआ और उन्होंने मुझसे बैठने का निवेदन किया। मैंने सोचा कि मुझे संभवत: सूरज की और प्रतीक्षा करनी होगी या फिर मैं साक्षात्कार प्रारंभ कर सकती हूं। लेकिन निर्देषक पूरी तरह से तैयार थे।

पीछे लगे फिल्म 'सेटेलाइट शंकर' के पोस्टर को देखकर मैंने इसके नाम पर प्रश्न किया तो उन्होंने बताया, 'ये बस लोगों को कयास लगाने के लिए प्रेरित करने के लिए रखा गया। इससे उन्हें फिल्म के बारे में जानने की उत्सुकता होगी। आजकल हम लोगों से अधिक संपर्क नहीं बनाते लेकिन सेटेलाइट में मोबाइल,टीवी और इंटरनेट द्वारा एक दूसरे से जोड़े रखते हैं। फिल्म में हमने इसी दूरी को पाटकर दिलों को जोड़ने का ही प्रयास किया है।'

उनका बोलना जारी था और उधर कमरे में प्रवेश करते हैं फिल्म के नायक सूरज पंचोली, इससे इरफान के विचारों का तारतम्य क्षण भर को टूट जाता है। वो उनके निकट ही बैठ जाते हैं और अपने मोबाइल फोन पर कुछ करने लग जाते हैं उधर इरफान ने हमें इस प्रोजेक्ट के प्रारंभिक विचार के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि उन्हें समाचार-पत्र पढ़कर कई प्रकार के विचार आते हैं, 'जब आप समाचार-पत्र पढ़ते हैं तो आप किसी भी विषय को गहराई से जानने का प्रयास करते हैं और फिर उसके तर्क को जानने का प्रयास करते हैं। मैंने एक बार पढ़ा था कि सैनिक कभी भी अपनी ड्यूटी से अलग नहीं रहते। मुझे इस विचार ने छू लिया और मुझे अपनी फिल्म का मूल विचार मिल गया। सैनिकों को प्राय: बुलावा आने पर छुट्टी पूरी होने से पहले देश की ड्यूटी पर लौटना पड़ता है।'

फिल्म का मूल विचार देश को वैसे ही एकजुट रखने पर आधारित था जैसे एक सैनिक करता है। एक फिल्मकार के रूप में कमल आम नागरिकों के दिलों में

देष के सैनिकों के प्रति सम्मान उपजाना चाहते थे। उन्होंने देश के सुदूर इलाकों में सैनिकों द्वारा देश की ड्यूटी करने के बारे में बताते हुए कहा वे वहां भी होते हैं जहां किसी प्रकार का नेटवर्क या समुचित भोजन की भी आपूर्ति तक नहीं होती।

उन्हें दुनिया के समाचारों का भी ज्ञान नहीं होता। कई बार तो उन्हें अपने परिवारों की गतिविधियों के बारे में भी पता नहीं चल पाता या फिर विलंब से पता चल पाता है। जब लोगों को फिल्म के माध्यम से उनके त्याग के बारे में पता चलेगा तो उनके मन में सैनिकों के प्रति सम्मान और अपनी स्वतंत्रता के मूल्य का भान होगा। वो बताते हैं, 'यदि आप अपने परिवार का ध्यान नहीं रखते तो आपको याद रखना चाहिये कि इन सैनिकों को अपने परिवारी सदस्यों से मिलने तक का अवसर नहीं मिल पाता। हमें सैनिकों से सीखना चाहिये।'

फिल्म में शंकर एक ऐसा सैनिक है जिसने अपनी पोस्ट से कभी अवकाश नहीं लिया है। उसके लिए देश के सोषल मीडिया पर एक अभियान चलाया जाता है जिसका लक्ष्य उसे अवकाष दिलाना होता है। कमल फिल्म के बारे में बताए जा रहे थे और उधर सूरज अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अपने चरित्र के बारे में बताया कि ये अत्यंत चुनौतीपूर्ण था,

'देशभक्ति वाली फिल्मों में अक्सर ऐक्षन दृष्यों की भरमार होती है लेकिन इसमें भावनाओं को प्रधान रखा गया है। मुझे कहना होगा कि इसके लिए मुझे ऐक्षन नहीं सीखना पड़ा। लेकिन मुझे स्क्रिप्ट पर ध्यान देने के साथ ही स्वयं को फिट रखने पर पूरा ध्यान देना था।' वो अपनी चुनौतियों के बारे में विस्तार से बता पाते उससे पहले ही कमल ने दखल देते हुए कहा, 'किसी भी हीरो के लिए अपनी सिक्सपैक बॉडी को खोना आसान नहीं होता लेकिन सूरज ने फिल्म के लिए ये बलिदान दिया है।'

अभिनेता ने उनकी हां में हां मिलाते हुए बताया कि पहले वो भी बॉडी बिल्डिंग पर अधिक ध्यान देते थे क्योंकि वो खेल से जुड़े थे, 'जब कमल जी मेरे पास स्क्रिप्ट लेकर आए थे मुझे लगा था कि ये ऐक्शन फिल्म होगी लेकिन उन्होंने जब बताया कि ये ऐक्शन फिल्म नहीं है तो मुझे धक्का लगा था। निर्देशक ने उनसे मशल्स को भी कम करने और शरीर को फिट रखने के लिए भी कहा। किसी भी अभिनेता के लिए ये कठिन होता है लेकिन स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद उन्हें फिल्म अत्यधिक प्रिय लगने लगी थी।

यही कारण था कि 'मैंने स्वयं पर परिश्रम करना प्रारंभ कर दिया। फैट कम करना तो सरल होता है लेकिन मशल्स कम करना एक जटिल कार्य होता है।'

लेकिन फिल्म की टीम से मिली प्रेरणा ने सब संभव कर दिखाया। सूरज ने बताया, 'मुझे भोजन, निद्रा और पानी भी शंकर नाम का ही लगने लगा था। क्योंकि कमल मुझमें परदे पर और परदे से अलग भी, एक सैनिक की झलक देखना चाहते थे।'

फिल्म में हर प्रकार के मनोभावों को रखा गया है। एक ओर वो अपनी मां से मिलकर प्रसन्न होता है तो दूसरी ओर उसके जीवन की कठिनाइयों को भी प्रदर्षित किया गया है। लेकिन चूंकि सूरज स्वयं एक भावनात्मक परिवार से हैं तो उन्हें ये करने में विशेष कठिनाई नहीं हुई। वो बताते हैं, 'वास्तव में तो हर फिल्म भावनाओं के आधार पर ही चलती है। जब मुझे कोई फिल्म प्रस्तावित होती है तो मैं इसमें सबसे पहले भावनाओं को देखता हूं। इनके न होने पर मैं उसे स्वीकार ही नहीं करता।'

कमल का मानना है कि वो अपनी फिल्म द्वारा सेना का उनपर जो उपकार है वो उसे ही इसके माध्यम से वापस करना चाहते थे, 'संभव है कि हमने उनके लिए पर्याप्त न कर पाया हो लेकिन यदि लोग इसके संदेश को 5 प्रतिशत भी समझ लें तो फिल्म का उद्देष्य पूरा हो जाएगा।'

हमनें देशभक्ति आधारित फिल्में देखी हैं तो ऐसे में उनकी इस फिल्म में औरों से क्या अलग है, देखने वाली बात यही हैं। कमल ने आगे बताया, 'हमारी फिल्म की विशेष बात है कि हमने इसमें सोशल मीडिया को जागरूकता का माध्यम बनाया हैं। इसमें दिखाया गया है कि युवा लोग इस उद्देश्य के लिए आगे आते हैं, कॉलेज के बच्चे और नेट के अभ्यस्त अन्य लोग भी इस आंदोलन से जुड़ने लगते हैं। सूरज ने वर्ष 2015 में हीरो नामक फिल्म से अपने कॅरियर का प्रारंभ किया था। उनके अनुसार इस फिल्म की भूमिका उससे 10 गुना कठिन थी। अपनी पहली फिल्म में मैंने अपना ही चरित्र निभाया था क्योंकि उसमें मार्शल आर्ट, डांस और संवाद बोलने थे लेकिन इसमें तो एक सेकेंड के लिए भी मुझे हीरो जैसा अनुभव नहीं आया।'

एक लीड अभिनेता के रूप में सूरज चार साल बाद वापसी कर रहे हैं। वो काफी समय से फिल्म में डांस और ऐक्षन से भरपूर फिल्म की प्रतीक्षा कर रहे थे, 'लेकिन जीवन में कभी देर नहीं होती और आज मुझे प्रसन्नता है कि ये रोल मुझे मिला।' अपने पदार्पण के साथ ही सूरज अपनी महिलामित्र जिया खान की आत्महत्या के बाद एकदम से चर्चा में आ गए थे। ये पूछने पर कि क्या इससे उनके कॅरियर पर प्रभाव पड़ा था उन्होंने थोड़ा रुकते हुए बताया, 'मैं इसमें हां और न दोनों ही नहीं कह सकता क्योंकि मैंने ही उस समय ब्रेक लेने का निर्णय किया था। जीवन में ऊपर-नीचे तो होता ही रहता है लेकिन मैंने ही उस समय को देखते हुए ब्रेक लेने का निर्णय किया था। मुझे उस समय कई फिल्में मिली थीं लेकिन मैंने मना कर दिया क्योंकि मैं उनकी कहानी से शतप्रतिशत सहमत नहीं था।'

उन्होंने ये भी बताया कि मीडिया ने उनका ट्रायल चला रखा था, 'मेरे बारे में मीडिया ने जो भी लिखा उसमें पांच प्रतिषत भी सच नहीं था। उन्होंने केवल एकपक्षीय कहानी सुनी थी और मेरा पक्ष तो उन्हें पता ही नहीं था। मैंने लोगों की सहानुभूति पाने के लिए स्वयं को कभी निर्दोष नहीं बताया था।' उन्होंने जारी रखते हुए कहा, 'मीडिया से मुझे न्याय नहीं मिल सकता, केवल न्यायालय ही मुझे न्याय दे सकता है। अत: मैं कोर्ट के निर्णय की प्रतीक्षा कर रहा हूं। ये मेरे कॅरियर और आजीविका का प्रष्न है अत: मुझे बोलना ही था क्योंकि जो भी हो रहा है वो त्रुटिपूर्ण है।' (फिल्म 15 नवंबर को रिलीज़ हो रही है)

'बिग बॉस' के लिए शेफाली ने सीखा खाना पकाना

अभिनेत्री-डांसर शेफाली जरीवाला 'बिग बॉस' की नई प्रतिभागियों में से एक हैं। शेफाली को कुकिंग का शौक बिल्कुल नहीं है, लेकिन जब उन्होंने शो का हिस्सा बनने का फैसला किया तब उन्होंने इसके कुछ गुर सीखे। शेफाली के पति और अभिनेता पराग त्यागी ने कहा, 'पहली बार जब मैंने शेफाली को किचन में देखा, तो मैं चौंक गया, लेकिन मुझे यह देखकर अच्छा भी लगा कि 'बिग बॉस' के घर में रहने के लिए किस तरह से वह एक नई कला को सीखने के लिए प्रयासरत हैं।' साल 2002 में 'कांटा लगा' गाने से रातोंरात सूर्खियों में आईं शेफाली को शो का हिस्सा बने अभी कुछ ही दिन हुए हैं।

अच्छी फिल्में और साथी ही मुझे घर से निकाल सकते हैं: अरशद वारसी

मुंबई। खुद को आलसी और संतोषप्रद बताते हुए अभिनेता अरशद वारसी का कहना है कि वह किसी भी फिल्म की शूटिंग के लिए घर से तब ही निकलते हैं जब वह फिल्म उनके अंतर्मन पर अपना प्रभाव छोड़ती है।

उन्होंने यहाँ एक साक्षात्कार में कहा, लालच और चाहत की कोई सीमा नहीं है। मैं अलग तरह का व्यक्ति हूँ। अभिनेता के तौर पर मैं सही मॉडल नहीं हूँ। अभिनेता को समझदार और अधिकाधिक के लिए लालची होना चाहिए। मैं संतुष्ट हूँ और मुझे कोई परवाह नहीं है। मैं एकदम आलसी व्यक्ति हूँ। वारसी ने कहा कि अच्छी फिल्म और अच्छे साथी ही उन्हें घर से निकालकर फिल्म के सेट पर पहुंचा सकते हैं। गोलमाल , धमाल और मुन्नाभाई जैसी सफल फिल्मों में अभिनय कर चुके अरशद वारसी की अगली फिल्म पागलपंती है जिसे अनीस बामजई ने निर्देशित किया है।

उनका मानना है कि यह फिल्म फ्रेंचाइजी बन सकती है। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि यह अच्छी बनेगी और इसकी श्रृंखला भी बनेगी। मैं मानता हूँ कि लोग किरदारों को देखना चाहते हैं। किरदार श्रृंखला बनाते हैं फिल्में नहीं। इसलिए आपको शृंखला बनाने के लिए असल जिंदगी के लोगों जैसे चरित्र गढ़ने होंगे। हालांकि अरशद ने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे और मुन्नाभाई का उदाहरण देते हुए यह भी कहा कि हर सफल फिल्म की त्रृंखला नहीं बन सकती। अरशद ने खुलासा किया कि उन्होंने इंद्र कुमार की ग्रैंड मस्ती और ग्रेट ग्रैंड मस्ती जैसी फ्रेंचाइजी फिल्में इसलिए नहीं कीं क्योंकि वह सेक्स कॉमेडी फिल्मों में सहज महसूस नहीं करते। उन्होंने कहा कि वह एक ही जैसा रोल दोबारा नहीं करते और लेखक द्वारा गढ़े गए किरदार को निभाते हैं। उन्होंने कहा जैसे ही आप लेखक द्वारा आपके लिए लिखे गए किरदार को निभाने लगते हैं वैसे ही आपका अभिनय बदल जाता है। 51 वर्षीय अभिनेता का मानना है कि यदि किरदार फिल्म की कहानी के हिसाब से महत्वपूर्ण है तो वह यह परवाह नहीं करते कि किरदार कितना बड़ा है। अरशद इस समय अपनी फिल्म पागलपंती के प्रचार में व्यस्त हैं जो 22 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

आयुष्मान के लिए प्रेरणास्रोत हैं शाहरुख और आमिर खान

मुंबई। आयुष्मान खुराना का कहना है कि वह शाहरुख खान और आमिर खान दोनों के प्रशंसक हैं और दोनों से प्रेरणा लेते हैं। हाल ही में शाहरुख खान के साथ ट्विटर पर हुई प्रश्नोत्तरी में प्रशंसक और सह अभिनेत्री सयानी गुप्ता ने टिप्पणी की थी कि आयुष्मान के दिमाग में शाहरुख को लेकर एक बहुत अच्छी पटकथा है।

पटकथा के बारे में पूछे जाने पर फिल्म बाला के अभिनेता आयुष्मान खुराना ने कहा कि वह पटकथा लिखने के इच्छुक हैं। आयुष्मान ने कहा, मैं एसआरके का प्रशंसक हूँ और बाला में मैंने अपने तरीके से उन्हें (शाहरुख को) सम्मान दिया है। शाहरुख के जन्मदिन पर आयुष्मान ने फिल्म का एक वीडियो जारी किया था जिसमें बाला नामक चरित्र एक महिला को शाहरुख के डायलाग बोलकर रिझाने की कोशिश करता है। आयुष्मान ने कहा कि वह आमिर के भी प्रशंसक हैं। उन्होंने कहा, मैं आमिर खान सर के काम का बहुत बड़ा प्रशंसक हूँ और हमेशा उनसे सीखता रहता हूँ। वह भारतीय सिनेमा के महानतम कलाकारों में से एक हैं और मेरे लिए प्रेरणा के अहम स्रोत हैं।

मैं उनसे दंगल के सेट पर मिला था और उनकी सरलता और विचारों में स्पष्टता को देखकर विस्मित हो गया था। उन्होंने कहा कि बाला में उनका रोल सबसे चुनौतीपूर्ण था।

ट्रोलिंग से भाग नहीं सकते हैं : अदिति

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी आने वाले समय में फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' में नजर आएंगी। उनका कहना है कि वह सोशल मीडिया ट्रोलर्स को दया की नजरों से देखती हैं क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि ये ट्रोलर्स अपनी जिंदगी में जरूर मुसीबतों का सामना कर रहे होते हैं और यही वजह है कि इस तरह के काम से वे अपने गुस्से को किसी और पर निकालते हैं। अदिति ने कहा, 'मुझे लगता है कि ट्रोलिंग एक वास्तविकता है जिससे आप भाग नहीं सकते हैं क्योंकि मेरा मानना है कि जो दूसरों को ट्रोल करते हैं वे अपनी जिंदगी में जरूर किसी तरह की समस्या

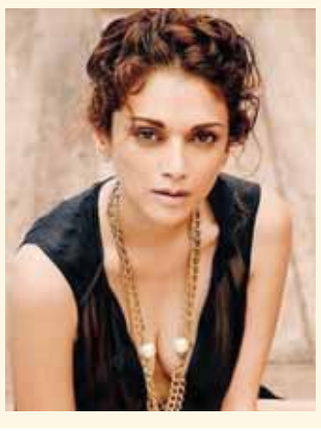

का सामना कर रहे होते हैं या वे खुद को लेकर दुखी हैं या किसी और चीज को लेकर गुस्से में हैं इसलिए आपके सोशल मीडिया पोस्ट पर वे अपने गुस्से को जाहिर करते हैं।'

अदिति की आगामी फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' इसी नाम से साल 2016 में आई हॉलीवुड फिल्म की रीमेक है और इसकी कहानी साल 2015 में आए ब्रिटिश लेखिका पाउला हॉकिन्स द्वारा लिखित उपन्यास पर आधारित है। रिभु दासगुप्ता द्वारा निर्देशित और रिलायन्स एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित यह फिल्म साल 2020 में रिलीज होगी।